THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 182 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन शु.5 2082 शनिवार, 27 सितंबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

राहुल गांधी को हाईकोर्ट से झटका

प्रयागराज, 26 सितंबर (एजेंसियां)। रायबरेली के सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से झटका लगा है। स्पेशल कोर्ट वाराणसी के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। राहुल गांधी पर मुकदमा दर्ज होगा या नहीं अब स्पेशल कोर्ट इस मामले की सुनवाई के लिए कार्रवाई को आगे बढ़ा सकेगी। यह आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन की अदालत ने दिया है। यह मामला सितंबर 2024 का है। राहुल गांधी ने अमेरिका में एक कार्यक्रम के दौरान कथित तौर पर कहा था कि भारत में सिखों के लिए माहौल अच्छा नहीं है, क्या सिख पगड़ी पहन सकते हैं, कड़ा रख सकते हैं और गुरुद्वारे जा सकते हैं?

बिहार में नीतीश के नेतृत्व में कानून का राज : पीएम

पटना, 26 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार में वर्चुअली 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' की शुरूआत की। शुक्रवार को 75 लाख महिलाओं के खातों में प्रधानमंत्री ने ऑनलाइन 10-10 हजार की राशि ट्रांसफर की। 2020 के आंकड़ों के मुताबिक, बिहार में महिला वोटर्स की संख्या करीब 3.39 करोड़ है। इसके अनुसार करीब 22 प्रतिशत महिला वोटर्स को आज शुरू हुई योजना का फायदा मिलेगा। जीविका दीदियों को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा, अगर देश ने जन-धन योजना के तहत 30 करोड़ से ज्यादा माताओं-बहनों के खाते न खुलवाए होते तो क्या आज इतने पैसे हम सीधे आपके खाते में भेज पाते। आज जो पैसे भेजे जा रहे हैं, वो पूरे आपके खाते में जमा होंगे। कोई एक पैसा नहीं मार सकता है। पहले योजना का पैसा आप तक पहुंचने से पहले लूट जाता था। एक भाई तब ही खुश होता है, जब उसकी बहन स्वस्थ हो, परिवार खुश हो। आज आपके दो भाई नरेंद्र और नीतीश मिलकर बहनों के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

पीएम ने कहा, आज हमारी बेटियां बड़ी संख्या में फोर्स-पुलिस में आ रही हैं। आज हमारी बेटियां लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं। हमें वो दिन भी नहीं भूलने हैं, जब बिहार में राजद की सरकार थी। अराजक की सबसे ज्यादा मार मेरी बिहार की माताओं ने ही झेली है। उस समय सड़क, पुल-पुलिया का नाम तक नहीं था, इन चीजों से सबसे ज्यादा तकलीफ महिलाओं को ही होती थी। राजद के राज में बिहार में खौफ था। नक्सली आतंक बेहिसाब था।

'मिग-21 ने हर दिन तिरंगे का सम्मान बढ़ाया'

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। छह दशक से ज्यादा समय तक भारतीय वायुसेना का हिस्सा रहे मिग-21 विमान शुक्रवार को सेवामुक्त कर दिए गए। चंडीगढ़ वायुसेना स्टेशन में मिग-21 को सेवामुक्त करने के लिए आयोजित किए समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मिग-21 ने सदैव राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान ऊंचा रखा। यह हमारी सामूहिक स्मृतियों और राष्ट्रीय गौरव की विदाई है।

राजनाथ सिंह ने कहा, लंबे समय तक मिग-21 अनेक वीरतापूर्ण कृत्यों का साक्षी रहा है। इसका योगदान किसी एक घटना तक या केवल एक युद्ध तक सीमित नहीं रहा है। 1971 के युद्ध से लेकर कारगिल के युद्ध तक या फिर बालाकोट एयरस्ट्राइक से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक, ऐसा को क्षण नहीं रहा, जब मिग-21 ने हमारी आर्म्ड फोर्सेज को जबरदस्त मजबूती न प्रदान की हो।

रक्षा मंत्री ने आगे कहा, 1971 का युद्ध भला कौन भूल सकता है, मिग-21 ने पाकिस्तान के साथ युद्ध के दौरान विपरीत परिस्थितियों में जिस दिन ढाका के गवर्नर हाउस पर हमला किया, उसी दिन उस युद्ध के परिणाम की रूपरेखा तय कर दी गई।

सोनम वांगचुक गिरफ्तार

जम्मू, 26 सितंबर (एजेंसियां)। लद्दाख में राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर आंदोलन का नेतृत्व कर रहे पर्यावरणविद और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को पुलिस ने शुक्रवार को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई उस घटना के एक दिन बाद हुई, जब लेह में बंद और विरोध प्रदर्शनों के दौरान सुरक्षाबलों और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई भीषण झड़पों में चार लोगों की मौत हो गई थी। वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद लेह में इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है।

बताया जा रहा है कि पुलिस टीम उन्हें लेकर उनके घर जा रही है। स्थानीय संगठनों और वांगचुक समर्थकों का कहना है कि केंद्र सरकार द्वारा लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और संविधान की छठी अनुसूची के तहत विशेष संरक्षण की मांग लंबे समय से उठाई जा रही है।

विदेश मंत्रालय ने खारिज किया नाटो प्रमुख के बयान को

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। भारत ने पश्चिमी सैन्य गठबंधन नाटो के महासचिव मार्क रुटे के उस बयान को सख्ती से खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्कों के चलते भारत ने रूस से यूक्रेन युद्ध की रणनीति स्पष्ट करने को कहा। विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक बयान जारी कर इस दावे को तथ्यहीन और पूरी तरह से आधारहीन बताया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि नाटो महासचिव मार्क रुटे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच कथित बातचीत का जो दावा किया गया है, वह तथ्यात्मक रूप से गलत और आधारहीन है।

2026 चुनाव के बाद 'सोनार बांग्ला' बनेगा बंगाल : अमित शाह

कोलकाता, 26 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कोलकाता के मशहूर संतोष मित्रा स्क्वायर दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने बंगाल और देशवासियों को दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं दीं और कहा कि नौ दिनों तक चलने वाला शक्ति की उपासना का यह पर्व आज पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो गया है। साथ ही उन्होंने इस दौरान मां दुर्गा से प्रार्थना की कि 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद बंगाल में ऐसी सरकार बने, जो राज्य को फिर से 'सोनार बांग्ला' (स्वर्णिम बंगाल) बना सके। गृह मंत्री ने कहा कि नवरात्रि और दुर्गा पूजा अब सिर्फ बंगाल और भारत तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसे पूरी दुनिया में सराहा जा रहा है। उन्होंने कहा कि बंगाल की ये महान परपरा अब वैश्विक पहचान बन चुकी है। पूरे नौ दिन राज्य में शक्ति की उपासना होती है। उन्होंने कामना की कि यह पर्व बंगाल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाए और राज्य के विकास के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के सपने को साकार किया जा सके।

राजपुरा के घर में मिले चार शव

दंपती, बच्चा और उसका मामा मिले मृत

राजपुरा, 26 सितंबर (एजेंसियां)। पटियाला के राजपुरा के भोगला रोड पर एक घर में शुक्रवार सुबह संदिग्ध हालत में चार लोगों के शव बरामद हुए। पुलिस के मुताबिक घर को आग लगी हुई थी और शव जली हालत में मिले हैं। घर में पति-पत्नी, उनका बच्चा और बच्चे का मामा थे। शव सिविल अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिए गए हैं। पोस्टमार्टम के बाद ही सही जानकारी मिलेगी। पता चला है कि मृतक राजमिस्त्री का काम करता था। उसकी पत्नी लोगों के घरों में काम करती थी। उनका बेटा दवाइयों की दुकान पर काम सीख रहा था। बच्चे का मामा इनके पास रहने के लिए आया हुआ था।

क्या यूसीसी लागू करने का समय नहीं आ गया?

दिल्ली हाई कोर्ट ने क्यों किया ये सवाल

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। देश में लंबे समय से समान नागरिक संहिता लागू करने की मांग चल रही है। अब दिल्ली हाईकोर्ट ने भी समान नागरिक संहिता को समय की मांग बताया है। दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा है कि पर्सनल लॉ और आपराधिक कानूनों में एक विरोधाभास है। इसे दूर करने के लिए, समान नागरिक संहिता समय की ज़रूरत है, जिससे पर्सनल लॉ या प्रथाएं कानूनों पर हावी न हों।

जस्टिस अरुण मोंगा की सिंगल बेंच ने कहा कि इस्लामिक कानून के तहत यौन परिपक्वता की उम्र तक पहुंच चुकी नाबालिग लड़की शादी कर सकती है, लेकिन भारतीय आपराधिक कानून के तहत अगर कोई पुरुष नाबालिग लड़की से शादी करता है तो बीएनएस और पोक्सो के तहत वो अपराधी बन जाता है। (18 साल से कम उम्र की लड़की के साथ शादी/ शारीरिक सम्बंध बनाना अपराध है) कोर्ट ने कहा है कि पर्सनल लॉ से एक गंभीर दुविधा पैदा होती है। सवाल है कि क्या किसी को लंबे समय से चले आ रहे पर्सनल कानूनों का पालन करने के लिए अपराधी बनाया जाना चाहिए? क्या अब समय नहीं आ गया है कि समान नागरिक संहिता की ओर कदम बढ़ाया जाए, ताकि एक ऐसा ढांचा सुनिश्चित किया जा सके जहां पर्सनल लॉ या प्रथाएं कानूनों पर हावी न हों।

क्या था पूरा मामला?

दरअसल, जस्टिस मोंगा ने यह बात एक 24 साल के युवक हामिद रज़ा की ज़मानत याचिका पर सुनवाई के दौरान कही, हामिद रज़ा पर नाबालिग से निकाह करने का आरोप है। लड़की ने अपनी उम्र 20 साल बताई थी जबकि अभियोजन पक्ष का दावा है कि वह नाबालिग है और उसकी उम्र 15 से 16 थी। गौर करने लायक बात ये है कि इस मामले में लड़की अपने ही सौतेले पिता द्वारा यौन उत्पीड़न के बाद 14 साल की उम्र में मां बन गई।

बाद में, बच्चे को गोद दे दिया गया। लड़की ने बाद में अपनी मर्जी से इस्लामी कानून के तहत हामिद नाम के शख्स से शादी कर ली और बाद में दोनों के एक बच्चा भी हुआ। लड़की का सौतेला पिता जेल में और उस पर मुकदमा चल रहा है। हालांकि, लड़की की शादी के तुरंत बाद उसने ही अपनी बेटी के साथ बलात्कार करने के आरोप में उसके पति हामिद के खिलाफ केस दर्ज करा दिया और हामिद तकरीबन 1 साल जेल में बंद रहा। हालांकि कोर्ट ने आरोपी को ज़मानत दे दी।

आईपीएस रचिता जुयाल का इस्तीफा मंजूर

वीआरएस की लगाई थी अर्जी, सेवा के दौरान कई महत्वपूर्ण पदों पर रहीं

देहरादून, 26 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय पुलिस सेवा की अधिकारी रचिता जुयाल नौकरी का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया। उन्होंने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) की अर्जी लगाई थी। उत्तराखंड कैडर की आईपीएस रचिता 2015 बैच की अधिकारी हैं। उन्होंने मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन को वीआरएस के लिए आवेदन भेजा था। रचिता वर्तमान में सतर्कता विभाग में पुलिस अधीक्षक पद की जिम्मेदारी संभाल रही थीं। वह अपनी सेवा के दौरान कई महत्वपूर्ण पदों पर रही हैं। उन्होंने राजभवन में राज्यपाल के एडीसी का भी दायित्व निभाया।

यहां से वह इंटेलीजेंस ब्यूरो में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर रहीं। अचानक सोशल मीडिया पर उनके इस्तीफे की खबरें वायरल होने लगी थी। वीआरएस के पीछे उन्होंने निजी और पारिवारिक कारण बताए हैं। हालांकि सूत्रों का कहना है कि निजी क्षेत्र में बेहतर संभावनाओं को देखते हुए रचिता ने सरकारी सेवा छोड़ने का निर्णय लिया है।

डीएमके सरकार की योजनाओं को खत्म करने की सोच भी नहीं सकते विपक्षी

'विरोध करेगी जनता' उदयनिधि का बयान

चेन्नई, 26 सितंबर (एजेंसियां)। प्रसिद्ध द्रविड़ नेता सीएन। अन्नादुरई के शब्दों का जिक्र करते हुए उप मुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि अगर भविष्य में विपक्ष दल शिक्षा और छात्रों के कल्याण को लेकर चल रही द्रमुक सरकार की योजनाओं को बदलने की सोचेंगे तो वह ऐसा करने से डरेंगे, क्योंकि उन योजनाओं से लाभ पाने वाले लोग इसका विरोध करेंगे और उन्हें इसका सामना करना पड़ेगा। अन्नादुरई 1967 से 1969 के बीच मुख्यमंत्री थे। उदयनिधि ने गुरुवार को एक कार्यक्रम में उनकी उपलब्धियों की सूची दी।

इनमें राज्य का नाम मद्रास से बदलकर तमिलनाडु रखना, तमिल और अंग्रेजी की दो-भाषा नीति को अपनाना, स्वाभिमान विवाहों को भी कानूनी मान्यता देना का भी जिक्र किया था। स्वाभिमान विवाह में बिना पंडित या धार्मिक रीति-रिवाजों के विवाह होता है। उदयनिधि ने कहा, अन्ना ने कहा था कि अगर उनके जो उत्तराधिकारी सत्ता संभालेंगे, उन तीन योजनाओं को खत्म करने की सोचेंगे तो उनके दिल में डर रहेगा।

वह इस बात से डरेंगे कि लोग उनके खिलाफ क्या करेंगे और जब तक विरोधियों के मन में यह डर रहेगा, तब तक अन्ना मुख्यमंत्री रहेंगे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि वह इसे आज के समय के हिसाब से बदलना चाहते हैं। उन्होंने कहा, हमारे मुख्यमंत्री और हमारी द्रविड़ मॉडल सरकार ने स्कूल के बच्चों के लिए नाश्ता योजना, पुदुमई पेन, तमिल पुधलवान और नान मुडलवन जैसी योजनाएं दी हैं। भविष्य में अगर कोई विरोधी इन योजनाओं को बदलने की सोच भी रखेगा तो उसके दिल में डर होगा।

वह चिंतित होगा क्योंकि इसके लाभार्थी और समर्थक इसका विरोध करेंगे। जब तक ऐसा डर रहेगा, मुथुवेल करुणानिधि स्टालिन मुख्यमंत्री रहेंगे। उन्होंने बताया कि तमिलनाडु भारत का पहला राज्य है, जिसने 1920 में स्कूल के बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन योजना शुरू की थी। यह ऐतिहासिक उपलब्धि न्याय पार्टी ने सौ साल पहले शुरू की थी। तमिल पुधलवान और पुदुमई पेन योजनाओं के तहत कॉलेज जाने वाले लड़के और लड़कियों को हर महीने एक हजार रुपये की मदद मिलती है।

जम्मू के युवक ने फर्जी नामों से बड़े शहरों की पांच युवतियों को शादी का झांसा देकर रुपये ऐंठे

इंदौर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू निवासी एक युवक को पुणे पुलिस ने इंदौर से गिरफ्तार किया है। उस पर इंदौर में भी एक युवती को शादी का झांसा देकर उससे रुपये हड़पे थे। अपराध करने के बाद वह अलग-अलग नामों से शहरों में रहने लगता था। इस कारण पुलिस उसे पकड़ नहीं पाती थी। इंदौर पुलिस ने जब उसे गिरफ्तार किया और कोर्ट में पेश किया तो पुणे पुलिस उसे गिरफ्तार करने इंदौर आई।

वहां भी आरोपी फुफिया निवासी विशाल, जम्मू ने एक नौकरी पेशा युवती से इंस्टा पर पहचान की थी। उसे उसने अपना नाम अमन वर्मा बताया था कि शादी की बात करने वह पुणे गया और युवती से रुपये लेकर आ गया था। इसके अलावा उसके साथ बहला-फुसला कर रेप भी किया। पुणे पुलिस ने रेप और धोखाधड़ी की धारा में केस दर्ज किया था। फुफिया उर्फ अमन का परिवार जम्मू में रहता था।

दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर पूरा बैन लगाना संभव नहीं

दिवाली से पहले सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने आज दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर बैन पर शीर्ष अदालत ने बड़ी टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा है कि पटाखों पर पूरा बैन लगाना संभव नहीं है। सर्वोच्च अदालत ने इस मामले में संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की बात कही है। हालांकि कोर्ट ने कहा कि हमें माफिया से भी सावधान रहने की जरूरत है, जो बैन के बाद सक्रिय हो जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर पटाखा निर्माताओं को काम करने का अधिकार है तो नागरिकों को भी सांस लेने का अधिकार है।

कोर्ट ने मांगा अंडरटेकिंग

चीफ जस्टिस बी आर गवई ने नीरी और पीईएसओ द्वारा ग्रीन पटाखों के लिए परमिट वाले निर्माताओं को पटाखों के निर्माण की इजाजत दे दी। हालांकि कोर्ट ने कहा कि वो अंडरटेकिंग दें कि अगली तारीख तक वे दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में कोई भी पटाखा नहीं बेचेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्र ने स्पष्ट किया है कि पूर्ण प्रतिबंध के आदेश के बावजूद, प्रतिबंध लागू नहीं हो सका, जैसे बिहार राज्य में खनन पर प्रतिबंध था तो, लेकिन इससे अवैध खनन माफियाओं को बढ़ावा मिला इसलिए एक संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता है। सुनवाई के दौरान सीजेआई बी आर गवई ने कहा कि अगर कोई पटाखा निर्माता नियमों का पालन करता है तो उन्हें पटाखों के निर्माण की अनुमति देने में क्या समस्या है?

कोर्ट ने कहा कि इसका समाधान तो होना ही चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि अतिवादी आदेश समस्याएं पैदा करेंगे। कोर्ट ने साथ ही कहा कि इसके अलावा सोशल मीडिया पर हमें अपनी बातों में सावधानी बरतने की भी जरूरत है। मामले की अगली सुनवाई 8 अक्तूबर को होगी। कोर्ट ने कहा कि देशभर के मजदूर श्रमदान करते हैं, अगर मुआवजा देने का आदेश भी दिया जाता है तो ऐसी दलीलें दी जाती हैं कि मुआवजा नहीं दिया जाएगा। इसलिए, उन्हें पटाखा बनाने दें और अगले आदेश तक एनसीआर में बिक्री न होने दें।

निलंबित सीबीआई के पूर्व जज पर चलेगा केस

सरकार ने दी मंजूरी, अब एसीबी पेश कर सकती है चालान

चंडीगढ़, 26 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने भ्रष्टाचार के आरोप में निलंबित पूर्व सीबीआई जज सुधीर परमार के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है। अब एसीबी अदालत में पूर्व न्यायिक अधिकारी के खिलाफ चार्जशीट दायर कर सकेगी। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम व दंड प्रक्रिया संहिता के मुताबिक किसी भी लोक सेवक के खिलाफ मुकदमा चलाने से पहले राज्य सरकार की मंजूरी लेना अनिवार्य है। राज्य चौकसी एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने 18 महीने जांच करने के बाद परमार के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए राज्य सरकार से अनुमति मांगी थी। पूर्व जज पर मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े रियल एस्टेट कंपनी एम3एम के प्रमोटर्स बसंत बंसल, पंकज बंसल और आईआरईओ के मालिक व प्रबंध निदेशक ललित गोयल व भतीजे अजय परमार के मामले में नरमी बरतने और रिश्वत लेने के आरोप थे। एसीबी ने पहले ईडी ने रियल एस्टेट कंपनी के मालिकों व प्रबंध निदेशकों को घर खरीदारों और अन्य लोगों के साथ कथित धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया था। ईडी में अपनी जांच कर रही थी, उसी दौरान एसीबी परमार और एक अन्य व्यक्ति के बीच व्हाट्सएप चैट के कुछ स्क्रीनशॉट मिले, जिसमें वह एम3एम मालिकों को ईडी के मामलों में मदद करने के लिए 5 से 7 करोड़ रुपये की मांग कर रहे थे।

इसी चैट में दूसरा व्यक्ति कहता है कि आईआरईओ मामले में सुधीर परमार को पहले ही 5 करोड़ रुपये दे चुका है। उसके बाद एसीबी ने सुधीर परमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। उन पर यह भी आरोप है कि रिश्वत के पैसे से उन्होंने गुरुग्राम में प्रॉपर्टी भी खरीदी थी। बाद में इस मामले की जांच ईडी ने अपने हाथ में ले ली और सुधीर परमार के घर में छापे मारकर उन्हें गिरफ्तार किया। उसके बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया था।

उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने लिया बाढ़ प्रभावित इलाकों का जायजा, राहत और सहायता जारी

मुंबई, 26 सितंबर (एजेंसियां)। मराठवाड़ा में भारी बारिश और बाढ़ की वजह से हालात काफी गंभीर हैं। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने बताया कि कल भी वे प्रभावित क्षेत्रों में थे और अभी भी बारिश जारी थी। कई लोग जो असुरक्षित जगहों पर थे, उन्हें सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जा रहा है। सेना और एनडीआरएफ के साथ-साथ हवाई मदद ली जा रही है। अजीत पवार ने कहा कि पूरी प्रशासनिक व्यवस्था बचाव और राहत कार्य में लगी हुई है। जिनके घरों में बाढ़ आई है, उन्हें 5,000 नकद के साथ 5 किलो गेहूं और 5 किलो चावल सहित अन्य आवश्यक वस्तुएं दी जा रही हैं। राहत कार्यों में प्रशासन ने तेजी दिखाई है, ताकि प्रभावित लोग सुरक्षित रह सकें और उन्हें समय पर मदद मिल सके। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि जिन परिवारों को भारी नुकसान हुआ है, उनके सभी घरेलू सामान क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

फिलहाल, उन्हें अस्थायी रूप से स्कूलों और अन्य सुविधाओं में रखा गया है। लेकिन जैसे ही वे अपने घर लौटेंगे, उन्हें अतिरिक्त सहायता की जरूरत होगी। इसलिए उन्होंने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि केवल 10 किलो से अधिक सहायता दी जाए। अजीत पवार ने आगे बताया कि कल, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह मुंबई में थे, और उन्होंने भी उन्हें इस स्थिति के बारे में बताया। साथ ही, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अधिकतम संभव सहायता के लिए पत्र लिखा गया है। पवार ने कहा कि पिछले महीने पंजाब और उत्तर राज्यों में भी इसी तरह की परिस्थितियां देखी गई थीं, जहां केंद्रीय सरकार ने समय पर मदद दी थी।

उन्हें उम्मीद है कि महाराष्ट्र को भी ऐसी ही सहायता प्राप्त होगी। मराठवाड़ा में राहत और बचाव कार्य लगातार जारी है। प्रशासन ने राहत शिविरों में जरूरी सामान और खाने-पीने की सामग्री पहुंचाई है। साथ ही, प्रभावित लोगों को अस्पताल और स्वास्थ्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। सेना और एनडीआरएफ की टीमों के साथ स्थानीय प्रशासन हर गाँव और इलाके तक मदद पहुंचाने में जुटा हुआ है।

पूर्व सीएम जयराम ठाकुर ने मंडी में बीजेपी कार्यालय का किया शुभारंभ, लेह हिंसा को लेकर की निंदा

मंडी, 26 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के मंडी में भारतीय जनता पार्टी का नया जिला कार्यालय शुरू कर दिया गया। इस मौके पर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि भाजपा संगठन को हर जिले में मजबूत करने के लिए अपने कार्यालय स्थापित कर रही है। मंडी में फिलहाल यह अस्थायी कार्यालय है, लेकिन पार्टी जल्द ही स्थायी भवन भी तैयार करेगी। जयराम ठाकुर ने बताया कि मंडी में जमीन तलाशने का काम चल रहा है और जल्द ही स्थायी भवन का निर्माण शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी का यह नया कार्यालय न सिर्फ संगठन को मजबूती देगा बल्कि जनसेवा, विकास और सुशासन की दिशा में केंद्र के रूप में काम करेगा। कार्यालय शुभारंभ की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर करते हुए जयराम ठाकुर ने लिखा, आज मंडी में प्रदेश संगठन महामंत्री श्री सिद्धार्थन जी के साथ जिला भाजपा कार्यालय का शुभारंभ किया। यह नया कार्यालय क्षेत्र में संगठन की मजबूती के साथ-साथ जनसेवा, विकास और सुशासन के हमारे संकल्प को और गति देने का केंद्र बनेगा।

पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में मां और 3 बेटियों की रहस्यमय परिस्थिति में मौत, जांच में जुटी पुलिस

पुरुलिया, 26 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां बंदवान थाना क्षेत्र के लतापारा में एक मां और उसकी तीन बेटियों के रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाए जाने से स्थानीय निवासी हैरान हैं। मृतकों की पहचान पिया गोराई (30), वैशाखी गोराई (13), पल्लवी गोराई (10) और सौरवी गोराई (6) के रूप में हुई है। अभी तक ये पता नहीं चल पाया कि आखिर, चारों की मौत का कारण क्या है? पुलिस सूत्रों के अनुसार, परिवार ने कल रात सोने से पहले पोकरी-मुरी खाया था।

इसके बाद वह सो गए। बताया जा रहा है कि पिया गोराई के पति आनंद ओराई झारखंड के हजारीबाग से देर रात घर लौटे और अपनी पत्नी और बेटियों को बेहोश पाया। वह उन्हें तुरंत स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टरों ने चारों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए पुरुलिया राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय भेज दिया है। इस दुखद घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट सामने आने के बाद ही ये पता चल पाएगा कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि मां और उनकी बेटियों की मौत हो गई। क्या पोकरी मुरी में कुछ जहरीला पदार्थ था तो नहीं मिला था या फिर इसके बाद उन्होंने कुछ ओर खाया था?

सिद्धारमैया की डिमांड पूरी नहीं कर पाए विप्रो के अजीम प्रेमजी

बेंगलुरु में ट्रैफिक जाम को लेकर सीएम ने मांगी थी मदद

बेंगलुरु, 26 सितंबर (एजेंसियां)। बेंगलुरु में ट्रैफिक जाम की समस्या बढ़ती ही जा रही है। इसे कम करने को लेकर हाल ही में कर्नाटक सरकार ने विप्रो के चेयरमैन अजीम प्रेमजी से एक अनुरोध किया था, जिसे उन्होंने ठुकरा दिया। दरअसल, शहर में ट्रैफिक जाम की समस्या को कम करने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने 19 सितंबर को प्रेमजी को एक पत्र लिखा था। इसमें अनुरोध किया गया कि अगर विप्रो अपने सरजापुर कैंपस को आम वाहनों के लिए खोल दें, तो इससे आउटर रिंग रोड पर इब्लूर जंक्शन के भारी ट्रैफिक को 30 परसेंट तक कम किया जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अजीम प्रेमजी ने उनके इस अनुरोध को ठुकरा दिया है। अजीम प्रेमजी ने माना कि बेशक बेंगलुरु में ट्रैफिक जाम की समस्या काफी गंभीर है, लेकिन इसके पीछे कई चीजें जिम्मेदार हैं। इसके लिए कोई एक सॉल्यूशन काफी नहीं है। उन्होंने इसका स्थायी समाधान खोजने के लिए राज्य सरकार के साथ मिलकर काम करने की विप्रो की इच्छा जाहिर की। बुधवार को कर्नाटक सरकार को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि शहर में ट्रैफिक जाम के लिए कई फैक्टर्स जिम्मेदार हैं। ऐसे में इसका कोई एक समाधान नहीं हो सकता। पत्र में विप्रो के फाउंडर ने इस बात का भी जिक्र किया कि सरजापुर कैंपस विप्रो की निजी संपत्ति है और स्पेशल इकोनॉमिक जोन (सेज) का एक हिस्सा है। यह रास्ता सार्वजनिक वाहनों के आने-जाने के लिए नहीं बना है। उन्होंने कहा कि इसे आम वाहनों के लिए खोल दिया गया, तो ट्रैफिक जाम की समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि कानून और प्रबंधन संबंधी समस्याएं सामने आ सकती हैं। उन्होंने कहा कि इस दिशा में आगे बढ़ने का सबसे बढ़िया तरीका यह है कि अर्बन ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट में वर्ल्ड-क्लास अनुभव रखने वाली किसी संस्थान की देखरेख में डिटेल में एक साइंटिफिक स्टडी कराना है। इसमें आने वाले खर्च का एक बड़ा हिस्सा उठाने के लिए विप्रो तैयार है।

मंत्री गोविंद राजपूत के निर्वाचन पर याचिका

चुनाव आयोग को दस्तावेज पेश करने के लिए मिली मोहलत

जबलपुर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। प्रदेश सरकार में मंत्री गोविंद राजपूत के द्वारा अपने नामांकन के आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किये जाने को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। याचिका की सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग की तरफ से दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए समय प्रदान करने का आग्रह किया गया। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा तथा जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने आग्रह को स्वीकार करते हुए याचिका पर अगली सुनवाई 9 अक्टूबर को निर्धारित की है।

सागर निवासी किसान राज कुमार सिंह की तरफ से दायर की गई याचिका में कहा गया था कि प्रदेश सरकार के मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने साल 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में नामांकन के दौरान सभी आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किये थे। जो जन प्रतिनिधित्व अधिनियम का उल्लंघन है और उनका निर्वाचन शून्य घोषित किया जाना चाहिए। इस संबंध में याचिकाकर्ता ने चुनाव आयोग के समक्ष साक्ष्यों के साथ याचिका प्रस्तुत की थी।

याचिकाकर्ता ने बताया कि चुनाव आयोग ने उसकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की। जिस कारण उक्त याचिका दायर की गई है। याचिका में राहत चाही गई थी कि शिकायत पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश चुनाव आयोग को जारी किये जाएं। प्रारंभिक सुनवाई के दौरान युगलपीठ ने पाया कि याचिकाकर्ता ने 8 सितम्बर को हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका के तहत प्रस्तुत हलफनामा एक दिन पूर्व 7 सितंबर का है। युगलपीठ ने याचिकाकर्ता को निर्देशित किया है कि वह सही तारीख के साथ हलफनामा प्रस्तुत करें।

लद्दाख हिंसा पर विपक्ष का केंद्र सरकार पर निशाना

केजरीवाल बोले- सत्ता के नशे में चूर है भाजपा

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। लेह में 24 सितंबर को हुई हिंसा के बाद लद्दाख में हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। राज्य के लोग केंद्र शासित प्रदेश को छठी अनुसूची में शामिल करने और राज्य का दर्जा देने की मांग कर रहे हैं। इसी बीच कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश और आप पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला है। जयराम रमेश ने कहा कि लद्दाख के लोगों की पीड़ा और गुस्सा सरकार की अंतरात्मा को झकझोरना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि लद्दाख के लोगों की जमीन और रोजगार के अधिकार खतरे में हैं। स्थानीय प्रशासन का पूरा नियंत्रण उपराज्यपाल और नौकरशाही के हाथों में है। उन्होंने कहा, 'छह साल पहले जब लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया था, तब लोगों की बड़ी उम्मीदें थीं। लेकिन आज निराशा और असंतोष है। चीन ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर एकतरफा बदलाव किए हैं और प्रधानमंत्री ने 19 जून 2020 को चीन को क्लीन चिट दी थी, जिससे स्थिति और अस्थिर हुई है।' उन्होंने यह भी कहा कि लद्दाख सांस्कृतिक, आर्थिक, पारिस्थितिक और रणनीतिक दृष्टि से बेहद अहम है और यहां के लोग हमेशा से गर्वित भारतीय रहे हैं। सरकार को सिर्फ बैठकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उनकी मांगें पूरी तरह और जल्द से जल्द पूरी करनी चाहिए। वहीं आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सत्ता के नशे में चूर भाजपा सरकार जनता की आवाज को दबा रही है और लोकतंत्र की बुनियाद को कमजोर कर रही है। लद्दाख के लोग किसी विशेषाधिकार की नहीं बल्कि सिर्फ अपने संवैधानिक अधिकार- वोट देने और अपनी सरकार चुनने की मांग कर रहे हैं, लेकिन भाजपा बार-बार वादे करने के बावजूद उनका हक नहीं दे रही। केजरीवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत ने अंग्रेजों से आजादी इसलिए नहीं ली थी कि जनता अंग्रेजों की जगह भाजपा की गुलाम बन जाए। भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद जैसे क्रांतिकारियों ने लोकतंत्र के लिए बलिदान दिया था, लेकिन आज भाजपा राज्यों को केंद्र शासित प्रदेश बनाकर जनता से उनके अधिकार छीन रहा है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
शनिवार, 27 सितंबर, 2025

सुविचार: रास्ते भले परेशानियों से भरे हो पर मंज़िल बहुत खूबसूरत होगी...!!

तेलंगाना के नए डीजीपी बने बत्तुला शिवधर रेड्डी

संयुक्त राष्ट्र मिशन में तैनात रह चुके रेड्डी को मिल चुका है कई पदक और सम्मान

कुख्यात गैंगस्टर नईम को ढेर करने वाले ऑपरेशन में भी थी अहम भूमिका

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने तेलंगाना के नए पुलिस महानिदेश के पद पर बी. शिवधर रेड्डी को नियुक्त किया है। वे सेवानिवृत्त डीजीपी जितेंद्र का स्थान लेंगे। इससे पहले तेलंगाना में पुलिस महानिदेशक (खुफिया) के पद पर कार्यरत थे।

गौरतलब है कि बी. शिवधर रेड्डी वर्ष 1994 बैच के एक वरिष्ठ भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी हैं। वह मूल रूप से तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले के इब्राहिमपट्टनम मंडल के टूल-ए-कलां (पेद्दातुंडला) गांव के निवासी हैं। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा और उच्च शिक्षा हैदराबाद शहर में ही पूरी की, और उस्मानिया विश्वविद्यालय से एलएलबी में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। कुछ समय तक वकालत करने के बाद, उन्होंने 1994 में सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण की और आईपीएस में शामिल हुए, और उन्हें आंध्र प्रदेश कैडर आवंटित किया गया। वर्ष 2014 में राज्य के विभाजन के बाद, उनका कैडर पुनः तेलंगाना कर दिया गया।

तीन दशकों से अधिक की सेवा में शिवधर रेड्डी ने जिला और राज्य दोनों स्तरों पर कई महत्वपूर्ण पद संभाले हैं। प्रारंभिक सेवा (1996-1998): विशाखापट्टनम जिले के अनकापल्ली, नरसीपट्टनम और चिंतापल्ली उप-मंडलों में सहायक पुलिस अधीक्षक (एएसपी) के रूप में कार्य किया। बाद में, 1998 से 2000 तक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के रूप में, उन्होंने एलीट ग्रेहाउंड्स और बाद में आदिलाबाद जिले के बेल्लमपल्ली में कार्य किया। वर्ष (2000-2007 नलगोंडा, श्रीकाकुलम, नेल्लोर और गुंटूर जिलों के पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्य किया। उन्होंने 2004 में पुलिस उपायुक्त (यातायात) और हैदराबाद के दक्षिण क्षेत्र के डीसीपी (2007-08) के रूप में भी कार्य किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने विशेष खुफिया शाखा (एसआईबी) के पुलिस अधीक्षक के रूप में भी कार्य किया। उन्हें शांति स्थापना मिशन के तहत कोसोवो स्थित संयुक्त राष्ट्र मिशन (यूएनएमआईके) में प्रतिनियुक्त किया गया था। इसके साथ ही डीआईजी, एसआईबी प्रमुख (2008-2012), अतिरिक्त निदेशक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी), निदेशक, एसीबी (महानिरीक्षक के पद पर पदोन्नति के बाद), पुलिस आयुक्त, विशाखापट्टनम शहर (2012-2014 रहे है। तेलंगाना राज्य गठन के बाद वाद वे वर्ष (2014) महानिरीक्षक के पद पर तेलंगाना में खुफिया विभाग के पहले प्रमुख बने। बाद में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के पद पर पदोन्नति के बाद कार्मिक शाखा, रेलवे एवं सड़क सुरक्षा में कार्यरत रहे। दिसंबर 2023 में, कांग्रेस सरकार ने शिवधर रेड्डी को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के पद पर खुफिया प्रमुख के पद पर तैनात किया। अगस्त 2024 में पदोन्नति के बाद, वे पुलिस महानिदेशक के पद पर खुफिया प्रमुख के पद पर बने रहें।

इनके नाम कई उल्लेखनीय उपलब्धियां है। तेलंगाना राज्य के गठन के बाद, उन्हें 2014 में प्रथम खुफिया प्रमुख नियुक्त किया गया और 2023 में भी उन्हें खुफिया प्रभारी के रूप में नियुक्त किया गया।

कानून-व्यवस्था एवं वामपंथी उग्रवाद विरोधी अभियान में इनकी भूमिका अहम रही है। नलगोंडा के पुलिस अधीक्षक (2000-2002) के रूप में, शिवधर रेड्डी, ने प्रतिबंधित भाकपा (माले) (पीडब्ल्यू), जो बाद में भाकपा (माओवादी) बन गया, की हिंसक गतिविधियों को सफलतापूर्वक निष्प्रभावी कर दिया। कई हाई-प्रोफाइल मामलों की जांच की और प्रभावी निवारक पुलिसिंग उपाय अपनाए। 2004-2007 के बीच नेल्लोर (मछुआरों के संघर्ष) और पालनाडु, गुंटूर (राजनीतिक समूहों) में गुटीय हिंसा को नियंत्रित किया। शांति बहाल करने के लिए निवारक निरोध अधिनियम लागू किया और यौन तस्करी पर अंकुश लगाने और लॉज बंद करने के लिए अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम (पीआईटीए) का इस्तेमाल किया। 2007 में, मक्का मस्जिद बम विस्फोटों और उसके बाद पुलिस गोलीबारी में 14 लोगों की मौत के बाद, सरकार ने उन्हें हैदराबाद के दक्षिण क्षेत्र का डीसीपी नियुक्त किया। उस बेहद संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण दौर में, उन्होंने दिन-रात अथक परिश्रम किया, सभी समुदायों के लोगों में विश्वास जगाया और शांति-व्यवस्था को प्रभावी ढंग से बहाल किया। विशाखापट्टनम के पुलिस आयुक्त के रूप में, शिवधर रेड्डी ने "अराइव अलाइव" सड़क सुरक्षा अभियान शुरू किया, जिससे दुर्घटनाओं में कमी आई और जन जागरूकता बढ़ी। 2016 में कुख्यात गैंगस्टर नईम को ढेर करने वाले ऑपरेशन की योजना बनाने का श्रेय उन्हें दिया जाता है। उन्हें संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशन के एक भाग के रूप में कोसावो (यूएनएमआईके) में संयुक्त राष्ट्र मिशन में प्रतिनियुक्त किया गया था।

शिवधर रेड्डी को एक ईमानदार, निष्पक्ष और पेशेवर अधिकारी के रूप में जाना जाता है, जो अपनी निष्पक्षता और प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) पर अंकुश लगाने और राज्यों में आतंकवादी मॉड्यूल को ध्वस्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

तेलंगाना में भारी बारिश का रेड अलर्ट

हैदराबाद, 26 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी)-हैदराबाद ने शुक्रवार को तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है। रेड अलर्ट 26 सितम्बर सुबह 8:30 बजे से 27 सितम्बर सुबह 10 बजे तक प्रभावी रहेगा। आईएमडी के अनुसार, राज्य के सभी जिलों में भारी से बहुत भारी और कहीं-कहीं अत्यधिक भारी बारिश हो सकती है। इस दौरान गरज-चमक के साथ बिजली गिरने और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएँ चलने की भी संभावना जताई गई है।

आईएमडी ने बताया कि अत्यधिक भारी वर्षा तब मानी जाती है जब बारिश 204.5 मिमी से अधिक दर्ज हो, जबकि बहुत भारी वर्षा 115.6 मिमी से 204.4 मिमी के बीच होती है। हैदराबाद के सभी हिस्सों में शनिवार से रविवार तक बहुत भारी बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया गया है।

बारिश को देखते हुए घर से काम करने की सलाह

हैदराबाद, 26 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस ने लगातार बारिश और खराब मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए आईटी और कॉर्पोरेट कंपनियों को सलाह दी है कि वे कर्मचारियों को घर से काम करने की सुविधा दें। पुलिस ने कहा कि इससे यात्रियों की सुरक्षा, यातायात जाम कम करने, उत्पादकता बनाए रखने और आपातकालीन सेवाओं की आवाजाही में मदद मिलेगी। अधिकारियों ने आईटी कॉरिडोर की कंपनियों से अपील की है कि वे इस सलाह पर सहयोग करें ताकि सड़कों पर दबाव कम हो और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

आसिफाबाद और मंचेरियल में बारिश से जनजीवन प्रभावित

गोदावरी नदी बासर में पहले चेतावनी स्तर से ऊपर

कुमराम भीम आसिफाबाद/मंचेरियल, 26 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार रात से शुक्रवार सुबह तक आसिफाबाद और मंचेरियल जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हुई, जिससे आम जनजीवन प्रभावित रहा। तेलंगाना विकास योजना सोसाइटी के अनुसार, आसिफाबाद जिले में औसतन 30.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई। कौटाला मंडल में सबसे अधिक 48.9 मिमी और दहेगांव में 47.2 मिमी बारिश हुई। 1 जून से 26 सितम्बर तक जिले में सामान्य 1,019 मिमी के मुकाबले 1,248 मिमी वर्षा हुई, जो सामान्य से 23 प्रतिशत अधिक है।

मंचेरियल जिले में औसतन 25 मिमी बारिश दर्ज की गई। यहां वेमामनपल्ली मंडल में 52 मिमी बारिश हुई। थंदूर, हाजीपुर, भीमिनी, कन्नेपल्ली, नेन्नाल, बेल्लमपल्ली, नासपुर, भीमाराम, जयपुर, चेन्नूर और कोटापल्ली मंडलों में 30 मिमी से अधिक वर्षा दर्ज की गई। जिले में 1 जून से 26 सितम्बर तक सामान्य 920 मिमी के मुकाबले 993 मिमी वर्षा हुई। इस बीच, निर्मल जिले के बसर में गोदावरी नदी ऊपरी इलाकों में तेज बारिश के चलते पहले चेतावनी स्तर से ऊपर बह रही है। अधिकारियों ने स्थानीय निवासियों को सतर्क रहने की सलाह दी है और मछुआरों व किसानों से जलाशयों, बाढ़ वाली धाराओं और उफनते सिंचाई टैंकों से दूर रहने को कहा है।

खराब मौसम से उड़ानों का बदला गया मार्ग

हैदराबाद, 26 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में शुक्रवार सुबह खराब मौसम के कारण कुछ उड़ानों को दूसरे हवाई अड्डों की ओर भेजना पड़ा। जानकारी के अनुसार कम से कम तीन उड़ानों को विजयवाड़ा समेत अन्य हवाई अड्डों पर डायवर्ट किया गया। इनमें मुंबई, पुणे और कोलकाता से राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने वाली उड़ानें भी शामिल थीं। हवाई अड्डा प्रशासन ने पुष्टि की कि मौसम की खराब स्थिति के चलते यह कदम उठाना पड़ा।

अत्याधुनिक देखभाल

KIMS सनशाइन अस्पताल ने जटिल स्कोलियोसिस सर्जरी सफलतापूर्वक की

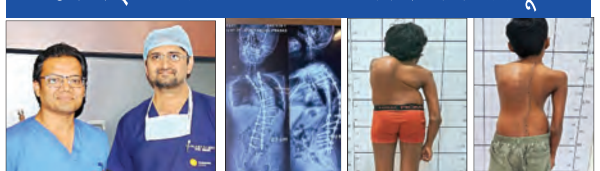

डॉ. हिमांशु प्रसाद और डॉ. अंजनेयुलु रेड्डी

बेगमपेट स्थित KIMS सनशाइन अस्पताल की स्पाइन सर्जरी टीम ने उन्नत चिकित्सा विशेषज्ञता के एक उल्लेखनीय कार्य में, जन्मजात स्कोलियोसिस से पीड़ित एक युवा लड़के की जटिल सुधारात्मक सर्जरी सफलतापूर्वक की। देरी से हुई प्रक्रिया के कारण बच्चे में गंभीर ओमेगा विकृति विकसित हो गई थी, जिससे मामला बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया था।

इस सर्जरी का नेतृत्व प्रख्यात स्पाइन सर्जन डॉ. हिमांशु प्रसाद और डॉ. अंजनेयुलु रेड्डी ने किया, जिन्होंने सुरक्षित और सटीक सुधार के लिए स्पाइन नेविगेशन, अल्ट्रासोनिक बोन स्केलपेल और इंट्राऑपरेटिव न्यूरोमॉनिटरिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया। यह प्रक्रिया बेहद सफल रही और मरीज पूरी तरह से ठीक होने की राह पर है।

उन्नत तकनीकों की भूमिका के बारे में बोलते हुए, डॉ. हिमांशु प्रसाद ने कहा:

"स्पाइन नेविगेशन और अल्ट्रासोनिक बोन स्केलपेल ने स्पाइन सर्जरी में क्रांति ला दी है। ये नवाचार हमें बेहतर परिणाम प्राप्त करने और अपने मरीजों के ठीक होने के समय को कम करने में मदद करते हैं।"

डॉ. अंजनेयुलु रेड्डी ने आगे कहा कि इस मामले की सफलता विश्वस्तरीय देखभाल प्रदान करने के लिए अस्पताल की प्रतिबद्धता को दर्शाती है: "यह उपलब्धि नवीनतम शल्य चिकित्सा तकनीकों को अपनाने और अपने रोगियों के लाभ के लिए एक एकजुट टीम के रूप में काम करने के हमारे समर्पण को दर्शाती है।"

इस मामले की जटिलता पर प्रकाश डालते हुए, प्रमुख न्यूरोएनेस्थेटिस्ट डॉ. अनघ चक्रवर्ती ने कहा: "विकृति की गंभीरता के लिए एक बहु-विषयक दृष्टिकोण और सावधानीपूर्वक योजना की आवश्यकता थी। हम परिणाम से बेहद खुश हैं और अपनी टीम पर रखे गए विश्वास के लिए आभारी हैं।"

यह महत्वपूर्ण सर्जरी न केवल रोगी के परिवार के लिए नई आशा लेकर आई है, बल्कि जटिल और उच्च-स्तरीय चिकित्सा प्रक्रियाओं के लिए एक विश्वसनीय केंद्र के रूप में KIMS सनशाइन अस्पताल की प्रतिष्ठा को भी मजबूत करती है। यह अस्पताल नवाचार, विशेषज्ञता और करुणामयी देखभाल के माध्यम से उन्नत स्वास्थ्य सेवा में नए मानक स्थापित कर रहा है।

प्रकाशित संख्या... 8008554683

डीजीपी कार्यालय में चाकली एलम्मा जयंती मनाई गई

हैदराबाद , 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चाकली एलम्मा की जयंती के उपलक्ष्य में शुक्रवार को डीजीपी कार्यालय में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस महानिरीक्षक (पी एंड एल) एम. रमेश ने उनके चित्र पर माल्यार्पण किया और पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बोलते हुए, पुलिस महानिरीक्षक ने कहा कि चकाली एलम्मा जैसी महिलाएं सभी पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक का काम करती हैं। उनके अदम्य त्याग को याद करते हुए, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि सच्चा सम्मान समाज और उसके लोगों की सेवा करने में निहित है। उन्होंने याद दिलाया कि तेलंगाना में किसानों के संघर्षों में सबसे आगे रहने वाली चकाली एलम्मा ने सामाजिक अन्याय के खिलाफ साहसपूर्वक लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा कि उनका वीरतापूर्ण संघर्ष और निस्वार्थ बलिदान राज्य भर के किसानों और उत्पीड़ित समुदायों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है। कार्यक्रम में सीएसओ योगेश्वर राव, डीएसपी वेणुगोपाल और उदय भास्कर सहित अन्य पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

जंगल में चरवाहे दंपति के मिले शव

पुलिस ने फोरेंसिक जांच के लिए भेजे नमूने

कुमराम भीम आसिफाबाद, 26 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। सिरपुर (टी) मंडल के अचेली गांव के जंगलों में गुरुवार रात एक चरवाहे दंपति के शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतकों की पहचान गांव के ही दुलम शेखर (45) और उनकी पत्नी सुशीला (40) के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, दोनों बुधवार सुबह मवेशी चराने जंगल गए थे और घर नहीं लौटे। रिश्तेदारों ने खोजबीन की तो रात में जंगल से उनके शव बरामद हुए। सुशीला के चेहरे पर गहरी चोटें और खून के निशान थे, जबकि शेखर के सिर पर चोटें पाई गईं।

पुलिस और वन अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शवों को सिरपुर कस्बे के शवगृह में सुरक्षित रखवाया। अधिकारियों का कहना है कि यह हमला जंगली जानवर का हो सकता है या फिर किसी दुर्घटना का मामला हो सकता है। मौत के असली कारण का पता फोरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद चलेगा।

तेजप्रताप की पार्टी के पोस्टर में गांधी-कर्पूरी की फोटो, लालू-राबड़ी गायब

पटना, 26 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में 6 अक्टूबर के बाद चुनाव की तारीखों का ऐलान हो सकता है। इस बीच पॉलिटिकल पार्टियों ने अपनी एक्टिविटी तेज कर दी है। बड़े सियासी चेहरे चुनावी सभा कर रहे हैं। चुनाव को करीब आता देख लालू यादव के बेटे तेजप्रताप ने अपनी नई पार्टी का ऑफिशियल ऐलान किया है। इधर, लालू यादव ने कहा है कि किसानों को रुलाने वाली 20 सालों की निर्दयी एनडीए सरकार को बदलने का वक्त आ गया है। आरजेडी से निकाले गए लालू यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव ने अपनी नई पार्टी बना ली है। नाम रखा है 'जनशक्ति जनता दल'। तेजप्रताप ने अपने एक्स हैंडल पर पार्टी का पोस्टर शेयर किया।

वो इस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। खास बात ये है कि, तेजप्रताप की पार्टी के पोस्टर में महात्मा गांधी, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर, कर्पूरी ठाकुर, लोहिया और जेपी नारायण की तस्वीर है, लेकिन

पिता लालू यादव और मां राबड़ी देवी की तस्वीर नहीं है। पार्टी का चुनाव चिन्ह ब्लैक बोर्ड है। साथ ही पोस्टर के जरिए 'सामाजिक न्याय, सामाजिक हक और संपूर्ण बदलाव' का नारा दिया गया है। बिहार की सियासत में इन दिनों आरजेडी परिवार के अंदरूनी विवाद पर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है।

तेजस्वी यादव की 'बिहार अधिकार यात्रा' के बीच अब उनकी बहन और आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य और तेजस्वी के करीबी सांसद संजय यादव के बीच हुए विवाद को लेकर बीजेपी ने तंज कसा है।

दरअसल, बिहार अधिकार यात्रा के दौरान बस में तेजस्वी यादव की सीट पर बैठने को लेकर रोहिणी आचार्य ने नाराजगी जताई थी। इस घटना के बाद रोहिणी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्टर साझा करते हुए लिखा, 'कोई यह साबित कर दे कि मैंने अपने पिता को किडनी डोनेट नहीं की है, तो मैं राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन से दूर हो जाऊंगी।

कांग्रेस नेता अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा है कि, बिहार में सत्ता परिवर्तन लाजमी है। नीतीश कुमार को भाजपा ने कठपुतली बनाकर रखा है। एक तरफ भाजपा नीतीश कुमार का चेहरा आगे करके लड़ती है, लेकिन ये नहीं कह रही कि नीतीश कुमार फिर से मुख्यमंत्री बनेंगे। महागठबंधन के सीएम फेस पर उन्होंने कहा कि सिर्फ मैं ही नहीं, वीआईपी पार्टी, वामपंथी लोग, सब कहते हैं कि तेजस्वी यादव के अलावा कोई चेहरा(मुख्यमंत्री के लिए) नहीं है।

पटना में बीजेपी और जेडीयू के मंत्रियों को लेकर पोस्टर बाजी की गई है। पटना के विकास भवन के पास ये पोस्टर लगाया गया है। हालांकि, पोस्टर किसने लगाया है, ये स्पष्ट नहीं है। पोस्टर में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, मंत्री अशोक चौधरी, मंगल पांडे, प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और सांसद संजय जायसवाल की तस्वीर लगाई गई है। पोस्टर में ऊपर लिखा गया है, एनडीए का चाल, चरित्र और चेहरा।

2 फेज में वोटिंग हुई तो क्या एनडीए को फायदा

चुनाव के लिए सिर्फ 52 दिन, 3 फेज में महागठबंधन के लिए मौका

पटना, 26 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में विधानसभा चुनाव कब होंगे, इस सवाल का जवाब अब भी बाकी है। विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को खत्म हो रहा है। उससे पहले सरकार का गठन करना होगा। एसआईआर के बाद 1 अक्टूबर को फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश होगी। इसके बाद चुनाव आयोग के पास सिर्फ 53 दिन का वक्त है। 2020 में तीन फेज में वोटिंग कराई गई थी। अब इतने कम वक्त में तीन फेज में चुनाव कराना मुश्किल है। इलेक्शन कमीशन के सोर्स बताते हैं कि बिहार में दो फेज में वोटिंग कराई जा सकती है। एसआईआर की वजह से तारीखों के ऐलान में देरी हो रही है। वोटर लिस्ट पब्लिश होने तक तारीखों का ऐलान नहीं हो सकता। इससे ऐसे हालात बन गए हैं कि कम वक्त में चुनाव कराना होगा। खबरें हैं कि 6 अक्टूबर के बाद तारीखों का ऐलान हो सकता है। अगर दो फेज में चुनाव हुए तो क्या मुश्किलें आ सकती हैं, इतने कम वक्त में कैसे चुनाव होंगे, चुनाव आयोग और पार्टियों की तैयारी क्या है और फेज कम होने से किस पार्टी को फायदा मिल सकता है, दैनिक भास्कर ने इस पर इलेक्शन कमीशन के सोर्स, रिटायर्ड अधिकारी और पार्टियों से बात की। इसका

जवाब देते हुए जर्नलिस्ट संतोष कुमार कहते हैं, इस स्थिति में एनडीए को फायदा होगा। इसकी एक वजह छठ पर्व है। छठ के बाद ही वोटिंग होगी। इसे देखते हुए आरएसएस और धार्मिक संगठनों ने इसकी तैयारी की है। इस बार की तैयारी कुंभ की तरह है।' 'ये संगठन छठ पूजा में आने वालों को साड़ी, नारियल, सूप के साथ आर्थिक मदद दे रहे हैं। इसका फायदा एनडीए को मिलेगा। लोगों को लाने-ले जाने की सुविधा दी जाएगी, बीजेपी इसे भी भुनाने की कोशिश करेगी।' पॉलिटिकल एक्सपर्ट प्रवीण बागी कहते हैं, 'बड़े दलों के पास ज्यादा संसाधन होते हैं। वे इसका फायदा उठा लेते हैं। ये पार्टियां बड़े नेताओं का भाषण लाइव टेलीकास्ट करती हैं। इससे उनकी पहुंच ज्यादा से ज्यादा लोगों तक हो जाती है। 2015 में 5 फेज में वोटिंग कराई गई थी। तब बीजेपी को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा। पार्टी ने 157 सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे। इनमें से 53 सीट पर जीत मिली। बीजेपी को सबसे ज्यादा 25% वोट मिले, लेकिन सीट के मामले में पार्टी तीसरे नंबर पर रही। तीन चरण में चुनाव होने पर फायदा महागठबंधन को मिल सकता है। इससे उन्हें प्रचार के लिए ज्यादा वक्त मिलता है। जर्नलिस्ट संतोष कुमार कहते हैं, 'महागठबंधन के पास चुनाव के लिए कम संसाधन है। इस मामले में एनडीए के मुकाबले महागठबंधन पिछड़ जाता है।' इसके अलावा अगर पहले फेज में कुछ सीटें या एरिया में विपक्ष मजबूत होता है, तो उनका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा और दूसरे फेज में उनका काम आसान होगा। विपक्ष इसी फीडबैक के आधार पर मुद्दों या जातीय समीकरणों के हिसाब से बदलाव कर सकता है। ्यादा फेज में चुनाव होने पर पार्टियां अपने कमजोर एरिया में ज्यादा संसाधन झोंक सकेंगी। 2020 में तीन फेज में 28 अक्टूबर, 3 नवंबर और 7 नवंबर को वोटिंग हुई थी। रिजल्ट 10 नवंबर को आया था। पहले फेज में 71, दूसरे फेज में 94 और 78 सीटों पर वोटिंग हुई थी। इसमें आरजेडी 75 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी। बीजेपी 74 सीटें जीतकर दूसरे नंबर पर रही।

दूल्हे के सामने प्रेमी ने दुल्हन की मांग भरी

लड़की बोली- दूल्हा पसंद नहीं था, दहेज मांग रहा था; हंगामे के बाद लौटी बारात

बाराबंकी, 26 सितंबर (एजेंसियां)। बाराबंकी में शादी के मंडप में फिल्मी ड्रामा हो गया। दूल्हे के सामने प्रेमी ने दुल्हन की मांग भर दी। लड़की वालों का आरोप है कि लड़के वाले दहेज में डेढ़ लाख रुपए और डेढ़ तोले की सोने की अंगूठी की डिमांड करने लगे। इस पर लड़की ने शादी से इनकार कर दिया। दुल्हन ने मंडप में मौजूद अपने प्रेमी से शादी करने का प्रस्ताव रखा, जिस पर लड़के ने बारातियों और दूल्हे के सामने ही उसकी मांग भर दी। प्रेमी, दुल्हन की बहन का देवर है। ये देखते ही बारातियों ने हंगामा कर दिया। दूल्हे के पिता ने लड़कीवालों पर पैसे मांगने के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने दुल्हन के प्रेमी को हिरासत में ले लिया है। हंगामे के बाद बारात लौट गई। पूरा मामला शहर के उत्तर टोला मोहल्ले का है। यहां रहने वाले नरेश की बेटी मोहिनी की शादी हैदरगढ़ के कोठी क्षेत्र के रहने वाले विकास सोनी के साथ फिक्स हुई थी। दोनों की इंगेजमेंट एक महीने पहले हो गई थी। 24 सितंबर को शादी का मुहूर्त निकला था। बुधवार की रात दूल्हा विकास 100 से ज्यादा बारातियों के साथ बारात लेकर उत्तर टोला मोहल्ले पहुंचा। जहां बारातियों का जमकर स्वागत हुआ। लेकिन, द्वारचार से पहले ही अचानक मंडप में माहौल बदल गया। दुल्हन मोहिनी ने बताया, पापा ने विकास से मेरी शादी तय की थी। लेकिन मुझे वो पसंद नहीं था। फिर भी पापा की जिद के आगे मैं शादी को राजी हो गई थी। मंडप में ही दूल्हे वालों ने मेरे पापा से डेढ़ लाख रुपए और डेढ़ तोले सोने की अंगूठी की मांग करने लगे। मेरे पापा मजदूरी करते हैं। ऐसे में उन्होंने इतनी जल्दी इतने पैसे देने में असमर्थता जाहिर की। इस पर दूल्हे वाले बारात वापस ले जाने की बात कहने लगे। दुल्हन की बहन कोमल ने बताया, जब हम लोग पैसे नहीं दे पाए तो बारात वापस जाने लगी। ये देखते ही मेरी बहन मैं रोने लगी। उसी समय मेरी बहन मेरे देवर शिवांश के पास गई और उससे शादी करने की बात कहने लगी। मेरे देवर ने भी सभी के सामने मेरी बहन की मांग में सिंदूर भर दिया। मुझे भी आज ही ये बात पता चली कि मेरे देवर और मेरी बहन का तीन साल से अफेयर चल रहा था। लेकिन पापा के सामने मेरी बहन कुछ बोल नहीं पा रही थी। शादी के मंडप में प्रेमी के मांग भरने के बाद हंगामा हो गया। बारातियों ने तोड़फोड़ की धमकी दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और प्रेमी समेत दूल्हे को चौकी ले गई। पुलिस पूछताछ में मांग भरने वाले युवक शिवांश ने बताया- हम दोनों तीन साल से एक-दूसरे को जानते थे। दोनों की बातचीत भी होती थी। लेकिन, शादी की बात पर घरवाले राजी नहीं थे। जब बारात लौटने लगी तो मोहिनी रोते हुए मेरे पास आई और बोली कि आप मुझसे शादी कर लीजिए। इसलिए मैंने सबके सामने उसकी मांग भर दी। इसके बाद पुलिस ने दूल्हे और दुल्हन पक्ष में समझौता कराया। बाद में दूल्हा बिना दुल्हन के बारात लेकर लौट गया। दूल्हे के पिता शिवकुमार सोनी का आरोप है कि बुधवार रात 8:30 बजे बारात लेकर पहुंचे। वहां हर महिला को 501 रुपए देने और दूल्हा उतारने में 5001 रूपए की मांग की गई। हमने कहा कि इतना पैसा नहीं दे सकते तो लड़की वालो ने ही हंगामा किया। हमने 1 रुपया भी नहीं मांगा था।

पान मसाला कारोबारी के ठिकानों पर रेड

85 लाख का जुर्माना लगाया गया, रात भर चली कार्रवाई

आगरा, 26 सितंबर (एजेंसियां)। स्टेट जीएसटी की विशेष अनुसंधान शाखा ने पान मसाला कारोबार से जुड़ी चार फर्मों के ठिकानों पर छापा मारा। यह कार्रवाई गुरुवार सुबह तक चली। जांच के दौरान बड़ी मात्रा में स्टॉक में हेरफेर मिला। अधिकारियों ने 85 लाख का जुर्माना लगाकर 65 लाख जमा कराए।

जांच के दौरान फर्म सरीन और सरीन के व्यापार स्थल से 24 लाख रुपए के स्टॉक में हेरफेर मिला। इस पर चार लाख रुपए का जुर्माना वसूला गया। वहीं, जर्दा व तंबाकू का निर्माण करने वाली आरएनएस फ्लॉवर्स फर्म में करीब 11 लाख रुपए के स्टॉक की गड़बड़ी मिलने पर 17 लाख रुपए का जुर्माना वसूला गया।

एसजीएसटी के एडिशनल कमिश्नर ग्रेड एक पंकज गांधी ने बताया कि चारों फर्मों पर कुल 85 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। इसमें से 65 लाख रुपए जमा कराए गए। टीम ने मौके से कुछ दस्तावेज कब्जे में लिए हैं। कर चोरी की सूचना पर विशेष अनुसंधान शाखा की टीमों ने पान मसाला बनाने वाली सरीन एंड सरीन और उससे जुड़ी तीन फर्मों के ठिकानों पर एक साथ छापा मारा। एडिशनल कमिश्नर ने बताया कि चारों फर्मों के ऑडिट रिकॉर्ड को टीमों ने कब्जे में ले लिया है। उसकी जांच की जा रही है। उसके अनुसार आगे कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई एसजीएसटी की विशेष अनुसंधान शाखा द्वारा कर चोरी के खिलाफ की गई एक बड़ी कार्रवाई है।

मैनपुरी में टीचर बोली-स्कूल एमडी ने की अश्लील हरकत

धक्का देकर केबिन से बाहर निकली, पीए ने भी गंदी हरकत की

मैनपुरी, 26 सितंबर (एजेंसियां)। मैनपुरी के सुदिति ग्लोबल एकेडमी की टीचर ने स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। गुरुग्राम की रहने वाली पीड़िता ने गुरुग्राम के शिवाजी नगर थाने में स्कूल के एमडी और पीए के खिलाफ जीरो एफआईआर दर्ज कराई है। पीड़िता ने बताया, एमडी और उसके पीए ने मुझे केबिन में बुलाकर कहा- आज तुम्हें मुझे खुश करना पड़ेगा। उन्होंने मुझे जोर से पकड़ लिया। मेरे प्राइवेट पार्ट को टच किया। मैं चिल्लाते हुए धक्का देकर वहां से भागी।

शिवाजी नगर थाने के इंस्पेक्टर देवेंद्र श्रीवास्तव ने बताया, मामले की जांच के लिए एफआईआर मैनपुरी की दन्नाहार थाना पुलिस को भेजी है। आगे की कार्रवाई मैनपुरी पुलिस करेगी। वहीं, मैनपुरी के एसपी सिटी संतोष कुमार सिंह ने बताया एफआईआर अभी नहीं मिली है। मुझे जब

लव मोहन, एमडी

कॉपी मिलेगी तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

पीड़ित टीचर हरियाणा के गुरुग्राम जिले की रहने वाली है। बताया, उसने 19 जनवरी 2025 को स्कूल में 32,500 रुपए सैलरी पर नौकरी शुरू की थी। उन्होंने अपनी बड़ी बेटी का दाखिला भी इसी स्कूल में कराया था। स्कूल प्रबंधन ने उन्हें और उनकी दोनों बेटियों को लड़कों के छात्रावास के ग्राउंड फ्लोर पर एक कमरा दिया। 12 जुलाई, 2025 को एमडी लव मोहन ने मुझे फिर से अपने केबिन में बुलाया। बोला- आज तुम्हें मुझे खुश करना पड़ेगा। मैंने पूछा कैसे, तो मेरी तरफ आए और कंधे पे हाथ रखा दिया। मैं घबरा गई। मैंने उनका हाथ अपने कंधे से हटाया। चिल्लाकर बोला कि यह मेरे साथ क्या कर रहे हो, मुझे जाने दो, मैं ऐसा कोई काम नहीं कर सकती। आरोप है कि लव मोहन ने दबोच लिया और बैड टच किया। मैंने उनको पीछे नहीं कर पाई, क्योंकि वह मुझे जोर से पकड़े हुए थे। मैं किसी तरह उनको धक्का देकर कमरे से बाहर निकल आई। हॉस्टल में जाकर रोने लगी।

एमडी लव मोहन ने मुझे धमकी दी कि अगर तुमने यह बात किसी को बताई तो हम तुझे और तेरी बच्ची को यहां से निकाल देंगे। इसके बाद इसके बाद मैंने लव मोहन के पिता राम मोहन से शिकायत करने की बात कही तो मुझे बताया गया कि वह स्कूल में नहीं हैं। पीड़िता के अनुसार, मैंने एमडी लव मोहन के पीए शिवम को बताया तो उसने कहा- वह बहुत बड़े आदमी हैं। यह आपको और आपकी बच्ची को स्कूल से निकाल कर झूठे केस में फंसा देंगे।

तेजस्वी बोले- बहन पर उंगली उठी तो बर्दाश्त नहीं करूंगा

संजय-रोहिणी विवाद पर कहा- दीदी ने गोद में खिलाया, पिता को किडनी देकर कुर्बानी दी है

पटना, 26 सितंबर (एजेंसियां)। लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य और संजय यादव के बीच मनमुटाव के बीच तेजस्वी ने आज यानी शुक्रवार को पहली बार बयान दिया है। तेजस्वी ने कहा है कि, 'रोहिणी दीदी हमारी बड़ी बहन हैं हमको पाला और बड़ा किया है। उन्होंने जो कुर्बानी दी है शायद ही आज के समय में कोई अपने परिवार के लिए करता है।

उन्होंने पिता को अपनी किडनी दी है। छपरा की जनता ही चाहती थी कि वह राजनीति में आए, इसके बाद हमारे पिता लालू जी ने उन्हें वहां से टिकट दिया। उनकी लालसा न कभी टिकट पाने में रही ना किसी को टिकट दिलवाने में रही। उस समय भी सम्राट चौधरी ने कहा ने कहा था कि देखो लालू जी टिकट देकर किडनी ले रहे हैं। एक बाप बेटी के रिश्ते पर किस तरीके से उन्होंने सवाल उठाया था। ये लोग मां बहन की इज्जत करने वाले लोग हैं क्या।'

आज यानी शुक्रवार को बीजेपी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा है कि 'रणनीतिकार संजय यादव की नई रणनीति – लालू जी की बिटिया को करो बदनाम।' इसके साथ दो तस्वीरें भी शेयर की गई हैं। आरजेडी सुप्रीमो की बेटी रोहिणी आचार्या ने 24 सितंबर को फेसबुक पर लिखा, 'मेरी खुली चुनौती है सभी गंदी सोच रखने वालों

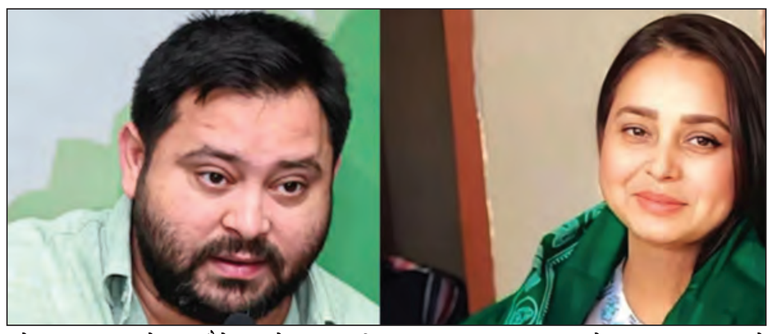

को साबित कर दें कि मैंने अपने या किसी और के लिए भी कभी कोई मांग "किसी" के पास रखी है। आदरणीय पिता को मेरे द्वारा अपनी किडनी दिया जाना झूठ है। ये प्रूफ हुआ तो मैं राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन से खुद को अलग कर लूंगी।'

उन्होंने आगे कहा, 'साथ ही दोषारोपण करने वाले अगर अपना झूठ-दुष्प्रचार साबित नहीं कर सके, तो उनमें भी इतना साहस होना चाहिए कि वो सब के सब 'जिस किसी' के भी कहने पर ऐसा कर-कह रहे हैं उसके साथ सार्वजनिक तौर पर मुझसे और देश की हर मां-बहन-बेटी से ये कहते हुए माफी मांगें कि "भविष्य में वो कभी किसी मां-बहन-बेटी के बारे में कोई अपमानजनक और झूठी बात नहीं कहेंगे और फैलाएंगे।' आरजेडी नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की बिहार अधिकार यात्रा के लिए एक बस को रथ का रूप दिया गया था। इस बस की फ्रंट सीट पर तेजस्वी यादव के बैठने की व्यवस्था थी। लेकिन सोशल मीडिया पर एक तस्वीर वायरल हुई, जिसमें उस सीट पर तेजस्वी नहीं, बल्कि उनके खास और राज्यसभा सांसद संजय यादव बैठे दिखे। यह तस्वीर देखते ही परिवार और पार्टी के भीतर विरोध की आवाजें तेज हो गईं।

आलोक कुमार ने इस तस्वीर पर आपत्ति जताते हुए फेसबुक पर लिखा था- आगे की सीट सदैव सर्वोच्च नेता के लिए निर्धारित होती है। यदि कोई खुद को शीर्ष नेतृत्व से भी बड़ा समझने लगे तो यह और भी गंभीर बात है। इस पोस्ट को बिना किसी टिप्पणी के रोहिणी आचार्य ने अपनी वॉल पर साझा कर दिया। बस, यहीं से यह विवाद और गहराता चला गया। हालांकि, शाम होते-होते रोहिणी ने डैमेज कंट्रोल की कोशिश की। उन्होंने X पर एक पोस्ट में तेजस्वी की गाड़ी की फ्रंट सीट पर बैठे दो नेताओं की तस्वीर साझा करते हुए लिखा- वंचितों और समाज के आखिरी पायदान पर खड़े वर्ग को आगे लाना ही राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय लालू प्रसाद जी के सामाजिक-आर्थिक न्याय के अभियान का मूल मकसद रहा है। तेजप्रताप को पार्टी से निकाले जाने के बाद लालू परिवार में ये नया बवाल तेजस्वी के करीबी संजय यादव को लेकर शुरू हुआ। इससे पहले 20 सितंबर को रोहिणी आचार्य ने पिता लालू यादव, तेजस्वी यादव, राजद और परिवार के अन्य सदस्यों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अन फॉलो कर दिया। तेजप्रताप यादव बहन रोहिणी के बचाव में उतर गए। उन्होंने कहा, 'मैं उनकी गोद में खेला हूं। जो उन्होंने किया है वो किसी भी मां, किसी भी बहन और किसी भी बेटी के लिए बड़ी बात है। अगर मेरी बहन का किसी ने अपमान किया तो सुदर्शन चक्र चलाऊंगा।' उन्होंने ये भी कहा कि, रोहिणी पूरी तरह सही हैं। संजय यादव को लेकर तेजस्वी और रोहिणी के बीच मतभेद बढ़ गया है। तेजस्वी के करीबी संजय यादव पर रोहिणी की आपत्ति सोशल मीडिया पर खुलकर सामने आई। उनके एक्स अकाउंट पर एक के बाद एक कई पोस्ट दिखे।

समस्तीपुर में मुखिया की गोली मारकर हत्या

बदमाशों ने नजदीक से सीने में दागी 3 गोलियां, वारदात के बाद बदमाश फरार

समस्तीपुर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। समस्तीपुर में गुरुवार की रात बदमाशों ने मुखिया मनोरंजन गिरी की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। मनोरंजन करिहरा पंचायत के मुखिया थे। घटना की सूचना मिलने के बाद उजियारपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस ने बताया कि गोली मारने वाले कौन है, कहां से आए थे और उनकी संख्या कितनी थी, इस संबंध में छानबीन की जा रही है। बताया जा रहा है कि मुखिया सातनपुर चौक से घर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पानी टंकी के पास घात लगाए बदमाशों ने नजदीक से उनके सीने में 3 गोलियां मारी है। गोली लगते ही वह जमीन पर गिर पड़े और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। सड़क से गुजर रहे लोगों ने शव देखा तो शोर मचाया। इसके बाद बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। वहीं, घटना की सूचना मिलने के बाद दलसिंहसराय के डीएसपी विवेक कुमार शर्मा भी मौके पर पहुंचे और जांच में जुट गए है। बता दें कि मुखिया मनोरंजन पर हाल ही में विक्रम की

हत्या की साजिश रचने का आरोप लगा था। विक्रम पहले मनोरंजन गिरी के साथ मिलकर गांव में ठेकेदारी का काम करता था, लेकिन बाद में दोनों के संबंध खराब हो गए थे। इसके साथ ही मुखिया का दामन भी आपराधिक मामलों में संलिप्त रहा है। उसके ऊपर आधा दर्जन से अधिक केस दर्ज है। वहीं डीएसपी विवेक कुमार शर्मा ने बताया कि मुखिया की गोली मारकर हत्या की गई है। पिछले महीने विक्रम गिरी की हत्या हुई थी। उस हत्याकांड में मुखिया का नाम सामने आया था। पुलिस जांच कर रही है।

वकील के वेश में हाईकोर्ट से कैदी छुड़ाने की कोशिश

लखनऊ में विरोध पर सिपाही की पिटाई कर दी, खुद को सपा का प्रदेश सचिव बताया

लखनऊ, 26 सितंबर (एजेंसियां)। लखनऊ में पुराने हाईकोर्ट सेशन लोवर लॉकअप में वकील की ड्रेस पहनकर एक महिला धारदार हथियार के साथ 4 साथियों संग पहुंच गई। महिला ने खुद को समाजवादी पार्टी की प्रदेश सचिव बताते हुए कैदी छुड़ाने का दबाव बनाया। विरोध करने पर महिला और उसके साथियों ने ड्यूटी पर तैनात सिपाही की पिटाई कर दी। यह मामला कोर्ट के आदेश पर दर्ज हुआ है।

महानगर रिजर्व पुलिस लाइन में तैनात निवासी सिपाही प्रदीप भदौरिया ने बताया कि 27 मार्च को सुबह करीब 10:45 बजे चिनहट मल्हौर गौरव कुंज कॉलोनी निवासी साइमा खान वकील की ड्रेस में लॉकअप पर आई। वह चार लोगों के साथ थी और हथियार से लैस थी। साइमा ने बगैर लिखा-पढ़ी कैदी को छुड़ाने का दबाव बनाया।

सिपाही प्रदीप के मुताबिक, विरोध करने पर आरोपियों ने उन्हें धमकाते हुए वर्दी उतरवाने की बात कही और मारपीट शुरू कर दी। जान बचाने के लिए उन्होंने खुद को लॉकअप में बंद कर लिया। इस दौरान आरोपियों ने लॉकअप का चैनल तोड़ने का प्रयास किया। घटना की सूचना 112 डायल कर दी गई, जिस पर तत्कालीन थाना प्रभारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और हालात काबू में किए। सिपाही प्रदीप ने बताया कि घटना के समय लॉकअप में 72 कैदी बंद थे। आरोपियों की हरकत से गेट क्षतिग्रस्त हो गया था और कैदियों के भागने का खतरा बन गया था। उन्होंने दावा किया कि घटना की पूरी फुटेज सीसीटीवी कैमरे में कैद है। पीड़ित का आरोप है कि घटना के दिन वजीरगंज थाने में तहरीर देने के बावजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद कोर्ट के जरिए एफआईआर दर्ज करानी पड़ी। थाना प्रभारी राजेश त्रिपाठी ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ था। जांच की जा रही है।

दरोगा ने मुकदमा लिखने के लिए 15 हजार लिए, सस्पेंड

आगरा, 26 सितंबर (एजेंसियां)। आगरा में भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत पौनिया के कार्यालय में तैनात कंप्यूटर ऑपरेटर के भाई से मुकदमा दर्ज कराने के एवज में 15 हजार रुपए की घूस वसूलने का मामला सामने आया है। यह रिश्वत ताजगंज क्षेत्र की एकता पुलिस चौकी पर तैनात एक अंडर ट्रेनिंग दरोगा विवेक चौहान ने ली थी। मामला उजागर होने के बाद पुलिस आयुक्त दीपक कुमार से शिकायत की गई, जिसके बाद दरोगा ने रकम वापस कर दी। इसके बावजूद डीसीपी सिटी सोनम कुमार ने दरोगा को निलंबित करते हुए विभागीय जांच के आदेश दिए हैं।

एसपी सिटी आवास के सामने छात्रा से छेड़छाड़

लड़की ने मारे 5 सेकेंड में 5 थप्पड़; महिला ने दौड़ाकर चप्पलों से पीटा

मेरठ, 26 सितंबर (एजेंसियां)। मेरठ में एसपी सिटी आवास के सामने छात्रा के साथ छेड़छाड़ की गई। लड़की ई-रिक्शा में बैठी थी। सामने बैठा युवक उसके साथ अश्लील हरकतें करने लगा। इसपर लड़की गुस्सा हो गई और युवक को 5 सेकेंड में 5 थप्पड़ मारे। इसके बाद ई-रिक्शा में बैठी एक महिला ने छात्रा के साथ मिलकर युवक को चप्पलों से जमकर पीटा। करीब आधे घंटे तक दोनों ने युवक की बीच सड़क पर पिटाई की। इस दौरान लोगों की भीड़ लग गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला शांत कराया। छात्रा ने शिकायत देने से इनकार कर दिया है।

पुलिस ने युवक को हिरासत में ले लिया है। मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। मवाना क्षेत्र के तिरगी गांव निवासी हर्ष नाम का युवक ई-रिक्शा में बैठकर जा रहा था। ई-रिक्शा में एक छात्रा भी बैठी थी। युवक ने पहले छात्रा के साथ छेड़छाड़ की। इसके बाद उसके सामने अश्लील हरकतें करने लगा। जिसके बाद छात्रा ने इसका विरोध करते हुए उसको कई थप्पड़ मारे। ई-रिक्शा में मोहनपुरी की एक महिला भी बैठी थीं। वह अपनी बेटी को कैलाश प्रकाश स्पोर्ट्स स्टेडियम से प्रैक्टिस कराकर लौट रही थीं। युवक जब भागने की कोशिश करने लगा, तो महिला ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर उसे पकड़ा और उसकी पिटाई कर दी। वहां पर मौजूद लोगों ने इस पूरी घटना का वीडियो बना लिया। वीडियो में दिख रहा है कि एक महिला युवक को ई-रिक्शा से खींच कर जमीन पर गिरा देती है। इसके बाद बीच सड़क पर चप्पलों से जमकर पीटती है। वह भागने की कोशिश करता है, लेकिन महिला उसको दौड़ा-दौड़ा कर पीटती है।

इस दौरान वहां पर लोगों की भारी भीड़ लग जाती है। हंगामा बढ़ने पर पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। पुलिस आरोपी को थाने ले गई। जिस छात्रा से छेड़छाड़ हुई थी, उसने शिकायत नहीं दी है। घटनास्थल से चंद कदमों की दूरी पर सर्किट हाउस है। जहां यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह रुके हुए थे। जब छात्र की मदद करने वाली महिला के साथ पुलिसकर्मी ने अभद्र व्यवहार किया, तो महिला ने कहा कि मिशन शक्ति के लिए प्रचार प्रसार तो किया जा रहा है, लेकिन धरातल पर स्थित शून्य है। सिविल लाइन थाने के इंस्पेक्टर सौरभ शुक्ला ने बताया- जिस छात्रा से छेड़छाड़ हुई है। वें अभी थाने में तहरीर देने नहीं पहुंची। पीड़िता की जानकारी जुटाई जा रही है। यदि छात्रा तहरीर नहीं देती तो पुलिस की ओर से मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

दृष्टिबाधा को मात देकर अवंती बनी मेडिकल छात्रा

आसिफाबाद की बेटी ने नीट पास कर उस्मानिया मेडिकल कॉलेज में पाया प्रवेश

कुमराम भीम आसिफाबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कठिनाइयों और उपहास के बावजूद गुरुदुपेट गांव की बुर्ला अवंती ने मेडिकल पढ़ाई का सपना पूरा कर दिखाया। दृष्टिबाधित होने और स्कूल में दाखिले से वंचित किए जाने के बाद भी उन्होंने हार नहीं मानी और नीट परीक्षा पास कर हैदराबाद के उस्मानिया मेडिकल कॉलेज में सीट हासिल की। अवंती दर्जी की बेटी हैं और बचपन से ही कोन डिस्ट्रॉफी नामक दुर्लभ नेत्र रोग से पीड़ित हैं, जिससे उनकी दृष्टि 100 मीटर तक सीमित है। एक समय उन्हें सरकारी स्कूल में छठी कक्षा में दाखिला भी नहीं दिया गया था, लेकिन परिजनों के संघर्ष से उन्हें पढ़ाई का अवसर मिला।

दृढ़ संकल्प के साथ अवंती ने इंटरमीडिएट में 863 अंक और दसवीं में 8.5 सीजीपीए हासिल किया। उन्होंने विकलांग व्यक्तियों के कोटे में नीट में 2,671वीं रैंक प्राप्त कर मेडिकल में प्रवेश पाया। कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने उन्हें सम्मानित करते हुए कहा कि अवंती ने दिखाया है कि शारीरिक चुनौतियां किसी के सपनों को रोक नहीं सकतीं। अवंती ने बताया कि उन्हें आठवीं कक्षा में तेलंगाना समाज कल्याण आवासीय उत्कृष्टता केंद्र में पढ़ाई के दौरान डॉक्टर बनने की प्रेरणा मिली थी। उन्होंने कहा, मैं अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद जरूरतमंदों की सेवा करना चाहती हूं। अवंती की सफलता आज जिले की लड़कियों और युवाओं के लिए प्रेरणा बन गई है।

तेलंगाना में 27 सितंबर से 5 अक्टूबर तक दशहरा अवकाश घोषित

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन (टीजी बीआईई) ने शुक्रवार को 27 सितंबर से 5 अक्टूबर तक दशहरा अवकाश की घोषणा की है। कॉलेज 6 अक्टूबर को पुनः खुलेंगे। टीजी बीआईई सचिव एस. कृष्ण आदित्य ने सभी जूनियर कॉलेजों को छुट्टियों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया है। निजी गैर-सहायता प्राप्त जूनियर कॉलेजों को भी छुट्टियों के दौरान कक्षाएं न चलाने के लिए कहा गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्देशों का उल्लंघन गंभीरता से लिया जाएगा और दोषी प्रबंधन या प्रधानाचार्यों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, जिसमें उनकी संबद्धता समाप्त करना भी शामिल है।

राजस्थान में पानी-बिजली की कमी नहीं होगी : सीएम भजनलाल

शेखावाटी को यमुना का पानी मिलेगा, 2026 में किसानों को दिन में भी बिजली मिलेगी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा हैदराबाद में प्रवासी राजस्थानी मीट को संबोधित करते हुए।

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीएम भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को हैदराबाद में राजस्थान के किसानों को बिजली-पानी देने का वादा दोहराया। शेखावाटी के किसानों को यमुना का पानी मिलेगा, इसके लिए डीपीआर तैयार हो रही है। आगामी 10 दिसंबर को जयपुर में पहला प्रवासी राजस्थानी दिवस मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा हैदराबाद में राजस्थान फाउंडेशन द्वारा आयोजित प्रवासी राजस्थानी मीट को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने आते ही पहला काम पानी को लेकर किया। हमारी पहली कैबिनेट में हमने इस बात पर विचार किया कि राजस्थान की पहली आवश्यकता क्या हैं। हमने तय किया कि हम पानी को लेकर काम करेंगे। आज हमारी सरकार ने पिछले दो साल में पानी को लेकर जो काम किया है वो ऐतिहासिक काम किया हैं। राजस्थान के 17 जिलों के लिए हमने ईआरसीपी-रामसेतु परियोजना शुरू की हैं। शेखावाटी में पानी की समस्या से निपटने के लिए हम यमुना का पानी लेकर आ रहे हैं। उसकी डीपीआर बन रही है। जल्द यमुना का पानी शेखावटी के लोगों को मिलेगा। आने वाले समय में राजस्थान में पानी की कोई कमी नहीं रहेगी। इसी तरह से हम बिजली पर भी काम कर रहे हैं। हमने किसानों को 2026 में दिन में बिजली देने का वादा किया हैं।

जयपुर में आयोजित होगा पहला प्रवासी राजस्थानी दिवस :

इस अवसर पर सीएम भजनलाल ने कहा कि पिछले साल दिसंबर में राज्य सरकार की ओर से राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान हर साल 10 दिसंबर को प्रवासी राजस्थानी दिवस मनाने की घोषणा की गई थी। इसी क्रम में इस साल 10 दिसंबर को जयपुर में प्रथम प्रवासी राजस्थानी दिवस का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने सभी प्रवासी राजस्थानियों को इस आयोजन में शामिल होने के लिए आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी दिवस की श्रृंखला की शुरूआत शुक्रवार को हैदराबाद से की गई है। आगे भी देश के विभिन्न हिस्सों में इस तरह की मीट आयोजित की जाएगी। जिससे देश और दुनिया में मौजूद प्रवासी राजस्थानी समुदाय के साथ संबंधों को मजबूती मिले।

प्रवासी राजस्थानियों के लिए बनेगा विशेष विभाग :

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी दिवस के दौरान शिक्षा, पर्यटन, उद्योग, स्वास्थ्य और जल संचयन जैसे क्षेत्रों के लिए विभिन्न सत्रों का भी आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार हर साल प्रवासी राजस्थानी सम्मान देगी और विभिन्न अवसरों पर भी सराहनीय कार्य करने वाले प्रवासियों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने प्रवासी बंधुओं से राजस्थान में निवेश, उद्योग स्थापना तथा विभिन्न विकासोन्मुख गतिविधियों में सहभागिता करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों के व्यावसायिक और सामाजिक प्रयासों में सहयोग के लिए एक विशेष विभाग का गठन किया जाएगा।

प्रवासी राजस्थानियों के परिवारजन के लिए प्रदेश के हर जिले में सिंगल प्वॉइंट कॉन्टेक्ट बनाया गया है तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्येक जिले में अतिरिक्त जिला कलेक्टर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

इस अवसर पर राजस्थान फाउंडेशन हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष पवन बंसल, उपाध्यक्ष अविनाश देवडा, भभूत सिंह राजपुरोहित, मंत्री सुधीर जैन, सहमंत्री पवन सिखवाल, कोषाध्यक्ष बुधाराम चौधरी, पूर्व विधायक प्रेमसिंह राठौड, संयोजक सोहनलाल कडेल, सुभाष अग्रवाल, प्रधान संयोजक श्रीकुमार लखोटिया, प्रदेश सहसंयोजक नवनीत राजपुरोहित, समन्वयक राजू मंगोडी वाला, सुरेश मिश्रा, हर्ष सौंथलिया, सीए कृपानिवास शर्मा, मुकेश सोनी राजेश मालपाणी, राजेश गुप्ता, राकेश अग्रवाल आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में बढ़ चढ कर सहयोग किया।

बाढ़ वाली धारा पार करते समय आदिवासी व्यक्ति की मौत

परिजन बोले- पुल होता तो बच सकती थी जान

कुमराम भीम आसिफाबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केरमेरी मंडल के अनारपल्ली गांव में शुक्रवार को एक आदिवासी व्यक्ति की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, जनकपुर गांव निवासी पवार बिक्कू नाइक बीमार थे और उन्हें जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया जा रहा था। रास्ते में उफान पर आई बाढ़ वाली धारा को रिश्तेदारों ने कंधों पर उठाकर पार कराने की कोशिश की, लेकिन नदी के बीच ही उन्होंने दम तोड़ दिया। परिवारजन इलाज के बाद उनके ठीक होकर लौटने की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन दूसरी ओर पहुंचने से पहले ही उनकी मृत्यु हो गई। शव बाद में गांव वापस ले जाया गया।

नाइक के रिश्तेदारों ने आरोप लगाया कि अगर धारा पर पुल बना होता तो उनकी जान बच सकती थी। उन्होंने प्रशासन पर उदासीनता का आरोप लगाते हुए ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए पुल निर्माण की मांग की। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब भी नदी का जलस्तर बढ़ता है तो अनारपल्ली और आसपास के गांवों का संपर्क टूट जाता है। इस वजह से आपातकालीन हालात में लोगों को खतरनाक धाराओं से गुजरना पड़ता है और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच पाना बेहद मुश्किल हो जाता है।

साइबर ठगी, प्राचीन सिक्कों के बहाने 3.61 लाख रुपये की हेराफेरी

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बोइनपल्ली के एक 57 वर्षीय व्यक्ति को साइबर जालसाजों ने प्राचीन सिक्कों के व्यापार के बहाने 3.61 लाख रुपये की ठगी कर ली। पुलिस के अनुसार, पीड़ित को फेसबुक पर 'इंडियन कॉइन कंपनी' का विज्ञापन दिखा, जो प्राचीन सिक्कों का व्यापार करती है। ठगों ने उसे 95 लाख रुपये देने का लालच दिया। साइबर क्राइम पुलिस ने बताया कि धोखेबाजों ने पहले सिक्कों की तस्वीरें लीं और बाद में जीएसटी, हवाई टिकट, होटल, पुलिस रिश्वत और डिलीवरी शुल्क के लिए पैसे मांगे। कुल 3.61 लाख रुपये की रकम वसूल कर उन्हें ठगा गया। पीड़ित ने धोखाधड़ी का एहसास होने पर पुलिस से संपर्क किया, और मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच जारी है।

विजयवाड़ा मंडल में राजभाषा सप्ताह समापन समारोह आयोजित

मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक हुई

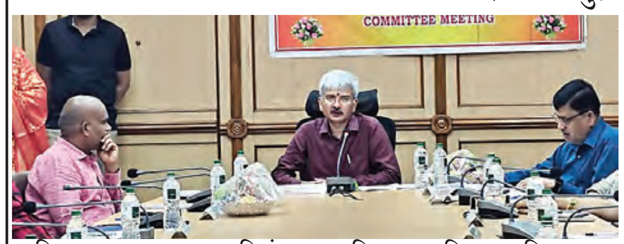

विजयवाड़ा, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे, विजयवाड़ा मंडल के, मंडल रेल प्रबंधक मोहित सौनकिया की अध्यक्षता में मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक एवं राजभाषा सप्ताह समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर, अध्यक्ष ने राजभाषा हिंदी के महत्व को रेखांकित किया और सरकारी कार्यालयों में हिंदी कार्यान्वयन के बारे में जानकारी दी और मंडल की उपलब्धियों को सभी अधिकारियों के साथ साझा करते हुए इस कार्य से सक्रिय रूप से जुटे राजभाषा अनुभाग के पदाधिकारियों का अभिवादन किया। विजयवाड़ा मंडल के अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक (प्रचा) के. श्रीनिवास राव ने राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने पर जोर दिया। अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा), पी.ई.एड्विन जी ने इस अवसर पर सभी अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों/कर्मचारियों को हिंदी सप्ताह की शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर मंडल की राजभाषा प्रगति को संकलित करते हुए एक तिमाही राजभाषा ई-पत्रिका विजय रथ का विमोचन किया गया। राजभाषा सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों का समावेश करते हुए एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई। इस बैठक में उपस्थित शाखा अधिकारियों के लिए एक मनोरंजक, ज्ञानवर्धक प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई तथा विजेता अधिकारियों को अध्यक्ष द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। राजभाषा सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं के कुल 36 विजेताओं को समिति के अध्यक्ष द्वारा पुरस्कार तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। संचालन हेमंत वाडेकर, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी द्वारा किया गया।

दशहरे पर पलापिट्टा पक्षी के शिकार से बढ़ा खतरा

विशेषज्ञों ने भारतीय रोलर की घटती आबादी पर जताई चिंता

संगारेड्डी, 26 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। दशहरे पर समृद्धि का प्रतीक माने जाने वाले तेलंगाना के राज्य पक्षी भारतीय रोलर (पलापिट्टा) का शिकार लगातार इसके अस्तित्व को खतरे में डाल रहा है।

परंपरागत मान्यता के चलते लोग इसे पकड़कर मंदिरों और सार्वजनिक स्थानों पर दिखाकर पैसे कमाते हैं। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि इस पक्षी को पिंजरे में रखना शुभ नहीं, बल्कि जानलेवा साबित होता है।

एनिमल वॉरियर्स कंजर्वेशन सोसाइटी (एडब्ल्यूसीएस) के अनुसार, दशहरे के दौरान कैद किए गए लगभग आधे पलापिट्टा पक्षी मर जाते हैं। संगठन ने पिछले पांच वर्षों में करीब 45 पक्षियों को बचाया, लेकिन उनमें से आधे से ज्यादा जीवित नहीं रह पाए। 2024 के दशहरे में बचाए गए 15 में से आठ पक्षी उपचार के बावजूद मर गए। इसका कारण अनुचित भोजन, कैद से तनाव और शिकारियों द्वारा पंख नोचना बताया गया।

भारतीय रोलर सामान्य रूप से कीड़े-मकोड़े, छोटे जीव और सरीसृप खाता है, जबकि शिकारी इसे अनाज, फल-सब्जियाँ और दूध तक खिला देते हैं, जिससे उसे घातक बीमारियाँ हो जाती हैं। 'स्टेट ऑफ़ इंडियाज़ बर्ड्स 2023' रिपोर्ट में भारतीय रोलर की आबादी में 30 प्रतिशत गिरावट दर्ज की गई है और इसे आईयूसीएन की लाल सूची में शामिल करने की सिफारिश की गई है।

हैदराबाद बर्ड एटलस के हालिया सर्वेक्षण में भी चिंताजनक आंकड़े सामने आए-फरवरी में 70,000 से अधिक पक्षियों की गिनती में केवल 26 पलापिट्टा दर्ज हुए, जबकि अगस्त में यह संख्या घटकर सिर्फ चार रह गई।

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अगर शिकार और कैद की यह प्रथा नहीं रुकी तो आने वाले वर्षों में तेलंगाना का राज्य पक्षी पलापिट्टा विलुप्त होने की कगार पर पहुँच सकता है।

जनजातीय छात्रों के लिए मेडिकल किट की सुविधा

भद्राचलम आईटीडीए ने दूरदराज स्कूलों और छात्रावासों को सौंपीं किटें

कोत्तागुडेम, 26 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। जनजातीय आवासीय शिक्षण संस्थानों और छात्रावासों में पढ़ने वाले छात्रों को तुरंत इलाज मिल सके, इसके लिए भद्राचलम आईटीडीए ने मेडिकल किट उपलब्ध कराई हैं। कई स्कूल और छात्रावास दूरदराज के इलाकों में होने के कारण छात्रों को अस्पताल ले जाना मुश्किल होता था, इसी को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है।

परियोजना अधिकारी बी राहु ने बताया कि खम्मम और कोठागुडेम जिलों के 115 आश्रम स्कूलों और छात्रावासों के लिए करीब 13 लाख रुपये की मेडिकल किट खरीदी गई और उन्हें वार्डन व प्रधानाचार्यों को सौंप दिया गया।

इन किटों में येल्लांडु डिवीजन के 13 आश्रम स्कूल और 10 छात्रावास, दम्मापेट डिवीजन के 18 आश्रम स्कूल और 12 छात्रावास, भद्राचलम डिवीजन के 12 आश्रम स्कूल, 10 छात्रावास और 4 प्री-मैट्रिक छात्रावास, साथ ही खम्मम जिले के 30 छात्रावास शामिल हैं। अश्वरावपेट आश्रम स्कूल की एएनएम भुक्या मंगम्मा ने बताया कि पहले बच्चों के बीमार पड़ने पर उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाना पड़ता था, लेकिन अब मेडिकल किट से वहीं इलाज शुरू हो सकता है। पूर्ववर्ती खम्मम जिले के 60 आश्रम विद्यालयों, 33 पोस्ट-मैट्रिक और 22 प्री-मैट्रिक छात्रावासों में करीब 28,000 आदिवासी छात्र पढ़ रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य का भी ध्यान रखा जा रहा है।

प्रीमिया अकादमी ने मैत्री 2025 उत्सव की घोषणा की

कला, साहित्य, संगीत, नृत्य और रंगमंच का होगा बहुआयामी आयोजन

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रीमिया अकादमी ने आगामी मैत्री 2025 की घोषणा की है। यह कला, साहित्य, संगीत, नृत्य और रंगमंच का एक बहुआयामी उत्सव होगा, जो दुनिया भर की सांस्कृतिक विविधता और समृद्धि को प्रदर्शित करेगा। यह आयोजन 17 अक्टूबर को सुबह 8.30 बजे से प्रीमिया अकादमी परिसर में होगा। कार्यक्रम का उद्देश्य प्री-प्राइमरी से लेकर कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों में वैश्विक नागरिकता की भावना और रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना है। इस बार का विषय 'भविष्य का निर्माण, एक कदम एक समय' रखा गया है। इसके अंतर्गत छात्र कलात्मक, साहित्यिक, संगीत, नाट्य और नृत्य श्रेणियों में प्रतियोगिताओं के माध्यम से किसी चुने हुए देश की संस्कृति का अध्ययन और प्रस्तुति करेंगे।

हैदराबाद विश्वविद्यालय के 34 संकाय विश्व के शीर्ष 27 में शामिल

24 को करियर-लॉन्ग सूची में, 8 को एकल-वर्ष प्रभाव सूची में शामिल करार

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय ने घोषणा की है कि उसके 34 सेवानिवृत्त और कार्यरत संकाय सदस्य/सहयोगी स्टैनफोर्ड/एल्सेवियर के अगस्त 2025 के अपडेट में वैश्विक स्तर पर सर्वाधिक उद्धृत वैज्ञानिकों के शीर्ष 2 प्रतिशत में शामिल हुए हैं। इनमें से 24 संकाय सदस्यों को उनके करियर-भर के शोध प्रभाव के कारण मान्यता मिली है, जबकि 8 सदस्यों को 2024 की एकल-वर्षीय प्रभाव सूची में शामिल किया गया है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के शोध और प्रकाशन के निरंतर योगदान को दर्शाती है।

मान्यता प्राप्त प्रमुख नामों में प्रोफेसर गोवर्धन मेहता, प्रोफेसर एएस राघवेंद्र, प्रोफेसर एमएनवी प्रसाद, प्रोफेसर अट्टीपल्ली आर. रेड्डी, प्रोफेसर सोमा वेणुगोपाल राव और प्रोफेसर प्रमोद के नायर शामिल हैं। कई दृष्टिगोचर संकाय सदस्यों के पास शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार, अकादमिक फेलोशिप और अन्य राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय सम्मान हैं। विश्वविद्यालय के अधिकारी कहते हैं कि यह पहचान यूओएच की शोध क्षमता, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और उच्च-गुणवत्ता प्रकाशनों का परिणाम है।

जुबली हिल्स उपचुनाव : मगंटी सुनीता बीआरएस उम्मीदवार घोषित

पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव ने पार्टी और जन समर्थन को ध्यान में रखकर लिया फैसला

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव ने शुक्रवार को दिवंगत विधायक मगंटी गोपीनाथ की पत्नी मगंटी सुनीता को जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव के लिए पार्टी का उम्मीदवार घोषित किया। मौजूदा विधायक गोपीनाथ के निधन के कारण उपचुनाव कराना आवश्यक हो गया था। चंद्रशेखर राव ने कहा कि यह फैसला पार्टी और जनता के प्रति गोपीनाथ की सेवाओं और मतदाताओं की आकांक्षाअ को ध्यान में रखकर लिया गया है।

दिवंगत विधायक की पत्नी सुनीता पार्टी के कार्यक्रमों में सक्रिय रही हैं और एक वरिष्ठ नेता के रूप में सम्मान अर्जित किया है। पार्टी नेतृत्व ने बताया कि उनकी उम्मीदवारी गोपीनाथ के योगदान के प्रति निरंतरता और कृतज्ञता दोनों को दर्शाती है। बीआरएस नेताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि सुनीता अपने पति की विरासत को आगे बढ़ाएंगी और उपचुनाव जीतकर पार्टी का क्षेत्रीय आधार मजबूत करेंगी।

पूर्व तट रेलवे

नीलामी कैटलॉग नं.WAT-2WR-VSKP-02

लॉट नं./वर्ग: MSS-WAT-VSKP-TWnOPS-80-25-2(Misc-Static-Services-Two wheelers and other parcel packing services)

विवरण: विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन में डोर पिक अप एवं डोर डिलिवरी सेवा की वैकल्पिक सुविधाओं के साथ दो पहिया एवं अन्य पार्सल/लगेज की पैकिंग।

दर यूनिट: वार्षिक लाइसेंसिंग शुल्क, ट्रिप/दिवस: 1096, न्यूनतम वृद्धि (%): 0.2, लॉट स्थिति: ड्राफ्ट कैटलॉग में नया।

लॉट प्रारंभ होने की तिथि व समय: दिनांक 06.10.2025 को 1100 बजे, लॉट समाप्ति की तिथि व समय: दिनांक 06.10.2025 को 1130 बजे।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/ वाल्टियर

PR-635/Q/25-26

शपथ पत्र/स्वघोषणा (सेवारत एकल सैनिक के माता-पिता के नाम परिवर्तन के लिए)

मैं खणम्मा माता संख्या 4202167Lनायक संतोष अलथी निवासी गाँव-सरिपल्ली, पोस्ट-रमथी रथम, तहसील- निलिमारला एवं जिला-विजयनारम (आंध्र प्रदेश) पिन- 535218. मैंने शपथ पत्र संख्या IN-AP 23524948896612X के तहत अपना नाम खणम्मा से बदल कर अलथी रव म्मा कर लिया है दिनांक 27 Sep 2025, यदि कोई आपति हो तो उसे संबंधित प्राधिकारी को सात दिनों के भीतक सूचित किया जाए।

शपथ पत्र/स्वघोषणा (सेवारत एकल सैनिक के माता-पिता के नाम परिवर्तन के लिए)

मैं नारायन राव पिता संख्या 4202167Lनायक संतोष अलथी निवासी गाँव-सरिपत्ती, पोस्ट-रमथी रथम, तहसील-निलिमारला एवं जिला-विजायनारम जिला-विज़ायगनगरम (आंध्र प्रदेश) पिन- 535218. मैंने शपथ पत्र संख्या IN-AP 23524534613428X के तहत अपना नाम नारायन राव से बदल कर अलथी नारायन राव कर लिया है दिनांक 27 Sep 2025, यदि कोई आपति हो तो उसे संबंधित प्राधिकारी को सात दिनों के भीतक सूचित किया जाय।

शपथ पत्र/स्वघोषणा (सेवारत एकल सैनिक के पत्नी के नाम परिवर्तन के लिए)

मैं कुमारी पतिवाडा कुमारी संख्या 4202167Lनायक संतोष अलथी निवासी गाँव-सरिपत्ती, पोस्ट-रमथी रथम, तहसील-निलिमारला एवं जिला-विजायनारम (आंध्र प्रदेश) पिन- 535218. मैंने शपथ पत्र संख्या IN-AP 23523990648502X के तहत अपना नाम पतिवाडा कुमारी से बदल कर कुमारी अलथी कर लिया है। दिनांक 27 Sep 2025, यदि कोई आपति हो तो उसे संबंधित प्राधिकारी को सात दिनों के भीतक सूचित किया जाय।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, VASTAVA DHIRUBEN GULAB SINH, M/O: HAV VASAVA KALPESH KUMAR GULAB SINH, R/O: A1/5, SHREE HARI BUNGLOWS-2, BEHIND CHAMUNDA TEMPLE, ZADESHVAR ROAD, JHADESHWAR, ZADESHWAR, BHARUCH, GUJARAT- 392011 have changed my name from VASTAVA DHIRUBEN GULAB SINH to VASAVA DHIRUBEN GULABSINH and my DOB is: 01-06-1951 vide Affidavit dt.22-09-2025.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

एससीआर रेलवे सुरक्षा बल ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया

शिविर के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों सहित 35 आरपीएफ कर्मियों ने रक्तदान किया

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे सुरक्षा बल स्थापना दिवस के सप्ताह भर चलने वाले समारोह के तहत शुक्रवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दक्षिण मध्य रेलवे की महानिरीक्षक सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त अरोमा सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन और नेतृत्व में तेरापंथ युवक परिषद, हैदराबाद के सहयोग से आयोजित किया गया। शिविर में लगभग 35 आरपीएफ कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और रक्तदान किया, जिनमें वरिष्ठ अधिकारी एस.जेड. खान, मुख्य सुरक्षा आयुक्त/एससीआर, ए. नवीन कुमार, मंडल सुरक्षा आयुक्त, सिकंदराबाद, यू.के. बंद्योपाध्याय, स्टाफ ऑफिसर, पीसीएससी, बी. सतीश प्रभु, सहायक सुरक्षा आयुक्त/अपराध शामिल थे। विजयकुमार सहायक सुरक्षा आयुक्त/निजी सचिव कार्यक्रम का समन्वय बहुत अच्छा रहा और इसके सुचारू संचालन और सामुदायिक प्रभाव के लिए इसकी सराहना की गई।

इस अवसर पर, वासन आई केयर, हैदराबाद के सहयोग से एक नेत्र जांच शिविर और नेत्रदान पर जागरूकता अभियान भी चलाया गया। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि यह नेक पहल रेलवे सुरक्षा बल की न केवल रेलवे में सुरक्षा सेवाएं प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, बल्कि व्यापक मानवीय कार्यों के लिए भी काम करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

माधापुर में युवा डॉक्टर से जबरन वसूली

डेटिंग ऐप पर हुई पहचान के बाद युवक ने किया उत्पीड़न

हैदराबाद, 26 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। माधापुर में एक 25 वर्षीय महिला डॉक्टर को एक युवक ने परेशान कर उससे जबरन पैसे वसूले। जानकारी के अनुसार, डॉक्टर की मुलाकात आरोपी से एक डेटिंग ऐप के जरिए हुई थी। दोनों के बीच करीब दो सप्ताह बातचीत के बाद 21 सितम्बर को वे अयप्पा सोसाइटी के एक होटल में मिले।

मुलाकात के दौरान युवक ने कथित तौर पर डॉक्टर को यौन संबंध के लिए मजबूर करने की कोशिश की और इनकार करने पर मारपीट कर धमकाया। डर के कारण डॉक्टर ने पहले 5,000 रुपये दिए। इसके बाद आरोपी ने अस्पताल और घर जाकर फिर से दबाव बनाया, जिसके चलते उसे 3,000 रुपये और देने पड़े। पीड़िता ने लगातार हो रहे उत्पीड़न से परेशान होकर माधापुर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फाइनल में इन पांच खिलाड़ियों से पा लिया पार तो कप होगा भारत का, फरहान-शाहीन सूची में शामिल

भारत और पाकिस्तान की टीमें एशिया कप 2025 में एक बार फिर आमने-सामने होंगी। यह मौजूदा टूर्नामेंट में तीसरी बार होगा जब दोनों टीमें एक दूसरे के सामने होंगी। इससे पहले भारत ने एशिया कप के ग्रुप चरण और सुपर चार चरण में चिर प्रतिद्वंद्वी टीम को मात दी थी और अब उसकी नजरें पाकिस्तान के खिलाफ जीत की हैट्रिक लगाने पर टिकी होंगी। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में खिताब बचाने के इरादे से उतरी है और ऐसा करने से महज एक कदम दूर है। भारत ने 2023 में वनडे प्रारूप में खेले गए एशिया कप का खिताब अपने नाम किया था।

भारत और पाकिस्तान का मैच हमेशा खास होता है और दुनियाभर के क्रिकेट फैंस की नजर इस मैच पर होती है। इसी वजह से इसे महामुकाबला भी कहा जाता है। दोनों टीमें अपने स्तर पर कागजों में काफी मजबूत हैं, लेकिन बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भारत का पलड़ा प्रतिद्वंद्वी टीम पर हमेशा ही भारी रहा है। भारत के पास कई दमदार खिलाड़ी हैं जो पाकिस्तानी आक्रामण को धवस्त कर सकते हैं, लेकिन पाकिस्तान के पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो भारत के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। अगर भारतीय टीम पाकिस्तान के इन पांच खिलाड़ियों से पार पा लेगी तो उसके चैंपियन बनने की राह आसान हो जाएगी। आइए जानते हैं पाकिस्तान के वो कौन से पांच खिलाड़ी हैं जो भारत को कर सकते हैं परेशान....

शाहीन अफरीदी

नई गेंद से पाकिस्तानी गेंदबाजी की अगुआई करने वाले शाहीन शाह अफरीदी अपने दिन किसी भी टीम के लिए मुसीबत खड़ी कर सकते हैं। शाहीन भारत को पहले परेशानी में डाल चुके हैं और टीम इंडिया के बल्लेबाजों को उनसे बचकर रहने की जरूरत है। भारतीय बल्लेबाजी क्रम को शाहीन के खिलाफ संभलकर खेलना होगा, विशेषकर सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को जो शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज से खेलते हैं।

साहिबजादा फरहान

पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने भारत के खिलाफ एशिया कप के ग्रुप और सुपर चार चरण के मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था। साहिबजादा ने ग्रुप चरण के मैच में 40 रन बनाए थे, जबकि पिछले मैच में अर्धशतक जड़ने में सफल रहे थे। साहिबजादा ने भारत के खिलाफ ऐसे समय मोर्चा संभाला था जब पाकिस्तानी टीम की स्थिति खराब थी। साहिबजादा ने ही भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाए थे और अब भारतीय गेंदबाजों को उन्हें जल्द रोकना होगा।

फखर जमां

फखर पाकिस्तान के उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें भारत के खिलाफ खेलने का अच्छा अनुभव है। फखर मध्यक्रम में पाकिस्तान की मजबूत कड़ी रहे हैं। भारत के खिलाफ ग्रुप चरण के मैच में फखर को जीवनदान मिला था, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सके थे और 17 रन बनाकर आउट हो गए थे। फखर भारत के खिलाफ पिछले मैच में ओपनिंग करने उतरे थे और उन्होंने आक्रमक बल्लेबाजी की थी, लेकिन वह अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल सके थे।

मोहम्मद हारिस

विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद हारिस अच्छी लय में दिखाई दे रहे हैं और उन्होंने ओमान के खिलाफ ग्रुप चरण के मैच में ऐसे समय में मोर्चा संभाला जब पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही थी, लेकिन भारत के खिलाफ उनका बल्ला खामोश रहा था और वह तीन रन ही बना सके थे। हारिस भले ही भारत के खिलाफ ग्रुप मैच में दम नहीं दिखा पाए थे, जबकि भारतीय टीम के खिलाफ पिछले मैच में उन्हें बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला था।

सैम अयूब

सैम अयूब भारत के खिलाफ पिछले दोनों मैच में विफल रहे हैं। पहले मैच में वह खाता खोले बिना ही पवेलियन लौट गए थे, जबकि भारत के खिलाफ 21 सितंबर को खेले गए मैच में वह 21 रन ही बना पाए थे। मौजूदा टूर्नामेंट में अयूब का बल्ला शांत है और वह छह में से चार पारियों में खाता भी नहीं खोल सके हैं।

अब पाकिस्तान की अक्ल आएगी ठिकाने, आईसीसी ने बीसीसीआई की शिकायतों पर की सुनवाई, हारिस-फरहान पर गिरेगी गाज!

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की हारिस रऊफ और साहिबजादा फरहान की शिकायत पर शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सुनवाई की। समाचार एजेंसी पीटीआई ने टूर्नामेंट सूत्रों के हवाले से बताया कि दोनों को भारत के खिलाफ एशिया कप मैच के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ गतिविधियों के लिए प्रतिबंधित किया जा सकता है।

क्या है पूरा मामला?

भारत और पाकिस्तान के बीच 21 सितंबर को खेले गए मैच के दौरान माहौल गर्म हो गया था। दरअसल, लक्ष्य का पीछा करते हुए अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने भारत को तेज शुरुआती दिलाई थी, इससे उत्साहित भारतीय फैंस लगातार कोहलो-कोहली का नारा लगा रहा थे। बाउंड्री पर उस वक्त रऊफ खड़े थे और उन्होंने

आपत्तिजनक इशारे किए। इतना ही नहीं, मैच के दौरान भारतीय खिलाड़ियों की पाकिस्तान के खिलाड़ियों से बहस भी हुई थी।

पावरप्ले के दौरान भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ियों में बहस हुई जिससे मैदान पर माहौल गर्म हो गया। दरअसल, शाहीन अफरीदी भारत की पारी का चौथा ओवर डालने आए और गिल ने उन पर दो चौके लगाए। इसके बाद शाहीन और गिल के बीच कुछ बहस हुई जिसके बाद गिल ने शाहीन को जाने का इशारा किया। इसके बाद अगला ओवर डालने हारिस रऊफ आए। गिल ने फिर आखिरी गेंद पर चौका जड़ा जिसके बाद अभिषेक और रऊफ के बीच तीखी बहस होने लगी। मामला बढ़ता देख अंपायर गाजी सोहेल ने बीच बचाव किया और दोनों को अलग किया।

पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने भारत के खिलाफ अर्धशतक लगाने के बाद बल्ले को बंदूक की तरह पकड़ा और फायरिंग जैसा इशारा कर जश्न मनाया था। साहिबजादा की इस हरकत की खूब आलोचना की गई थी, बीसीसीआई ने इसे लेकर आईसीसी से शिकायत कर दी।

फरहान-रऊफ पर गिर सकती है गाज

आईसीसी ने इस मामले पर शुक्रवार को सुनवाई की। पीटीआई के मुताबिक, रऊफ पर उनकी अभद्र भाषा और आक्रामक इशारों के लिए जुर्माना लगाया जा सकता है। वहीं, पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान ने अपने 'गनफायर सेलिब्रेशन' के लिए खुद को आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी नहीं माने जाने का अनुरोध किया है। उन्होंने दावा किया है कि यह पाकिस्तान में 'उनके जातीय पख्तून जनजाति में जश्न मनाने का एक पारंपरिक तरीका' है। बता दें कि, दोनों टीमें 28 सितंबर यानी रविवार को एशिया कप के फाइनल मुकाबले में आमने-सामने होंगी।

पाकिस्तान के कप्तान सलमान देखने लगे ख्वाब फाइनल में भारत को हराने का जताया भरोसा

बांग्लादेश को सुपर चार चरण के मैच में हराकर एशिया कप के फाइनल में जगह बनाने वाली पाकिस्तान टीम के कप्तान सलमान आगा ने भरोसा जताया है कि उनकी टीम रविवार को होने वाले खिताबी मुकाबले में भारत को हरा देगी। सलमान फाइनल में पहुंचते ही ख्वाब देखने लगे हैं, लेकिन वह शायद भूल गए हैं कि यह वही भारतीय टीम है जिसने एशिया कप में उसे दो बार करारी शिकस्त दी है। पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 11 रन से हराकर एशिया कप 2025 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उसका सामना खिताबी मुकाबले में भारत से होगा। यह मैच 28 सितंबर यानी रविवार को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम पर ही खेला जाएगा। गुरुवार को खेले गए सुपर-4 मैच में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 135 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश की टीम निर्धारित ओवरों में नौ विकेट पर 124 रन ही बना पाई।

एशिया कप की शुरुआत 1984 में हुई थी। 2016 में पहली बार यह टूर्नामेंट टी20 प्रारूप में खेला गया। भारतीय टीम सबसे ज्यादा बार इस टूर्नामेंट का खिताब जीतने वाली टीम है। भारत ने अब तक आठ बार एशिया कप की ट्रॉफी अपने नाम की है। वहीं, पाकिस्तान ने सिर्फ दो बार खिताब अपने नाम किया, जबकि श्रीलंका ने छह बार एशिया कप की ट्रॉफी उठाई है। दिलचस्प बात यह है कि एशिया कप के 41 साल के इतिहास में कभी भी भारत-पाकिस्तान का फाइनल में आमना-सामना नहीं

हुआ था। अब इतिहास पलटने जा रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को ऐतिहासिक फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। भारत ने मौजूदा संस्करण में पाकिस्तान को दो बार पटखनी दी है और फिलहाल टीम इस टूर्नामेंट में अजेय है। ऐसे में पाकिस्तान के लिए खिताब की जंग आसान नहीं होने वाली है।

भारत के खिलाफ वापसी का भरोसा जताया

मैच के बाद आगा ने कहा, 'अगर आप इस तरह के मैच जीतते हैं, तो हम एक खास टीम जरूर बन जाते हैं। सभी ने बहुत अच्छा खेला। बल्लेबाजी में कुछ सुधार की जरूरत है। लेकिन हम इस पर काम करेंगे। हम किसी को भी हराने के लिए काफी अच्छी टीम हैं। हम रविवार को वापसी करेंगे और ऐसा (जीत हासिल) करने की कोशिश करेंगे।' सलमान ने अपने गेंदबाजों की सराहना की जिन्होंने पहली ही गेंद से बांग्लादेश के बल्लेबाजों को दबाव में बनाए रखा।

आगा ने कहा, शाहीन एक खास खिलाड़ी हैं। वह वही करते हैं जो टीम को उनसे चाहिए। उनके लिए बहुत खुश हूं। हम 15 रन पीछे रह गए। जिस तरह से हमने शुरुआत में गेंदबाजी की उससे हमने दबाव बनाया। हमने नई गेंद से अच्छी गेंदबाजी की। अगर आप इस तरह गेंदबाजी करते हैं तो अक्सर आप मैच जीत जाते हैं। हमारी फील्डिंग अच्छी रही है। शेन हम पर कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हम अतिरिक्त सत्र भी ले रहे हैं। माइक हेसन ने कहा था कि अगर आप फील्डिंग नहीं कर सकते तो आप टीम में नहीं होंगे।

टूर्नामेंट में आठ छक्के लगाते ही बड़ा रिकॉर्ड बना देंगे अभिषेक, हिटमैन-युवराज को पहले ही पछाड़ चुके

टीम इंडिया के युवा विस्फोटक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा इस समय शानदार फॉर्म में हैं और एशिया कप 2025 में उनका बल्ला रुकने का नाम नहीं ले रहा। अब वे एक और ऐतिहासिक रिकॉर्ड से महज आठ छक्के दूर हैं। उनके पास बहुराष्ट्रीय टी20 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज (पूर्ण सदस्य राष्ट्रों में) बनने का मौका है। अभिषेक शर्मा के पास अब न सिर्फ खुद को एक बेहतरीन पावर-हिटर के रूप में स्थापित करने का मौका है, बल्कि एक ऐसा रिकॉर्ड अपने नाम करने का भी मौका है जिसे तोड़ना किसी के लिए आसान नहीं होगा। आने वाले मुकाबलों में सभी की निगाहें अब उनके बल्ले से निकलते छक्कों पर होंगी।

एशिया कप में लगा चुके 17 छक्के

अभी तक अभिषेक ने एशिया कप 2025 में 17 छक्के लगा दिए हैं, जो किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा एक बहुराष्ट्रीय टी20 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में सर्वाधिक हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड रोहित शर्मा के नाम था। उन्होंने 2024 टी20 विश्व कप में 15 छक्के लगाए थे। वहीं, अभिषेक के गुरु युवराज सिंह ने 2007 टी20 विश्व कप में 12 छक्के लगाए थे। अभिषेक इन दोनों दिग्गजों को पीछे छोड़ चुके हैं।

अब इतिहास रचने से चंद कदम दूर

अभिषेक का अगला लक्ष्य है सिकंदर रजा का रिकॉर्ड तोड़ना, जिन्होंने टी20 विश्व कप क्वालिफायर 2023/24 टूर्नामेंट में जिम्बाब्वे के लिए खेलते हुए 24 छक्के लगाए थे। यानी अभिषेक को एशिया कप 2025 टूर्नामेंट में सिर्फ आठ और छक्के लगाने हैं, और वह आईसीसी के 12 फुल मेंबर नेशंस के खिलाड़ियों में यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय बन जाएंगे।

किसी एक बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा छक्के (फुल मेंबर नेशंस)

सिकंदर रजा – 24 छक्के (T20 WC क्वालिफायर 2023/24)

एरॉन फिंच – 19 छक्के (T20 ट्राय सीरीज- ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, जिम्बाब्वे, 2018)

सिकंदर रजा – 18 छक्के (T20 WC सब रीजनल अफ्रीका क्वालिफायर, 2024/25)

मार्टिन गुप्टिल – 17 छक्के (T20 ट्राय सीरीज – ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड – 2017/18)

निकोलस पूरन – 17 छक्के (T20 वर्ल्ड कप 2024)

अभिषेक शर्मा – 17 छक्के (एशिया कप 2025)

टीम इंडिया के लिए उम्मीद की किरण

अभिषेक शर्मा का इस तरह का प्रदर्शन न सिर्फ टीम इंडिया को ट्रॉफी के करीब ला रहा है, बल्कि ये संकेत भी दे रहा है कि भारत को एक नया 'पावर-हिटर' मिल चुका है, जो दबाव में भी बड़े शॉट लगाने में माहिर है। अगर वे इसी लय में खेलते रहे, तो श्रीलंका के खिलाफ अगला मैच ही उन्हें इतिहास के पन्नों में शामिल कर सकता है। इसके बाद भारत को 28 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल खेलना है।

भारतीय अंडर-17 फुटबॉल टीम का शानदार प्रदर्शन जारी, नेपाल को हराकर फाइनल में

भारतीय अंडर-17 पुरुष फुटबॉल टीम ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए नेपाल को 3-0 से हराकर सैफ अंडर-17 चैंपियनशिप के फाइनल में अपनी जगह पक्की की। गत चैंपियन भारत ने मैच के दूसरे हाफ में दबदबा बनाते हुए तीनों गोल किए। भारत के सामने फाइनल में अब बांग्लादेश की चुनौती होगी।

बांग्लादेश ने दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान को 2-0 से हराया। वांगखेइरकपम गुनलेइबा (61वें मिनट), अजलान शाह केएच (80वें मिनट) और डायमंड सिंह थोकचोम (90+4वें मिनट) ने गोल कर भारत को टूर्नामेंट में लगातार चौथी जीत दिलाई।

विश्व पैरा एथलेटिक्स की शुरुआत 104 देशों के 2200 एथलीट ले रहे हिस्सा

विश्व पैरा एथलेटिक्स के उद्घाटन समारोह जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम भारतीय संस्कृति की खूबसूरत छटा दिखाई दी। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। एथलेटिक्स परेड भी निकली। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भारत में पहली बार हो रही विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के उद्घाटन की घोषणा की। इस वैश्विक प्रतियोगिता में 27 सितंबर से 104 देशों के 2200 से ज्यादा एथलीट हिस्सा लेंगे।

भारत चौथा एशियाई देश है जो इस प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहा है। इससे पहले कतर (2015), यूएई (2019) और जापान (2024) में इसका आयोजन हो चुका है। उद्घाटन से पहले एथलीटों की परेड और 45 मिनट का सांस्कृतिक प्रदर्शन हुआ। ध्वजवाहक धरमबीर नैन और प्रीति पाल के नेतृत्व में लगभग 10 भारतीयों ने उपस्थित जनसमूह की करतल ध्वनि के बीच संक्षिप्त परेड में भाग लिया। दिल्ली स्थित नृत्य समूह वी आर वन, जो श्रवण-बाधित कलाकारों से बना है, ने प्रसिद्ध जय हो की प्रस्तुति दी, जिनमें से कई व्हीलचेयर पर थे। सांस्कृतिक कार्यक्रम में भांगड़ा नृत्य और मृदंग के साथ मणिपुरी पुंग चोलोम का प्रदर्शन भी किया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संदेश भेजा जिसे खेल सचिव हरिरंजन राव ने पढ़ा। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा, भारत को पहली बार विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी करने पर गर्व है। ऐसे समय में जब हमारे देश को एक खेल और समावेशी राष्ट्र के रूप में पहचाना जा रहा है, इतने बड़े टूर्नामेंट का आयोजन करना एक बहुत बड़ा सम्मान है। पैरा एथलीटों के उल्लेखनीय प्रदर्शन ने लचीलेपन और दृढ़ संकल्प के अर्थ को फिर से परिभाषित किया है, जिससे दुनिया भर के खिलाड़ियों और आम लोगों दोनों को प्रेरणा मिली है।

उनकी उपलब्धियों ने एक सामूहिक विश्वास जगाया है कि कोई भी चुनौती अजेय नहीं है। बाधाओं को तोड़कर और नए मानक स्थापित करके, पैरा एथलीटों ने एक उभरते खेल केंद्र के रूप में भारत की पहचान को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, लाखों लोगों को खेल को जीवन के तरीके के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया है।

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा, हमारा 74 एथलीटों का दल भाग ले रहा है जो बात का प्रमाण है कि देश में पैरा-स्पोर्ट्स ने कितनी गहरी जड़ें जमा ली हैं। सुमित अंतिल, प्रीति पाल, दीप्ति जीवनजी, धरमबीर नैन और प्रवीण कुमार जैसे चैंपियन घरेलू मैदान पर प्रतिस्पर्धा करेंगे।

समारोह में खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, सासंद एवं अभिनेत्री कंगना रानौत के अलावा भारतीय पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया और विश्व पैरा एथलेटिक्स समिति के प्रमुख पॉल फिट्जगेराल्ड भी उपस्थित थे। पुरुषों के लिए 104 और महिलाओं के लिए 84 स्पर्धाएं होंगी, एक मिश्रित वर्ग की स्पर्धा भी होगी। एथलीट पहली बार यहां बिछे नए मोंडो ट्रैक पर हिस्सा लेंगे।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को चटाई धूल, तीसरे वनडे में 167 रन से हराया; 3-0 की अजेय बढ़त हासिल की

ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर भारत की अंडर-19 टीम धूम मचा रही है। ब्रिस्बेन में शुक्रवार को खेले गए तीसरे वनडे में भारत ने ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम को 167 रन के भारी अंतर से हरा दिया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने पांच मैचों की यूथ वनडे सीरीज में ऑस्ट्रेलिया पर 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है।

भारत ने पहला यूथ वनडे सात विकेट से और दूसरा वनडे 51 रन से अपने नाम किया था। तीनों मुकाबले ब्रिस्बेन में ही खेले गए। सीरीज का चौथा मुकाबला 30 सितंबर को ब्रिस्बेन में ही और पांचवां मुकाबला मैकॉय में सात अक्तूबर को खेला जाएगा।

भारत की पारी

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में नौ विकेट पर 280 रन बनाए। वैभव सूर्यवंशी ने 16 रन और कप्तान आयुष म्हात्रे चार रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद विहान मल्होत्रा ने 40 रन और वेदांत त्रिवेदी ने 86 रन की पारी खेली। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 69 रन की साझेदारी हुई। विहान ने अपनी पारी में छह चौके लगाए। इसके बाद वेदांत ने राहुल कुमार के साथ चौथे विकेट के लिए 99 रन की साझेदारी निभाई। वेदांत ने अपनी पारी में आठ चौके लगाए। वहीं, राहुल ने भी अर्धशतक जमाया और छह चौके की मदद से 62 रन बनाकर आउट हुए। हरवंश पंगालिया ने 23 रन की पारी खेली। खिलन पटेल 20 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से विल बायरोम और केसी बार्टन ने तीन-तीन विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया की पारी

290 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम 113 रन पर सिमट गई। सिर्फ एलेक्स टर्नर, कप्तान विल मालाजुक और टॉम होगन दहाई का आंकड़ा पार कर सके।

टर्नर 32 रन, विल 15 रन और होगन 28 रन बनाकर आउट हुए। भारत की ओर से खिलन पटेल ने चार और उधव मोहन ने तीन विकेट लिए। इसके अलाना कनिष्क चौहान को दो विकेट मिले।

'उठो अनारकली...' सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने ट्रंप के नए टैरिफ पर बीजेपी को घेरा, फार्मा उद्योग पर असर

मुंबई, 26 सितंबर (एजेंसियां)। शिवसेना उद्धव गुट की नेता और राज्य सभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने अमेरिका के नए टैरिफ फैसले को लेकर बीजेपी और केंद्र सरकार पर तीखा व्यंग्य किया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा, "उठो अनारकली, एक और ट्रंप टैरिफ आ गया है।" प्रियंका चतुर्वेदी ने पोस्ट के जरिए न सिर्फ ट्रंप के टैरिफ पर ध्यान आकर्षित किया, बल्कि बीजेपी पर भी हमला किया।

उनके व्यंग्यपूर्ण अंदाज ने यह संदेश दिया कि केंद्र सरकार को अमेरिका जैसी वैश्विक चुनौतियों के लिए तैयार रहना चाहिए। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने उनकी राय को समर्थन दिया, जबकि कुछ ने जेनेरिक दवाओं और भारतीय निर्यात पर संभावित असर को लेकर चिंता जताई। प्रियंका का यह संदेश न सिर्फ ट्रंप की लगातार जारी व्यापार नीतियों की ओर इशारा था, बल्कि उन्होंने इसे केंद्र सरकार की विदेश नीति और व्यापारिक तैयारियों पर सवाल उठाने के तौर पर भी पेश किया। उनके पोस्ट ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 1 अक्टूबर 2025 से ब्रांडेड और पेटेंटेड फार्मास्यूटिकल उत्पादों पर 100% टैरिफ लगाने की घोषणा की है। ट्रंप ने कहा कि यदि कोई कंपनी अमेरिका में अपना मैन्युफैक्चरिंग प्लांट बना रही है यानी "ब्रेकिंग ग्राउंड" या "अंडर कंस्ट्रक्शन" कर रही है, तो उस पर टैरिफ नहीं लगेगा। इसका उद्देश्य अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देना और बजट घाटे को कम करना बताया गया है।

भारतीय फार्मा उद्योग पर असर

भारत अमेरिका को लगभग 30-35% फार्मा निर्यात करता है, जिसकी कुल वैल्यू करीब 30 अरब डॉलर है। इस टैरिफ से बड़ी कंपनियों जैसे सन फार्मा, सिप्ला, डॉ। रेड्डीज, ल्यूपिन और बायोकॉन को सीधा असर पड़ सकता है। हालांकि टैरिफ मुख्य रूप से ब्रांडेड और पेटेंटेड दवाओं पर लागू है, लेकिन भारत की कई कंपनियां अमेरिका में ब्रांडेड फॉर्मुलेशन और कॉम्प्लेक्स जेनेरिक्स भी निर्यात करती हैं।

भारतीय शेयर मार्केट भी गिरा

टैरिफ की घोषणा के बाद भारतीय फार्मा शेयरों में गिरावट देखने को मिली। कुछ कंपनियों के शेयर 4% तक नीचे गए, जिनमें सन फार्मा और सिप्ला सबसे ज्यादा प्रभावित हुई। वैश्विक स्तर पर जॉनसन एंड जॉनसन, एली लिली और मर्क जैसे स्टॉक्स में भी उतार-चढ़ाव हुआ। ट्रंप का "अमेरिका फर्स्ट" एजेंडा वैश्विक कंपनियों को अमेरिकी मिट्टी पर निवेश करने के लिए मजबूर कर रहा है। भारतीय फार्मा इंडस्ट्री के लिए यह समय रणनीतिक बदलाव का है। यदि भारत समय रहते कदम नहीं उठाता, तो निर्यात बाजार सिकुड़ सकता है। प्रियंका चतुर्वेदी जैसे सांसद इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाकर सरकार और जनता का ध्यान वैश्विक व्यापार की चुनौतियों की ओर खींच रहे हैं।

एसईसी पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाया 2 लाख का हर्जाना

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) की उस चुनौती को खारिज कर दिया, जो उसने हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर की थी। हाई कोर्ट ने आयोग के उस स्पष्टीकरण वाले सर्कुलर पर रोक लगाई थी, जिसमें कहा गया था कि जिन उम्मीदवारों के नाम कई मतदाता सूचियों में दर्ज हैं, वे पंचायत चुनाव लड़ सकते हैं।

जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने यह आदेश पारित किया और एसईसी पर 2 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। जस्टिस नाथ ने आयोग के वकील से सवाल किया कि आप कैसे वैधानिक प्रावधान के विपरीत निर्णय ले सकते हैं? हाई कोर्ट में दाखिल याचिका में बताया गया था कि कई मामलों में ऐसे लोगों को चुनाव लड़ने की अनुमति दी जा रही थी, जिनके नाम एक से अधिक मतदाता सूचियों में शामिल थे।

एसईसी के स्पष्टीकरण में कहा गया था कि किसी उम्मीदवार का नाम एक से अधिक ग्राम पंचायत/क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्र/नगर निकाय की मतदाता सूची में दर्ज होने के आधार पर उसका नामांकन पत्र निरस्त नहीं किया जाएगा। हाई कोर्ट ने उपलब्ध सामग्री का अध्ययन करने के बाद यह पाया कि यह स्पष्टीकरण उत्तराखंड पंचायती राज अधिनियम, 2016 का उल्लंघन प्रतीत होता है। अदालत ने कहा कि यह अधिनियम की धारा 9(6) और 9(7) के विपरीत है।

हाई कोर्ट का कहना था कि जब क़ानून स्पष्ट रूप से यह रोक लगाता है कि किसी मतदाता का नाम एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों या मतदाता सूचियों में दर्ज नहीं हो सकता और यह वैधानिक प्रतिबंध है, तो राज्य चुनाव आयोग द्वारा दिया गया स्पष्टीकरण इस प्रतिबंध के बिल्कुल विपरीत प्रतीत होता है। इसलिए हाई कोर्ट ने उस परिपत्र पर रोक लगाई और निर्देश दिया कि उस पर कोई कार्यवाही नहीं की जाएगी। इसी आदेश के खिलाफ एसईसी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया।

मंदिरों से जूलरी की चोरी कर गुजरात में अर्धनारीश्वर बन जाता था चोर, फिर 'भगवान' बनकर देता था दर्शन

धार, 26 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की धार पुलिस ने एक बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने एक चोर को गिरफ्तार किया है। वह प्रदेश के अलग-अलग मंदिरों में चोरी करता था। इसके बाद गुजरात जाकर अर्धनारीश्वर का रूप धारण कर लेता था। फिर मंदिर के सामने बैठकर खुद को भगवान बताता था। इस नाम पर वह लोगों की भावनाओं से खेलता था। दरअसल, मालवा क्षेत्र के मंदिरों में लगातार चोरी हो रही थी।

पीथमपुर पुलिस ने इन चोरी के मामलों में खुलासा करते हुए खेमराज चौहान को गिरफ्तार किया है। तीन महीने के अंदर उसने धार और इंदौर जिले के कुल आठ मंदिरों में चोरी की थी। इन जगहों से जूलरी और सामानों की चोरी करता था। वहीं, इन मंदिरों में चोरी के बाद खेमराज चौहान गुजरात चला जाता था। गुजरात स्थित मेडली माता और पावागढ़ माताजी मंदिर में वह अर्धनारीश्वर का रूप धारण कर लेता था। मंदिरों से चोरी की गई जूलरी को धारण कर धार्मिक आस्था का प्रतीक बताकर वहां दर्शन कराता था। इस दौरान वहां के लोग इसकी वास्तविकता से वाकिफ नहीं होते थे। चोर खेमराज चौहान के पास पुलिस ने भारी मात्रा में सामाग्री बरामद किए हैं। इसमें 2.300 किलो चांदी, 23 किलो पीतल, एक देसी कट्टा और तीन कारतूस बरामद किए हैं। इन सामाग्रियों की कीमत लाखों में है। उसके पास से एक स्विफ्ट डिजायर कार भी मिली है, जिसका इस्तेमाल वह चोरी के लिए करता था। धार एसपी मयंक अवस्थी ने बताया कि 15 सितंबर को पीथमपुर इंडोरामा सेक्टर-1 स्थित उद्योगपति बालाजी मंदिर में चोरी हुई थी।

डबरा में निजी बैंक शाखा में चार करोड़ का गोल्ड घोटाला, लॉकर में बदल गया सोना

ग्वालियर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। ग्वालियर के डबरा में एक निजी बैंक मणप्पुरम फाइनेंस लिमिटेड की शाखा में करीब 04 करोड़ 5 लाख रुपये का बड़ा गोल्ड घोटाला सामने आया।

कंपनी की आंतरिक ऑडिट में गोल्ड घोटाले का खुलासा हुआ है। पुलिस ने बताया कि 26 ग्राहकों का करीब 04 किलो 380 ग्राम असली सोना को नकली सोने से बदल दिया गया। मामला तब सामने आया जब एक ग्राहक अपना जेवर लेने पहुंचा और उसका पैकेट नकली निकला, इसके बाद 08 लॉकरों की जांच की गई, जिसमें 26 पैकेट नकली पाए गए। घोटाले की जानकारी मिलते ही कंपनी के एरिया मैनेजर और विजिलेंस अधिकारी मौके पर पहुंचे और वरिष्ठ प्रबंधन को सूचना दी। वहीं, बैंक धारकों ने सीटी थाना पुलिस से शिकायत कर मामले की जांच करने को कहा। पुलिस कि प्रारंभिक जांच में शाखा प्रबंधक चंद्रभान कुशवाह और असिस्टेंट मैनेजर विकास शर्मा पर संदेह जताया जा रहा है, क्योंकि लॉकर की चाबियां इन्हीं दोनों के पास रहती थीं। प्रबंधन ने दोनों लोगों को पुलिस के हवाले कर दिया है।

सिटी थाना प्रभारी यशवंत गोयल ने बताया कि कंपनी अधिकारियों ने शिकायत दर्ज कराई है और मामला गंभीर है और अभी जांच के दायरे में है। स्पष्ट कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। सूचना मिलते ही कंपनी के बाहर ग्राहकों की भारी भीड़ जुट गई और खाता धारक लोग घबराए हुए हैं।

पति के ड्यूटी पर जाते ही आ जाता था प्रेमी, एक दिन हुआ विवाद

फिर सुलह कराने गए बुजुर्ग को ही मार दिया

ग्वालियर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। ग्वालियर में प्रेमी और प्रेमिका के बीच चल रहे विवाद को शांत कराने पहुंचे बुजुर्ग की प्रेमी ने गला दबा कर हत्या कर दी। घटना माधोगंज थाना क्षेत्र की गुड़ा पहाड़ी की है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक बुजुर्ग के शव को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। इसके साथ ही आरोपी पर हत्या का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। ग्वालियर शहर के माधोगंज थाना क्षेत्र के गुड़ा पहाड़ी पर सुरक्षा गार्ड की नौकरी करने वाला व्यक्ति अपनी पत्नी के साथ रहता है। पति जब गार्ड की नौकरी के लिए के लिए चला जाता तो पत्नी अपने प्रेमी दिलीप को घर बुला लेती थी। यह सिलसिला कई दिनों से चल रहा था। घटना वाले दिन भी ऐसा ही हुआ। पति नौकरी पर चला गया तो पत्नी ने अपने प्रेमी को घर बुला लिया, लेकिन कुछ देर बाद दोनों प्रेमी-प्रेमिका में विवाद शुरू हो गया।

विवाद सुनकर पास में ही रह रहे बुजुर्ग संतोष कुशवाहा मौके पर पहुंचे और दोनों को समझाने लगे। बुजुर्ग ने विवाद शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन तभी आक्रोशित प्रेमी ने बुजुर्ग संतोष कुशवाहा का गला पकड़ लिया और उसके के बाद गला दबा कर उनकी हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी दिलीप जाटव मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर माधोगंज थाना पुलिस पहुंची और मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी।

लद्दाख में हिंसक प्रदर्शन, एलजी कविंदर गुप्ता बोले- 'बाहरी लोग रच रहे थे साजिश'

जम्मू, 26 सितंबर (एजेंसियां)। लद्दाख में हाल ही में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों ने पूरे क्षेत्र को हिला कर रख दिया। इस घटना को लेकर लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि लद्दाख जैसे शांतिपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण क्षेत्र में ऐसी स्थिति बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उनका कहना है कि इस पूरे घटनाक्रम के पीछे एक बड़ी साजिश की बू आती है और इसमें कई बाहरी लोगों की भूमिका संदिग्ध है। एलजी गुप्ता ने बताया कि विरोध प्रदर्शन के दौरान हालात अचानक बिगड़े और भीड़ ने हिंसक रूप ले लिया। स्थिति इस हद तक पहुंच गई कि कुछ लोगों ने सुरक्षा बलों के वाहनों को जलाने का प्रयास किया। उन्होंने इसे गंभीर अपराध बताते हुए कहा कि लद्दाख की शांति और सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रशासन मामले की गहन जांच कर रहा है।

सुरक्षा एजेंसियां इस बात की पड़ताल में जुटी हैं कि किन संगठनों या व्यक्तियों ने इस प्रदर्शन को भड़काया और इसके पीछे किन बाहरी ताकतों का हाथ है। एलजी ने साफ कहा कि दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। कविंदर गुप्ता ने लोगों से अपील की कि वे शांति बनाए रखें और अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि लद्दाख हमेशा से अपनी शांति, संस्कृति और भाईचारे के लिए जाना जाता है। ऐसे में हिंसा और अराजकता फैलाने वाले तत्व क्षेत्र की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

उन्होंने स्थानीय नेताओं और सामाजिक संगठनों से भी अपील की कि वे लोगों को गुमराह होने से बचाएं और शांति बहाली में प्रशासन का सहयोग करें। एलजी ने बताया कि हिंसक घटनाओं में अब तक करीब 90 लोग घायल हुए हैं। इनमें से 19 अभी भी उपचाराधीन हैं। उन्होंने कहा कि कई लोगों को मामूली चोटें आई हैं जबकि कुछ को गंभीर चोटों के कारण भर्ती रखा गया है। गुप्ता ने भरोसा जताया कि सभी घायलों की स्थिति जल्द ही सामान्य हो जाएगी और उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। लद्दाख में धारा 163 लागू कर दी गई है और एहतियातन स्कूल-कॉलेजों को भी बंद रखने का निर्देश दिया गया है। एलजी ने कहा कि यह कदम लोगों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी थे।

तीन दिन में फर्जी ट्रेडिंग एप की मदद से जालसाजों ने की तीन करोड़ की ठगी, चार गिरफ्तार

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। कंबोडिया से संचालित जालसाजों के गिरोह में शामिल साइबर ठगों ने तीन दिन में फर्जी ट्रेडिंग एप की मदद से तीन करोड़ की ठगी को अंजाम दिया है। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के साइबर थाना पुलिस ने गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों माणिक अग्रवाल, शनमिया खान, मोहम्मद आमिर उर्फ रॉकी और अब्दुल्ला उर्फ लूसिफर के पास से चार हाई-टेक मोबाइल बरामद किए हैं। जिसमें आपत्तिजनक चैट, धोखाधड़ी वाले लेन-देन का विवरण मिला है। पुलिस ने आरोपियों के खातों में तीन दिन में तीन करोड़ का लेन-देन बरामद किया है। फिलहाल पुलिस ने चारों आरोपियों को जेल भेज दिया है। पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया, 'पीड़ित टी सिंह ने पुलिस को अपने साथ ठगी की शिकायत पुलिस को दी। पुलिस को दी गई शिकायत में उन्होंने बताया कि 10 जून को अनाया कपूर नाम की एक युवती ने उन्हें एक व्हाट्सएप ग्रुप "101 शून्य वेल्थ सर्कल" जोड़ा था। ग्रुप के मुख्य निवेश अधिकारी होने का दावा करने वाले एक शख्स सरवजीत सिंह विर्क ने पीड़ित के नाम पर 34 लाख के आईपीओ आवंटन करने का वादा किया।

मेरी आजादी पर पाबंदी हुर्रियत नेता मीरवाइज उमर फारूक ने नजरबंदी के लगाए आरोप

जम्मू, 26 सितंबर (एजेंसियां)। कश्मीर के हुर्रियत नेता मीरवाइज उमर फारूक ने आरोप लगाया है कि शुक्रवार को उन्हें श्रीनगर की ऐतिहासिक जामा मस्जिद जाने की इजाजत नहीं दी गई है और नजरबंद रखा गया है। इस संबंध में उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) पर एक पोस्ट शेयर कर आरोप लगाए हैं। साथ ही साथ एक तस्वीर भी शेयर की है, जिसमें उनके घर के बाहर पुलिस की एक गाड़ी और कुछ सुरक्षाकर्मी दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा, 'पुलिस ने अभी-अभी बताया कि आज फिर लगातार तीसरे शुक्रवार को मुझे नजरबंद कर दिया गया है और मुझे जामा मस्जिद जाने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

अगर कानून हमें नियंत्रित करता है, तो कौन सा कानून बुनियादी अधिकारों पर इस तरह के हमले की इजाजत देता है और इबादत को अपराध बना देता है?' उन्होंने कहा, 'हफ्ते दर हफ्ते, शुक्रवार को या किसी भी दिन अपनी मर्जी से अधिकारी मुझे मेरे घर में बंद कर देते हैं, मेरी आजादी पर पाबंदी लगाते हैं और मुझे मेरे धार्मिक कर्तव्यों को पूरा करने से रोकते हैं, इस तानाशाही व्यवहार के लिए कोई जवाबदेही नहीं रखते। वे सभी जिनका कर्तव्य अधिकारियों को जवाबदेह ठहराना है, या तो हिम्मत नहीं जुटा पाते या उनसे सवाल करने की जहमत नहीं उठाते। इन बार-बार की पाबंदियों और मानवाधिकारों व जनभावनाओं के प्रति अधिकारियों की अवमानना की कड़ी निंदा करता हूं।'

प्रतिबंध और पाबंदियां हास्यास्पद- मीरवाइज

बीते दिन भी मीरवाइज उमर फारूक ने नजरबंद होने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि मुझे फिर से सख्त नजरबंद कर दिया गया है और मेरे घर की ओर जाने वाली गलियों में कंटीले तारों की बैरिकेडिंग कर दी गई है। मुत्तहिदा मजलिस-ए-उलेमा (एमएमयू) की एक बैठक मेरे आवास पर होनी थी, जिसमें प्रमुख धार्मिक संगठनों के प्रमुख भाग लेने वाले थे। इस बैठक में वक्फ मामले में सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम फैसले के बाद उत्पन्न चिंताओं और घाटी में सड़े हुए मांस और उससे जुड़े उत्पादों की आपूर्ति व खपत सहित अन्य सामाजिक और धार्मिक मुद्दों पर चर्चा होनी थी। हालांकि प्रतिबंध और पाबंदियां हास्यास्पद हैं, जो बार-बार इनका सहारा लेने वालों की कमजोरियों और असुरक्षाओं को उजागर करती हैं, फिर भी ऐसा लगता है कि अधिकारियों को इससे कोई परहेज नहीं है।

अचानक आया फोन, होने लगी मीठी-मीठी बातें, बोली आओ तुम्हें बनाऊं अमीर

फिर खून के आंसू रोया इंजीनियर, कर दिया 'कंगाल'

बेंगलुरु, 26 सितंबर (एजेंसियां)। बेंगलुरु में साइबर फ्रॉड करने वाले दिन-ब-दिन नए तरीके अपनाकर लोगों को ठगने लगे हैं। हाल ही में होरामावु के 46 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर जयराज इस ठगी का शिकार हो गए और उन्होंने इस फ्रॉड में 44 लाख रुपये गंवा दिए। यह मामला दिखाता है कि ठग किस तरह आम लोगों को भरोसा दिलाकर बड़ा नुकसान पहुंचा सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 11 जुलाई को जयराज को टेलीग्राम पर एक संदेश मिला, जिसमें कहा गया था कि किसी व्यक्ति की अस्पताल में हालत गंभीर है और उन्हें तुरंत वहां जाना चाहिए। जयराज ने जवाब दिया कि वह सही व्यक्ति नहीं हैं और संदेश सही व्यक्ति को भेजें। संदेश भेजने वाले ने उनके जवाब के लिए धन्यवाद किया।

इसके बाद रीवा चौहान नामक एक महिला ने उनसे बातचीत शुरू की और धीरे-धीरे दोस्ती कर उनके विश्वास को जीत लिया। रीवा ने दावा किया कि वह स्टॉक मार्केट कंपनी में काम करती है और जयराज को जल्दी मुनाफा कमाने में मदद कर सकती है। 31 जुलाई को उन्होंने जयराज को ओएसएल ट्रेड नामक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म का लिंक भेजा और उसका अकाउंट खोलने में मदद की। शुरू में जयराज ने 50,000 रुपये इन्वेस्ट किए। कुछ दिनों में उन्हें बैंक अकाउंट में 4,950 रुपये का मुनाफा दिखाई दिया, जिससे उनका विश्वास और मजबूत हुआ। इसके बाद, 1 अगस्त से 17 सितंबर के बीच जयराज ने कुल 44.2 लाख रुपये तीन अलग-अलग लेन-देन में ठगों के बताए गए अकाउंट में जमा किए।

इनमें पहला ट्रांजैक्शन 20 लाख रुपये, दूसरा 12 लाख रुपये और तीसरा 12.2 लाख रुपये का था। उनके ट्रेडिंग डैशबोर्ड पर मुनाफा लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा था और कुल 24 लाख रुपये दिख रहे थे। लेकिन जब जयराज ने पैसे निकालने की कोशिश की, तो सिस्टम ने ट्रांजैक्शन को ब्लॉक कर दिया और उन्हें और इंवेस्टमेंट करने के लिए कहा। जब जयराज ने बताया कि उनके पास और पैसे नहीं हैं, तो ठगों ने संपर्क काट दिया। इसी समय जयराज को अहसास हुआ कि वह ठगी का शिकार हो गए हैं।

कांग्रेस जिलाध्यक्षों को दो दिन ट्रेनिंग देंगे राहुल गांधी

पचमढ़ी में 2 से 12 अक्टूबर तक होगा प्रशिक्षण, खरगे भी आएंगे; जानिए क्या सीखेंगे 71 अध्यक्ष

भोपाल, 26 सितंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में कांग्रेस के सभी 71 जिला अध्यक्षों को 10 दिनों तक ट्रेनिंग दी जाएगा। 2 से 12 अक्टूबर तक सभी जिला अध्यक्षों को हिल स्टेशन पचमढ़ी में आवासीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। खास बात यह है कि दस दिन के इस ट्रेनिंग कैम्प में दो दिन राहुल गांधी मौजूद रहेंगे। इस प्रशिक्षण शिविर में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी शामिल होंगे। संभावित कार्यक्रम के मुताबिक, खरगे इस शिविर के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस प्रशिक्षण शिविर में जयराम रमेश, पवन खेड़ा, सुप्रिया श्रीनेत, कांग्रेस ट्रेनिंग डिपार्टमेंट के नेशनल हेड सचिन राव, मप्र के प्रभारी हरीश चौधरी, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार भी शामिल होंगे। सूत्रों की मानें तो राहुल गांधी ट्रेनिंग के दौरान जिला अध्यक्षों को न केवल संबोधित करेंगे, बल्कि, जिला अध्यक्षों से वन टू वन बातचीत भी करेंगे। जिला अध्यक्षों से उनके जिले की सामाजिक, राजनीतिक परिस्थितियों, चुनौतियों और भविष्य की रणनीति पर चर्चा कर सकते हैं।

जिले में कैडर मैनेजमेंट से लेकर 4 चुनावों तक के लिए तैयार होंगे

पचमढ़ी में होने वाली ट्रेनिंग में कांग्रेस के जिला अध्यक्षों को अपने जिले में ब्लॉक, मंडलम, सेक्टर, वार्ड, ग्राम पंचायत और बूथ लेवल तक संगठन बनाने के बारे में बताया जाएगा। आगामी समय में होने वाले नगरीय निकाय, पंचायत चुनाव और 2028 के विधानसभा और 2029 के लोकसभा चुनाव को लेकर कैसे रणनीति बनाना है, इसका पूरा रोडमैप बताया जाएगा। प्रशिक्षण शिविर में दस दिन की ट्रेनिंग में जिला अध्यक्षों के सुबह उठने से लेकर रात तक सोने का मिनट टू मिनट का प्रोग्राम तय किया गया है। प्रतिदिन सुबह 7 बजे शुरू होकर शाम 7-8 बजे तक चलेगा। इसमें सुबह की सैर, योग और ध्यान जैसी गतिविधियां कराई जाएंगी। जिले में कार्यकारिणी से लेकर, ब्लॉक, मंडलम, सेक्टर, वार्ड, ग्राम पंचायत और बूथ स्तर पर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का चयन कैसे करना है। पार्टी के दिग्गज नेता बताएंगे।

पचमढ़ी को क्यों चुना?

शहरों की भागदौड़ से दूर एकांत में सतपुड़ा की वादियों के शांत माहौल में दस दिनों तक जिला अध्यक्षों और बाहर से आने वाले विषय विशेषज्ञों और दिग्गजों के रुकने के लिए फाइव स्टार रेटिंग वाले होटल मौजूद हैं। बडे. नेताओं के आने के लिए भोपाल नजदीकी एयरपोर्ट है। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे जैसे नेता हेलिकॉप्टर के जरिए सीधे पहुंच सकेंगे। वहीं जिला अध्यक्षों और प्रदेश के नेताओं को पचमढ़ी तक पहुंचने के लिए ट्रेन और आसान सड़क रूट है। ऐसे में नेताओं को पहुंचने और रुकने में आसानी होगी।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर बनेगा मंकी लैंडर, बंदर भी आराम से पार कर सकेंगे सड़क

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसों से बचाव के लिए अनोखी पहल की जाने वाली है। एक्सप्रेसवे पर मंकी लैंडर बनाया जाना वाला है। ये मंकी लैंडर नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचआई) बनाएगा। इसे विशेष तौर पर बंदरों के लिए बनाया जाएगा, ताकि सड़क पार करते समय बंदर हादसों का शिकार न हो और एक्सप्रेसवे पर किसी भी बड़े हादसे को टाला जा सके। ये उत्तर प्रदेश का पहला मंकी लैडर होगा। जो इस एक्सप्रेसवे पर तैयार किया जाएगा। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर एशिया का सबसे लंबा वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर बना है, जिसके ऊपर वाहन फर्राटे भर सकेंगे। वहीं वन्यजीव आराम से घूम सकेंगे। एक्सप्रेसवे का एक बड़ा हिस्सा सहारनपुर की शिवालिक पहाड़ियों और राजाजी नेशनल पार्क से होकर जाता है। इस पूरे इलाके में बंदर बड़ी तादाद में हैं। रोजाना यहां बंदर सड़क पर आते जाते हैं। सड़क पर बंदरों के आ जाने वाहन अपनी स्फ्तार धीमी कर लेते हैं, लेकिन इसके बाद भी अक्सर हादसे की आशंका बनी रहती है। इसी समस्या से निपटने के लिए लेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर पर मंकी लैडर बनाने जा रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि यह लैंडर पेड़ों से जुड़ा होगा, जिससे बंदर आसानी से एक ओर से दूसरी ओर जा सकेंगे। उनको सड़क पर उतरने की जरूरत नहीं होगी। यह इंतजाम पर्यावरण संरक्षण और सड़क सुरक्षा, दोनों को ध्यान में रखकर किया जाने वाला है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह पहल न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि पूरे उत्तर भारत के लिए एक मिसाल हो सकती है। यह पहल सरकार और वन्यजीव संरक्षण विभाग के लिए एक नया मॉडल बन सकती है। लैंडर बनने से बंदर सड़क पर नहीं आ पाएंगे। एनएचएआई का ये कदम मनुष्य और वन्यजीवों के बीच संतुलन स्थापित करने में महत्वपूर्ण होगा।

स्वतंत्र वार्ता
शनिवार, 27 सितंबर- 2025

चीन के गुलामों पर शिकंजा

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और शेर बहादुर देउबा को अब चीन की गुलामी करने का खामियाजा भुगतना पड सकता है।दोनों ही पूर्व पीएम देश छोडकर कही अन्य देश में न चले जाएं इसलिए उनक पासपोर्ट को कैंसिल किए जा सकते हैं। नेपाल में जेन जेड प्रदर्शन के दौरान ओली ने गोली चलवा दी थी जिसमें 75 लोगों के मारे जाने की खबर है। बता दें कि चीन के इशारों पर नाचने वाले नेपाल के पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली और उनकी सरकार में सहयोगी रहे पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा को अपनी करनी पर पछतावा जरूर हो रहा होगा। नेपाल में जेन जेड क्रांति के बाद पीएम बनीं रिटायर जज रह चुकीं सुशीला कार्की की सरकार अब ओली और देउबा के पासपोर्ट कभी भी जब्त कर सकती है। पीएम सुशीला कार्की का भ्रष्टाचार और छात्रों की हत्या के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ यह सख्त कदम बताया जा रहा है। उक्त दोनों नेताओं के साथ ही नेपाल के राजनीतिक दलों के अन्य बड़े नेताओं के पासपोर्ट को भी रद किया जा सकता है। इन नेताओं में वे लोग शामिल होंगे जिन्होंने बहुत बड़े पैमाने पर अवैध संपत्ति और पैसा जमा कर लिया है। नेपाल के अखबार काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार जेन जेड प्रदर्शन के दौरान गुरुवार तक 75 लोगों के मारे जाने की खबर है। इसलिए जेन जेड कार्यकर्ता सुशीला कार्की के पीएम बनने के बाद मांग कर रहे थे कि नेपाली कांग्रेस, ओली और प्रचंड की पार्टियों के नेताओं के पासपोर्ट सस्पेंड किए जाएं। नेपाल सरकार की विभिन्न एजेंसियों के बीच इसको लेकर कई दौर की बातचीत की जा चुकी है। नेपाल के गृहमंत्री ओम प्रकाश आर्यल ने संकेत दिया है कि राजनीतिक दलों के शीर्ष नेताओं के खिलाफ सख्त ऐक्शन लेने से सरकार तनिक भी नहीं हिचकिचाएगी। इसमें पासपोर्ट निलंबित करने से लेकर अरेस्ट तक करने की कोशिश जारी है। आर्यल ने कहा कि कानूनी प्रक्रिया के बाद आगे की जांच की जाएगी। नेपाल के गृहमंत्री के अनुसार देश की जांच एजेंसियों को खोजबीन के लिए पहले ही एक्टिव कर दिया गया है। कानून देखेगा कि ऐसे आरोपियों को किस धारा के अंतर्गत कैसी सजा मिलनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने पहले ही जोर देकर कहा है कि सरकार खराब प्रशासन और भ्रष्टाचार के खिलाफ मजबूती के साथ खड़ी रहेगी। अगर ऐसा नहीं किया गया तो वह दिन दूर नहीं जब जनता इस सरकारी से भी सवाल पूछना शुरू कर देगी। आर्यल के अनुसार एक आयोग का पहले ही गठन किया गया है। यह स्वतंत्र तरीके से तथ्यों को सामने लाएगी। इस रिपोर्ट के आने के बाद आगे की कार्रवाई किए जाने की तैयारी है। नेपाल सरकार जिन नेताओं के पासपोर्ट को कैंसिल करने की सोच रही है, उनमें ओली और शेर बहादुर के अलावा उनकी पत्नी पूर्व मंत्री आरजू राणा देउबा, रमेश लेखक और दीपक खड़का शामिल हैं। इसके अलावा पूर्व पीएम पुष्पकमल दहल प्रचंड भी जांच के चक्रव्यूह में हैं। इससे पहले केपी ओली ने कहा था कि उन्होंने जेन जेड प्रदर्शन को दबाने के लिए इसलिए आदेश दिया ताकि नेपाल की 2015 की तरह से फिर विदेशी नाकेबंदी न हो सके। स्पष्ट है कि उनका इशारा भारत की ओर था। ओली जब पीएम थे तब उन्होंने चीन के साथ अपनी दोस्ती को मजबूत किया था और उसी के इशारे पर चल रहे थे। तब भी ओली की सरकार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे थे। इसके बावजूद वे अपनी सरकार को लोकप्रिय सरकार बताने से नहीं चूकते थे।

जनमानस की जागृति : जाति की जकड़न से आजादी की राह

सुरेश गांधी

जी हां, भारत की वह भूमि जहां राजनीति की हर बिसात पर जाति की गोटियां चलती रही हैं, जहां चुनावी गणित का सबसे प्रबल सूत्र "कौन-सी जाति किस पाले में" रहा है, अब एक नए मोड़ पर खड़ा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने 22 सितंबर 2025 को वह कदम उठा दिया है, जिसे कई लोग असंभव मानते थे। इलाहाबाद हाईकोर्ट के हालिया निर्देश को आधार बनाते हुए प्रदेश सरकार ने जातिगत रैलियों, जाति-आधारित राजनीतिक सभाओं और सार्वजनिक स्थानों पर जाति-प्रदर्शन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया है। यह आदेश सिर्फ प्रशासनिक परिपत्र नहीं, बल्कि एक विचार है, एक ऐसी पहल, जो सदियों पुराने सामाजिक ढांचे को चुनौती देती है। सवाल, मगर, उतना ही गूढ़ है : क्या महज़ सरकारी फरमान से जाति का वह जहर मिटाया जा सकता है, जो हजारों सालों से हमारी नसों में घुला है? बता दें, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकारी अभिलेखों और पत्राचार में अब जाति न लिखने का निर्देश देकर एक स्पष्ट संदेश दिया है, राज्य के नागरिक सबसे पहले नागरिक हैं, उनकी जातीय पहचान नहीं। ऐसे समय में जब यूपी की राजनीति जातीय समीकरणों पर टिकी है, यह निर्णय सामाजिक समरसता की दिशा में साहसिक पहल है। सरकार का इरादा साफ़ है : प्रशासनिक कामकाज में लाभ या अधिकार का आधार व्यक्ति की योग्यता और ज़रूरत हो, न कि उसकी जाति। भर्ती, तबादले, शिकायतों और योजनाओं के लाभ में यह कदम समान नागरिकता की भावना को बल दे सकता है। नई पीढ़ी के लिए यह संकेत है कि शासन की नज़र में सभी समान हैं। दरअसल, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई में कहा था कि पुलिस रिकॉर्ड, एफआईआर या सरकारी दस्तावेज़ों में जाति का उल्लेख न केवल पूर्वाग्रह को जन्म देता है, बल्कि संविधान के समानता सिद्धांत का उल्लंघन भी करता है। कोर्ट ने जातिगत गौरव को "झूठा घमंड" बताते हुए इसे राष्ट्र की एकता के लिए खतरा करार दिया। यही वह चिंगारी थी, जिसने योगी को यह आदेश देने के लिए बाध्य किया. आदेश में कहा

गया है वाहनों व होर्डिंग्स पर जाति-सूचक स्टीकर व नारे हटेंगे। निजी वाहन हो या राजनीतिक झंडाकृकिसी पर भी जातीय पहचान का प्रदर्शन अपराध माना जाएगा। जातिगत रैलियों और राजनीतिक सभाओं पर पूर्ण प्रतिबंध। राजनीतिक दल अब "जाति महापंचायत" या "जातीय शक्ति प्रदर्शन" नहीं कर सकेंगे। सोशल मीडिया पर सख्त निगरानी। जातिगत नफरत फैलाने वाले पोस्ट्स पर आईपीसी की धारा 153ए के तहत कड़ी कार्रवाई होगी। अपवाद केवल एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के लिए। यह आदेश सभी जिलाधिकारियों और पुलिस कप्तानों को भेजा गया है। कार्यवाहक मुख्य सचिव दीपक कुमार ने साफ शब्दों में कहा कि "जाति का सार्वजनिक प्रदर्शन अब अपराध की श्रेणी में है।" देखा जाएं तो पिछले कुछ वर्षों में देशभर में "सनातन" शब्द सिर्फ़ आस्था का पर्याय नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक बनकर उभरा है। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में यह लहर और गहरी दिखती है। राम मंदिर निर्माण से लेकर काशी - विश्वनाथ धाम तक, 2014 से 2024 का दशक भारतीय संस्कृति के आत्मविश्वास को नई ऊर्जा देने वाला रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने सनातन परंपरा को गौरव और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का प्रयास किया है। परंतु राजनीति की खेती केवल आस्था से नहीं उगती। यूपी की हकीकत यह भी है कि जातीय गोलबंदी आज भी सत्ता का सबसे बड़ा गणित तय करती है। मोदी - योगी नेतृत्व ने इसे समझते हुए "सबका साथ, सबका विकास" का नारा दिया और गैर यादव पिछड़े, गैर जाटव दलित, ब्राह्मण, ठाकुर जैसे समूहों को जोड़ने की रणनीति अपनाई। यह वही "सोशल इंजीनियरिंग" है जो जातीय दीवारों को भले न तोड़ पाई हो, लेकिन उन्हें नए सिरे से परिभाषित जरूर कर गई। सनातन का राष्ट्रीय विमर्श जातीय राजनीति के बरक्स खड़ा दिखाई देता है। जब धार्मिक, सांस्कृतिक पहचान को साझा गौरव का आधार बनाया जाता है, तो यह जाति के संकुचित खांचों को कमजोर करने की संभावना रखता है। काशी, अयोध्या और प्रयागराज की भव्यता केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि यह संदेश भी है कि हमारी जड़ें साझा हैं। फिर भी यह मान लेना कि एक दशक में जातीय गोलबंदी पूरी तरह खत्म हो गई है, वास्तविकता से दूर होगा। पंचायत से लेकर विधानसभा तक चुनावी समीकरण जाति के बिना अधूरे हैं। मोदी - योगी की जोड़ी ने जाति से ऊपर उठने का नैरेटिव गढ़ा, लेकिन यह भी सच है कि टिकट बंटवारे से लेकर बूथ प्रबंधन तक जातीय संतुलन को बारीकी से साधा जाता है। अगले चरण की चुनौती यही है, आस्था और विकास के बड़े एजेंडे को इस तरह गढ़ा जाए कि जातीय पहचान राजनीतिक औज़ार न रह जाए, बल्कि केवल सांस्कृतिक विविधता का हिस्सा बनकर रह जाए। सनातन का स्वर तभी वास्तविक राष्ट्रनिर्माण का वाहक बनेगा जब वह सामाजिक समानता और न्याय के संदेश को भी उतनी ही मजबूती से साथ ले चले। इसलिए 2014 से 2024 तक का अनुभव हमें यही बताता है : सनातन का जागरण राष्ट्र को नई दिशा देता है, मगर जातीय गोलबंदी की जड़ों को कमजोर करने के लिए शिक्षा, आर्थिक अवसर और सामाजिक न्याय जैसे दीर्घकालिक उपाय ही निर्णायक होंगे। हालांकि यह पहला अवसर नहीं, जब किसी नेता ने जाति की जड़ों को काटने का सपना देखा हो।

क्या पडोसी देशों में भड़के सार्वजनिक आक्रोश का भूत भारत घुस गया ?

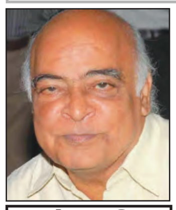
अशोक भाटिया

बुधवार को आशंका जताई जा रही थी कि श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में भड़के सार्वजनिक आक्रोश और हिंसा का भूत सीमा पार कर भारत में घुस गया था और लेह विस्फोट कुछ ही घंटों में उसके पड़ोस में आग की तरह भड़क गया था, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी और 70 लोग घायल हो गए थे। सुरक्षा बलों के बारह वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया और संपत्ति को नुकसान पहुंचा दिया गया और सुरक्षा गार्डों को स्थिति को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। इसके विपरीत, सुरक्षा बलों पर आत्मरक्षा में हमला किया गया , जिसमें चार लोगों के मारे जाने की खबर है। प्रदर्शनकारियों ने भारतीय जनता पार्टी और लेह स्वायत्त हिल काउंसिल के कार्यालयों पर हमला किया, जिससे सुरक्षा बलों के लिए प्रदर्शनकारियों की पहचान करना आसान हो गया।इस तरह की धारणा शुरू में फैलाई गई थी। लेकिन, फिर वह चला गया। बताया जाता है कि प्रदर्शनकारियों की चार मांगें रही हैं। पहली लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाए। दूसरी, लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किया जाए। तीसरी, लद्दाख में लोकसभा सीटें बढ़ाकर दो की जाएं और चौथी लद्दाख की जनजातियों को आदिवासी का दर्जा दिया जाए।

छात्रों ने इन मांगों के समर्थन में रैली भी निकाली । बता दें कि 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 निरस्त करते हुए केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर को दो केंद्रशासित प्रदेशों में बांट दिया था। जम्मू-कश्मीर को एक केंद्र शासित प्रदेश जबकि लेह, लद्दाख और करगिल को मिलाकर एक प्रदेश बनाया गया था। अब उसी लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग उठ रही है। दरअसल लद्दाख 31 अक्टूबर, 2019 को केंद्र शासित प्रदेश बन गया, जब केंद्र सरकार ने जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम के अनुच्छेद 370 और 35 ए को निरस्त कर दिया। बाहर से आक्रमण का भय नहीं था, लेकिन जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाए जाने से जम्मू-कश्मीर के नागरिकों में बहुत बड़ा डर पैदा हो गया है। छठी अनुसूची में शामिल होने से नागरिकों को स्वायत्तता और स्वशासन के वही अधिकार मिलते हैं जो असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम के आदिवासी क्षेत्रों को मिलते हैं यही लद्दाख की मांग है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाना, अलग राज्य का दर्जा देना संवेदनशील और जोखिम भरा है, इसलिए जब हमें विश्वास हो जाएगा कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है, तो हम लद्दाख के लोगों की मांगों पर जरूर विचार करेंगे।केंद्र सरकार लद्दाख के लोगों की मांगों के प्रति सकारात्मक है और आंदोलनकारी संगठनों के साथ बातचीत करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। आंदोलनकारी संगठनों के बीच पहले दौर की वार्ता 27 मई को हुई थी और दूसरा दौर 25 जुलाई को होना था, लेकिन किसी कारण से इसे 25-26 सितंबर और फिर 6 अक्टूबर तक के लिए टाल दिया गया था। अचानक भड़कने की वजह बताना मुश्किल है।

प्रदर्शनकारियों को मांगें कितनी भी जायज क्यों न लगें, लेकिन संवैधानिक प्रावधानों का सवाल ही है। ऐसे मामलों को वैध तरीके से निपटाया जाना चाहिए, न कि अनुचित आक्रामकता से, जो सीमा पार हुआ वह भारत में नहीं हो सकता। अब लेह में हिंसा के बाद सरकार ने और कड़ा कदम उठाया है। सरकार ने क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की एनजीओ का एफसीआरऐ लाइसेंस रद्द कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार, हिंसा और सामूहिक तनाव फैलाने के मामलों की जांच के बाद यह फैसला लिया गया। सरकार ने स्पष्ट किया कि किसी भी संगठन को देश में कानून और व्यवस्था बिगाड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सोनम की एनजीओ के खिलाफ विदेशी योगदान नियमों का उल्लंघन और रिपोर्टिंग में अनियमितताओं का हवाला दिया गया है। इस कदम को सुरक्षा और सामाजिक शांति सुनिश्चित करने की दिशा में अहम माना जा रहा है। इस बीच सोनम वांगचुक का भी बयान आया है। उन्होंने कहा कि मेरा जेल में होना शायद युवाओं को ज्यादा जगाएगा। यह एक तरह से सरकार को धमकी देने वाली बात है। उधर, स्कूलों में दो दनि की छुट्टी कर दी गई है। इस बीच खबर आ रही कि ईडी भी इस मामले की जांच शुरू कर सकती है। वह फेमा के तहत केस रजिस्टर कर सकती है। लेह में हुई हिंसा को लेकर लेफ्टिनेंट गवर्नर कविंदर गुप्ता ने बड़ा बयान देने लायक है मीडिया से बातचीत में उन्होंने साफ कहा कि यह कोई अचानक हुई घटना नहीं थी बल्कि लद्दाख को जलाने की सुनियोजित साजिश थी। एल जी का आरोप है कि इस पूरे मामले में एक राजनीतिक पार्टी शामिल थी और हिंसा फैलाने के लिए बाहरी लोगों को बुलाया गया था। एल जी गुप्ता ने बताया कि हिंसा के दौरान नेपाल के 7 लोग घायल हुए, जिससे यह शक और गहरा हो गया है कि इसमें विदेशी हाथ भी शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पास पूरी जानकारी है कि कौन विदेश जाता है और पैसा कहां से आता है। यही नहीं,एल जी के अनुसार हिंसा के बाद कई लोग लेह से भाग गए हैं और अब पूरे मामले की जांच तेज़ी से चल रही है।एल जीका यह भी दावा है कि इस उपद्रव को अंजाम देने के लिए बाहर से लोगों को बुलाकर माहौल खराब करने की कोशिश की गई। उनका कहना है कि साज़िश करने वालों का हिसाब ज़रूर होगा और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। अब भले ही लेह-लद्दाख में हिंसा के एक दिन बाद हालात बेहद तनावपूर्ण लेकिन शांत दिखाई दे रहे हैं। जिस इलाके में बुधवार को बवाल हुआ था, वहां अब सन्नाटा पसरा है। सड़कें सूनी हैं और न पुलिसकर्मी नजर आ रहे हैं, न ही आम लोग बाहर निकल रहे हैं। स्थानीय प्रशासन ने एहतियात के तौर पर सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के साथ कॉलेज व आंगनवाड़ी केंद्रों को दो दिन के लिए बंद रखने का आदेश जारी किया है। बाज़ारों में भी दुकानें बंद हैं, जिससे आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो गई है। हिंसा की वजह से लोग डरे-सहमे अपने घरों में ही रहना बेहतर समझ रहे हैं। प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है और शांति बहाली की कोशिश की जा रही है। हालांकि सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए इलाके में पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है। लोग उम्मीद कर रहे हैं कि जल्द ही हालात सामान्य होंगे और जिंदगी पटरी पर लौटेगी।महबूबा मुफ्ती ने सोनम वांगचुक के एफसीआरऐ लाइसेंस रद्द किए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह कार्रवाई शासन नहीं, बल्कि नाखुशी का प्रतिशोध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वांगचुक सरकार विरोधी या राष्ट्रविरोधी नहीं हैं, बल्कि वे केंद्र सरकार से किए गए वादों का पालन कराने का प्रयास कर रहे हैं, खासकर लेह-लद्दाख में छठी अनुसूची लागू करने, वहां की जमीन, नौकरियों, पहचान और संवेदनशील संस्कृति की रक्षा के लिए। महबूबा मुफ्ती ने यह भी कहा कि जवाबदेही मांगना अपराध नहीं है। उन्होंने वांगचुक की उपलब्धियों की तारीफ करते हुए कहा कि जिन्होंने आइस स्टूपा बनाए, सोलर स्कूल स्थापित किए और नवाचार व आशा से लद्दाख को रोशन किया, उन्हें अब अंधकार में निशाना बनाया जा रहा है।

नदी बहे तो जीवन बहे

बिल्ला अजय कुमार

हर शिशु का जीवन-यात्रा माँ के गर्भ में जल (एमनियोटिक द्रव) में शुरू होती है। संपूर्ण मानव शरीर, जो पंचतत्वों का निवास है, जल से परिपूर्ण है। जल जीवन प्रक्रियाओं और मानव अस्तित्व का आधार है। इस पृथ्वी पर प्रथम एककोशिकीय जीव का उद्भव जल में ही हुआ था। आदिमानव से सभ्य मानव तक का विकास और उसके बाद की संपूर्ण प्रक्रिया जल से जुड़ी हुई है। नदियाँ (जल) विश्व प्रसिद्ध सभ्यताओं का केंद्र हैं। नदियों के किनारे विकसित हुई कई सभ्यताएँ नदियों के महत्व को दर्शाती हैं। हमने जाना है कि प्रसिद्ध मेसोपोटामिया (इराक) सभ्यता टाइग्रिस नदी और यूफ्रेट्स नदियों के बीच, मिस्र की सभ्यता दुनिया की सबसे लंबी नदी नील के तट पर, सिंधु घाटी की सभ्यता सिंधु नदी के तट पर और चीनी सभ्यता पीली नदी के तट पर फली-फूली। जल एक परमाणु है जिसमें दो हाइड्रोजन परमाणु और एक ऑक्सीजन परमाणु होते हैं। पृथ्वी का 71 प्रतिशत भाग जल से ढका है। यह ठोस (बर्फ), द्रव (जल) और गैसीय (बाष्प) रूपों में अनेक जीवों के अस्तित्व का मुख्य स्रोत है। यह तथ्य कि पृथ्वी ही एकमात्र ऐसा ग्रह है जहाँ जल संसाधन, जो जीवन का आधार हैं, पृथ्वी को अद्वितीय बनाता है। इसीलिए हम हर साल 28 सितंबर (चौथे रविवार) को दुनिया भर में विश्व नदी दिवस मनाते हैं। आज नदियों और मानवता के बीच के रिश्ते को याद करने का एक विशेष अवसर है। इस वर्ष, विश्व नदी दिवस 'हमारे समुदाय में जलमार्ग' की थीम(पृष्ठभूमि) के साथ मनाया जा रहा है। भारत में नदियों का एक विशेष स्थान है। दुनिया भारत को नदियों के देश के रूप में पहचानती है। जहाँ लगभग 400-500 नदियाँ हैं जिन्हें नाम से पहचाना जा सकता है, वहीं अनगिनत छोटी नदियाँ भी हैं। इनमें से कुछ अपने-अपने राज्यों के मध्य से बहती हैं, जबकि अन्य उनके बीच प्राकृतिक सीमाओं के रूप में बहती हैं। यदि हम भारत के प्राकृतिक परिदृश्य पर एक विहंगम दृष्टि डालें, तो हम देख सकते हैं कि नदियाँ भारत के शरीर में रक्त वाहिकाओं की तरह बहती हैं। नदियाँ जीवनदायिनी की तरह बहती हैं, मानवीय आवश्यकताओं को पूरा करती हैं और उन्हें आगे बढ़ने में मदद करती हैं। ये नदियाँ न केवल जल का स्रोत हैं, बल्कि इस देश की आध्यात्मिकता से भी जुड़ी हैं। लोग गंगा जल को पवित्र मानते हैं। गंगा नदी लोगों की आस्था में इतनी गहराई से समाई हुई है कि पानी को गंगा के नाम से बुलाया जाता है। ऐसी गहरी मान्यता है कि यदि अस्थियों को गंगा में प्रवाहित किया जाए, तो मृतकों की आत्मा को शांति मिलती है। गंगा मैया, गोदावरी मैया, कृष्णा मैया और यमुना मैया जैसी प्रमुख नदियों के पानी को आँखों में मलते हैं। गंगा, गोदावरी, कृष्णा और नर्मदा जैसी प्रमुख नदियों में पवित्र स्नान और पितृ अनुष्ठान आम बात है। लोगों की कई मान्यताएँ और रीति-रिवाज नदियों से जुड़े हैं। इस विशेष दिन पर, नदियों का मानवता पर पर्यावरणीय, सांस्कृतिक और आर्थिक प्रभाव, तथा प्रदूषण, जल के दुरुपयोग और जलवायु परिवर्तन के कारण नदियों के समक्ष आने वाले खतरों पर चर्चा एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम बना हुआ है। विश्व नदी दिवस मानव समाजों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारों द्वारा नदियों की रक्षा के लिए पर्यावरण और जागरूकता कार्यक्रम चलाने की तत्काल आवश्यकता पर बल देता है। औद्योगिक अपशिष्ट, रसायन, प्लास्टिक, सीवेज आदि बिना शुद्धिकरण के सीधे नदियों में बहा दिए जाने से जल विषाक्त होता जा रहा है और जैव विविधता दिन-प्रतिदिन कम होती जा रही है। सिंचाई और उद्योगों के लिए जल संसाधनों के अत्यधिक उपयोग के कारण कई क्षेत्रों में पेयजल की कमी हो रही है। रेत खनन और सीमा से अधिक वनों की कटाई जैसी गतिविधियाँ प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से नदियों की प्राकृतिक स्थिति को नुकसान पहुँचा रही हैं। ऐसी गतिविधियाँ पेय जल की उपलब्धता को और कम कर रही हैं, जो पृथ्वी का केवल 2.5 प्रतिशत है। मनुष्य द्वारा अपने लाभ के लिए की जा रही गतिविधियों के कारण नदियाँ गंभीर रूप से प्रदूषित हो रही हैं और पीने का पानी विषाक्त होता जा रहा है, जिससे जलीय जीवन को गंभीर नुकसान पहुँच रहा है। सरकारें और कई गैर-सरकारी संगठन नदियों के संरक्षण और शुद्धिकरण के लिए कई कार्यक्रम चला रहे हैं। गुजरात में 'साबरमती रिवर फ्रंट' और केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा शुरू किया गया 'नमामि गंगे' ऐसे ही कार्यक्रम हैं। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली जनता की सरकार ने मूसी कायाकल्प परियोजना के साथ प्रदूषित मूसी नदी को पुनर्जीवित करने के लिए गतिविधियाँ शुरू की हैं। हाइड्रा की शुरुआत तालाबों, पोखरों आदि जैसे जल संसाधनों को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से की गई थी। तेलंगाना सरकार आने वाली पीढ़ियों की जल आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जल संसाधनों को पुनर्जीवित करने के लिए निरंतर गतिविधियाँ चला रही है। यह अत्यंत आवश्यक है कि सरकार और स्वयंसेवी संगठनों के साथ-साथ प्रत्येक व्यक्ति नदियों के संरक्षण के प्रति जागरूक हो और उनके संरक्षण के लिए अपनी ज़िम्मेदारी निभाए।नदी हमें रोज़मर्रा के जीवन में कई तरह से प्रेरित करती है। जैसे ही नदी पहाड़ों पर चढ़ते हुए, घाटियों से कूदते हुए समुद्र में विलीन होती है । उसी तरह जीवन को निरंतर प्रवाह के रूप में जारी रखने के लिए हमें प्रेरित होना हैं, चाहे हम कितनी भी कमियों और बाधाओं का सामना करें। जिस प्रकार सागर में विलीन नदी का अंतिम लक्ष्य हैं, उसी प्रकार नदी हमें जीवन का दर्शन सिखाती है कि मनुष्य का लक्ष्य प्रकृति द्वारा प्रदत्त इस जीवन का अंत तक दृढ़ ज्ञान के साथ अभ्यास करना होना चाहिए।

विश्व पर्यटन दिवस: कदम-कदम पर शिक्षा और संस्कृति

आरके जैन

क्या आपने कभी उस जादू को अनुभव किया है, जब अनजान रास्तों पर कदम रखते हुए आपकी आत्मा नई कहानियों, संस्कृतियों और संवेदनाओं से झंकृत हो उठती है? यात्रा महज एक जगह से दूसरी जगह की दूरी तय करना नहीं है—यह एक ऐसा सफर है, जो हमारे भीतर की सीमाओं को तोड़ता है, सोच को नया उड़ान देता है, और हमें अपनी अनंत संभावनाओं से जोड़ता है। विश्व पर्यटन दिवस, जो हर साल 27 सितंबर को मनाया जाता है, केवल यात्रा का उत्सव नहीं, बल्कि उस मानवीय जज्बे का सम्मान है, जो संस्कृतियों को एक सूत्र में पिरोता है, सीमाओं को मिटाता है, और दुनिया को एक परिवार बनाता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हर यात्रा एक नई शुरुआत है—खुद को, समाज को, और विश्व को गहराई से समझने की। पर्यटन की यह अनूठी शक्ति मनोरंजन से कहीं आगे जाती है; यह हमारे मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को पुनर्जनन करती है। नई जगहों की सैर तनाव को पिघलाकर रचनात्मकता को जगा सकती है? जर्नल ऑफ साइकोलॉजिकल साइंस (2023) के एक अध्ययन के अनुसार, यात्रा करने से तनाव हार्मोन कोर्टिसोल का स्तर 22% तक कम हो सकता है, जबकि रचनात्मकता में 18% की वृद्धि होती है। जब हम किसी नई संस्कृति की परंपराओं को छूते हैं, उनकी भाषा सुनते हैं, या उनके व्यंजनों का स्वाद लेते हैं, तो हमारा दिमाग नए तंत्रिका मार्ग बनाता है। यह प्रक्रिया न केवल हमें अधिक रचनात्मक बनाती है, बल्कि सहानुभूति और समावेशी दृष्टिकोण भी सिखाती है। उदाहरण के लिए, मेघालय की खासी जनजाति के जीवित पेड़ों के पुलों को देखने वाला यात्री सिर्फ इंजीनियरिंग का चमत्कार नहीं देखता—वह प्रकृति और समुदाय के सहजीवन की कहानी से जुड़ता है। यही है पर्यटन का जादू—यह हमें दूसरों के नजरिए से दुनिया को देखना सिखाता है। आर्थिक दृष्टिकोण से, पर्यटन वैश्विक अर्थव्यवस्था का एक अपराजेय स्तंभ है। विश्व पर्यटन संगठन के 2024 के आँकड़ों के अनुसार, वैश्विक पर्यटन उद्योग ने 1.5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की आय अर्जित की, जो वैश्विक जीडीपी का 10.4% है। इसका प्रभाव बड़े शहरों तक सीमित नहीं है; छोटे गाँव, जो कभी दुनिया के नक्शे पर अनदेखे थे, पर्यटन के कारण अपनी पहचान बना रहे हैं। उदाहरण के लिए, भारत की स्पीति घाटी जैसे सुदूर क्षेत्रों में पर्यटन ने स्थानीय लोगों को नई आजीविका दी है। वहाँ के होमस्टे, बौद्ध मठों की सैर, और याक पनीर जैसे स्थानीय उत्पादों ने न केवल पर्यटकों को आकर्षित किया, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को 30% तक उभारा है। इसके साथ ही, सतत पर्यटन ने पर्यावरण संरक्षण को नया आयाम दिया है। कोस्टा रिका जैसे देश, जहाँ पर्यटन जीडीपी का 12% हिस्सा है, ने इको-टूरिज्म के जरिए अपनी 25% भूमि को संरक्षित वनों में बदला है, जो एक प्रेरणादायक मिसाल है। पर्यटन का एक अनमोल पहलू है इसका सांस्कृतिक और सामाजिक प्रभाव, जो दिलों को जोड़ता है और सीमाओं को मिटाता है। जब हम किसी अनजान भूमि पर कदम रखते हैं, तो वहाँ की कला, संगीत, नृत्य, और कहानियाँ हमारे भीतर एक नई दुनिया रच देती हैं। यह अनुभव न केवल हमें समृद्ध करता है, बल्कि वैश्विक शांति और एकता की नींव भी मजबूत करता है। विश्व पर्यटन संगठन की 2023 की एक रिपोर्ट के अनुसार, 65% पर्यटक अपनी यात्रा के बाद अन्य संस्कृतियों के प्रति गहरा सम्मान और सहानुभूति महसूस करते हैं। भारत जैसे देश में, जहाँ हर 100 किलोमीटर पर भाषा, भोजन, और परंपराएँ बदल जाती हैं, पर्यटन ने विविध समुदायों को एक-दूसरे के करीब लाकर अद्भुत सामंजस्य रचा है। केरल की मंत्रमुग्ध कर देने वाली कथकली, राजस्थान की जीवंत लोक कथाएँ, या असम का उत्साहपूर्ण बिहू नृत्य—ये न केवल पर्यटकों को आकर्षित करते हैं, बल्कि स्थानीय लोगों को अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने का मौका भी देते हैं।

वीज़ा का चक्कर

डॉ. सुरेश कुमार

वह सुबह कुछ अलग थी। सूरज ने जैसे तय कर लिया था कि आज वह अमेरिका के कॉर्पोरेट टावरों पर नहीं, भारत के वीज़ा एप्लिकेशन फॉर्म पर चमकेगा। श्रीमान चिराग वर्मा, जो पिछले तीन साल से न्यू जर्सी की एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में ₹टेक्निकल एसेट₹ की तरह काम कर रहे थे, आज अपने बॉस के केबिन में बुलाए गए थे। बॉस का नाम था मिस्टर ग्रेग थॉर्न—चेहरा ऐसा जैसे नैतिकता को पेंशन पर भेज चुका हो।

"चिराग, हमें तुमसे एक बात करनी है," ग्रेग ने कहा, जैसे कोई डॉक्टर ऑपरेशन से पहले मरीज को बताता है कि एनेस्थीसिया महंगा है।

चिराग ने मुस्कुराने की कोशिश की, लेकिन मुस्कान वीज़ा की शर्तों में अटक गई।

"तुमने उस ट्वीट को देखा?" ग्रेग ने पूछा।

"जी सर, देखा," चिराग ने कहा, जैसे कोई छात्र परीक्षा में वही सवाल देखता है जो उसने नहीं पढ़ा।

"तो तुम्हें क्या लगता है?" ग्रेग बोले।

"सर, मुझे लगता है कि पीड़िता की बात सुननी चाहिए," चिराग ने कहा।

ग्रेग ने खिड़की की ओर देखा, जैसे नैतिकता बाहर खड़ी हो और अंदर आने की इजाज़त मांग रही हो।

"देखो चिराग, हम एक कंपनी हैं। हमें टैलेंट चाहिए, ट्रायल नहीं," ग्रेग बोले।

"लेकिन सर, कोर्ट ने उसे दोषी माना है," चिराग ने कहा। "कोर्ट? कोर्ट तो कानून देखता है, हम तो प्रॉफिट," ग्रेग ने कहा, और पानी का गिलास उठाया।

चिराग चुप रहा। उसकी चुप्पी में वीज़ा की वैधता, नैतिकता की असहमति और नौकरी की मजबूरी एक साथ बैठी थीं।

"तुम्हें समझना चाहिए, चिराग, कि हम सबको साथ लेकर चलते हैं। चाहे वह आरोपी हो या एच-1बी वीज़ा धारक," ग्रेग ने कहा।

"सर, अगर पीड़िता मेरी बहन होती?" चिराग ने पूछा।

ग्रेग ने गिलास को होंठों से लगाया, जैसे कोई नेता सवाल सुनकर पानी पीने लगता है।

खांसी उठी। नाक से पानी निकला। मगर जवाब नहीं निकला।

"देखो चिराग, तुम इमोशनल हो रहे हो। ये कॉर्पोरेट है, यहाँ इमोशन नहीं, एक्सेल शीट चलती है," ग्रेग बोले।

"सर, मुझे लगता है कि हम नैतिक रूप से गलत कर रहे हैं," चिराग ने कहा।

"नैतिकता? वो तो छुट्टी पर है। और तुम भी चले जाओगे अगर ज्यादा बोले," ग्रेग ने कहा, और मुस्कुराया। चिराग ने सोचा, क्या यही वह देश है जहाँ सपनों को बुलाया जाता है, और फिर उन्हें कॉन्ट्रैक्ट की शर्तों में बाँध दिया जाता है?

बाहर बारिश शुरू हो गई थी। जैसे नैतिकता रो रही हो।

चिराग ने अपना लैपटॉप बंद किया, जैसे कोई उम्मीद का दरवाज़ा बंद करता है। "सर, मैं इस्तीफा देना चाहता हूँ," चिराग ने कहा।

ग्रेग ने चौंक कर देखा, जैसे कोई बैंक मैनेजर देखे कि ग्राहक ने लोन चुकता कर दिया।

"तुम्हें पता है, तुम्हारा वीज़ा इसी कंपनी से जुड़ा है?"

ग्रेग ने कहा। "जी सर, पता है। लेकिन अब आत्मा को भी तो कहीं जुड़ना चाहिए," चिराग ने कहा। ग्रेग चुप रहा। पहली बार उसकी चुप्पी में हार थी।चिराग बाहर निकला। बारिश तेज़ हो गई थी। मगर अब वह भीगने से नहीं डर रहा था। उसने सोचा, शायद अब कोई नया सूरज उगेगा—जो वीज़ा नहीं, विवेक देगा।

ट्रम्प से 3 दिन में दूसरी बार मिले पाकिस्तानी पीएम

30 मिनट तक इंतजार कराया, आर्मी चीफ मुनीर भी साथ थे

वॉशिंगटन, 26 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने गुरुवार देर रात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात की। यह मुलाकात व्हाइट हाउस में बंद कमरे में हुई। इस मीटिंग से मीडिया को दूर रखा गया। ट्रम्प ने करीब 30 मिनट तक शहबाज को इंतजार कराया।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि बैठक में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो भी मौजूद थे। मीटिंग में किन मुद्दों पर बात हुई, इसे लेकर अभी जानकारी सामने नहीं आई है।

इससे पहले दोनों नेताओं ने 23 सितंबर को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के दौरान मुलाकात की थी। उस बैठक में कतर, तुर्की, सऊदी अरब, इंडोनेशिया, मिस्र, यूएई और जॉर्डन के नेता भी शामिल थे। उस दौरान गाजा जंग रोकने पर बात हुई थी।

पाक पीएम रात करीब 2 बजे व्हाइट हाउस पहुंचे। उस वक्त ट्रम्प कार्यकारी आदेशों पर साइन कर रहे थे और पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

इसकी वजह से ट्रम्प को शहबाज से मुलाकात के लिए लगभग 30 मिनट की देरी हो गई। बाद में दोनों के बीच करीब 1 घंटा 20 मिनट तक बैठक चली। रात 3 बजकर 48 मिनट पर शहबाज व्हाइट हाउस से रवाना हुए।

बैठक से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा कि व्हाइट हाउस में एक 'महान नेता' आ रहा है। ट्रम्प ने मीडिया से कहा, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और फील्ड मार्शल आ रहे हैं। वे बहुत अच्छे व्यक्ति हैं और प्रधानमंत्री भी। दोनों ही (शहबाज और मुनीर) बहुत अच्छे हैं।

व्हाइट हाउस ने बैठक की तस्वीर-वीडियो जारी नहीं की

व्हाइट हाउस की तरफ से ट्रम्प और शरीफ-मुनीर की बातचीत को लेकर कोई तस्वीर या वीडियो अब तक जारी नहीं की गई है। अमूमन अमेरिकी राष्ट्रपति जब किसी विदेशी नेता से मिलते हैं, तो व्हाइट हाउस आधिकारिक तस्वीरें जारी करता है।

इसका मकसद सार्वजनिक दस्तावेज और मीडिया कवरेज के लिए तस्वीर उपलब्ध कराना होता है। हालांकि, पाकिस्तान के मामले में ऐसी कोई भी तस्वीर या वीडियो अब तक व्हाइट हाउस ने जारी नहीं किया है। इससे पहले ट्रम्प और मुनीर की मुलाकात के बाद भी व्हाइट हाउस ने ऐसी कोई तस्वीर जारी नहीं की थी।

भारत के लिए इस मुलाकात के मायने?

यह मुलाकात भारत के लिए अहम है, क्योंकि अमेरिका और पाकिस्तान की बढ़ती नजदीकी से भारत-अमेरिका रिश्तों में तनाव आ सकता है। ट्रम्प ने भारत पर ऊंचे टैरिफ और वीजा नियमों को लेकर सख्ती की है, जिससे भारत नाराज है।

हाल के समय में अमेरिका और पाकिस्तान के रिश्तों में सुधार देखने को मिला है। ट्रम्प और शहबाज के बीच रिश्तों में भी में गर्मजोशी देखने को मिली है।

ट्रम्प का यह दावा कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराया, भारत दावे को कई बार खारिज कर चुका है। इसके चलते भारत और अमेरिका के रिश्तों में तनाव भी देखने को मिला।

लश्कर डिप्टी चीफ बोला- हिंदुस्तान और हिंदुओं का सफाया होगा

पहलगाम हमले के पहले का वीडियो सामने आया, भारत में इस्लामी राज लाने की धमकी दी

इस्लामाबाद, 26 सितंबर (एजेंसियां)। लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का डिप्टी चीफ सैफुल्लाह कसूरी का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो भारत से हिंदुओं का सफाया करने की धमकी देता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये वीडियो 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले से पहले का है। कसूरी इस हमले के मास्टरमाइंड में से एक है।

वीडियो में वह कहता है, हमारे काफिले न रुकेंगे, न थमेंगे और तब तक चैन से नहीं बैठेंगे जब तक पूरे हिंदुस्तान पर 'ला इलाहा इलल्लाह' (अल्लाह के अलावा कोई दूसरा नहीं) के परचम लहरा नहीं देते।

कसूरी आगे कहता है, ये वक्त आने वाला है, कोई नाउम्मीदी नहीं। हम जिस मैदान में खड़े हुए हैं, अपने दुश्मन को चारो खाने चित्त किया है। ये हिंदू हमारे सामने क्या है। हिंदुस्तान का हिंदू मिट जाएगा और इस्लाम का राज आने वाला है।

कसूरी वीडियो में कहता है कि ये भाषण वो लश्कर के मुरीदके हेडक्वार्टर से दे रहा है। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान लश्कर के इस हेडक्वार्टर पर हमला बोला था। बाद में पाकिस्तानी सेना ने झूठा दावा किया था कि यह आतंकवादी अड्डा नहीं, बल्कि एक मस्जिद है।

कसूरी बोला- पाकिस्तान मुस्लिमों का हमदर्द

कसूरी ने पाकिस्तान को 'अल्लाह की दी हुई पनाहगार' बताया। उसने कहा- पाकिस्तान सलामती और अमन की सरजमीं है, ये दुनियाभर के मुस्लिमों का हमदर्द और मददगार है।

इसके अलावा कसूरी ने दुनिया से पाकिस्तान की कद्र करने और जुड़ने को कहा।

कसूरी ने पीएम मोदी को अंजाम भुगतने की धमकी दी थी

इससे पहले 17 सितंबर को कसूरी ने टेलीग्राम पर वीडियो जारी कर भारत और पीएम मोदी को अंजाम भुगतने की धमकी दी थी।

वीडियो में, कसूरी ने चेतावनी दी कि जम्मू-कश्मीर में भारतीय बांधों, नदियों और इलाकों पर कब्जा करने की कोशिशें की जाएगी।

कसूरी ने खुलासा किया कि पाकिस्तान सरकार और सेना आतंकवादी संगठन को मुरीदके में अपना मुख्यालय फिर से बनाने के लिए धन मुहैया करा रही है, जिसे ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तबाह कर दिया गया था।

आतंकी बोला- ईंट का जवाब पत्थर से देंगे

कसूरी ने लोगों से समर्थन मांगते हुए कहा , हम मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं, लेकिन हमारा मनोबल ऊंचा है। हम अपने लोगों के नरम हैं, लेकिन अपने दुश्मनों के लिए उतने ही खतरनाक हैं। हमारे दुश्मनों को यह नहीं सोचना चाहिए कि हम कमजोर हैं, हम पूरी ताकत से जवाब देंगे।

कसूरी ने आगे कहा, भारत जो भी कदम उठा रहे हैं, उसे उसकी कीमत चुकानी होगी। हर जख्म का बदला लेंगे और ईंट का जवाब पत्थर से दिया जाएगा। हम हर कीमत पर अपनी धरती, अपनी जमीन की हिफाजत करेगें।

हाफिज सईद का दाहिना हाथ है कसूरी

कसूरी जम्मू-कश्मीर में लश्कर और टीआरएफ की आतंकवादी गतिविधियों का मेन ऑपरेटर है। कसूरी को सैफुल्लाह खालिद के नाम से भी कहा जाता है। वह इंटरनेशनल आतंकी हाफिज सईद का दाहिना हाथ माना जाता है। सैफुल्लाह लग्जरी कारों का शौकीन है। वह हमेशा कई लेयर की मॉडर्न हथियारों से लैस आतंकियों के घेरे में रहता है।

कश्मीर में आर्टिकल 370 हटने के बाद आईएसआई ने टीआरएफ बनाया। टीआरएफ लश्कर के फंडिंग चैनलों से चलता है। पहलगाम में हुए हमले के पहले भी वह कश्मीर घाटी में कई आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दिलवाता रहा है।

आयरिश हिप-हॉप ग्रुप नीकैप के सदस्य पर आतंकवाद से जुड़े आरोप खारिज

लंदन, 26 सितंबर (एजेंसियां)। लंदन की वूलविच क्राउन कोर्ट ने आयरिश भाषा में गाने वाले हिप-हॉप ग्रुप नीकैप के सदस्य और रैपर मो चारापर लगे आतंकवाद से जुड़े आरोप को शुक्रवार को खारिज कर दिया। रैपर का असली नाम लियाम ओग ओ हनैधी है। इन पर आरोप था कि इन्होंने पिछले साल लंदन के एक कॉन्सर्ट में हिजबुल्ला का झंडा लहराया था, जिसे ब्रिटेन ने आतंकी संगठन घोषित किया है।

नीकैप ग्रुप कई बार विवादों में रहा है। उस पर आरोप है कि वह अपने बयानों और प्रदर्शनों से हमास और हिजबुल्ला जैसे संगठनों की महिमा गान करता है। हंगरी और कनाडा पहले ही इस ग्रुप पर बैन लगा चुके हैं। वहीं, ब्रिटेन में भी इसकी गतिविधियां लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी में हैं।

बैंड ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि आलोचक उन्हें चुप कराना चाहते हैं क्योंकि वे फलस्तीन के पक्ष में खुलकर आवाज उठाते हैं। उनका कहना है कि वे न तो हिज़्बुल्ला और हमास का समर्थन करते हैं और न ही हिंसा का समर्थन करते हैं। उन्होंने अपने रुख को मानवीय मुद्दा बताया है, न कि राजनीतिक।

27 वर्षीय मो चारा ने अदालत में कहा कि यह मुकदमा पूरी तरह से राजनीतिक रूप से प्रेरित है। उनके अनुसार, यह उनके बैंड को दबाने और उनकी फलस्तीन समर्थक आवाज को रोकने की कोशिश है। उन्होंने जोर दिया कि उनका मकसद किसी भी तरह से आतंकी संगठनों को समर्थन देना नहीं है। इस मामले ने ब्रिटेन में राजनीतिक और सामाजिक बहस को भी हवा दी है। जहां कई लोग नीकैप को 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' का उदाहरण मान रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सुरक्षा और सामाजिक सौहार्द के नाम पर इसके बयानों की कड़ी आलोचना भी हो रही है।

ट्रम्प बोले- वेस्ट बैंक पर इजराइल का कब्जा मंजूर नहीं

मैं इसकी इजाजत नहीं दूंगा, अब बहुत हो चुका है, अगले हफ्ते अमेरिका जाएंगे नेतन्याहू

वॉशिंगटन, 26 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वेस्ट बैंक (फिलिस्तीन का हिस्सा) पर इजराइल का कब्जा मंजूर नहीं है। उन्होंने कहा है कि वे कभी इसकी इजाजत नहीं देंगे।

हाल ही में इजराइल के अधिकारियों ने वेस्ट बैंक के कुछ हिस्सों को इजराइल में मिलने की बात कही थी। इस पर ट्रम्प ने ओवल ऑफिस में कहा, मैं इजराइल को वेस्ट बैंक को मिलाने की परमिशन नहीं दूंगा। ऐसा नहीं होगा। अब बहुत हो चुका है।

नेतन्याहू अगले हफ्ते सोमवार को अमेरिका के दौरे पर जाने वाले हैं। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच व्हाइट हाउस में मुलाकात होगी।

वेस्ट बैंक, जॉर्डन के पश्चिम और येरुशलम के पूरब में स्थित है। 1948 में अरब-इजराइल जंग के बाद जॉर्डन ने इस पर कब्जा कर लिया था। जॉर्डन नदी के पश्चिम में होने की वजह से तब इसका नाम वेस्ट बैंक रख दिया गया।

1967 में 6 दिनों तक चले जंग के बाद इजराइल ने इस इलाके को जॉर्डन से छीन लिया। तब से वेस्ट बैंक पर इजराइल का कब्जा बरकरार है।

इस इलाके में 30 लाख से ज्यादा लोग रहते हैं। इसमें ज्यादातर फिलिस्तीनी हैं। इजराइल ने वेस्ट बैंक पर कब्जे के बाद कई यहूदी बस्तियां भी बसाईं। अंतरराष्ट्रीय कानूनों के मुताबिक यहां बनाई गई इजराइली बस्तियां अवैध हैं।

इजराइली कब्जे का विरोध कर रहे अरब देश

ट्रम्प लंबे समय से नेतन्याहू के करीबी सहयोग का दावा करते रहे हैं। लेकिन उन पर अब अरब नेताओं का दबाव भी है। संयुक्त अरब अमीरात ने चेतावनी दी है कि किसी भी इजराइली कब्जे को रेड लाइन माना जाएगा।

ट्रम्प ने कहा है कि वो इजराइल को ऐसा कोई भी कदम नहीं उठाने देंगे, जिससे अरब देशों के नेताओं में नाराजगी हो।

1967 के युद्ध में इजराइल ने वेस्ट बैंक, पूर्वी यरुशलम और गाजा पट्टी पर कब्जा किया था। फिलिस्तीनियों की मांग है कि ये तीनों क्षेत्र भविष्य में उनके राज्य का हिस्सा होने चाहिए। मानना है कि इजराइल का कब्जा टू स्टेट सॉल्यूशन (दो राष्ट्र समाधान) या अलग फिलिस्तीनी देश बनाने की संभावना को खत्म कर देगा। इजराइल की मौजूदा सरकार फिलिस्तीनी देश के बनने का विरोध करती है और वेस्ट बैंक के ज्यादा से ज्यादा हिस्से को अपने में मिलाना चाहती है।

कस्टम मिलिंग घोटाला: रायपुर में बड़े बिल्डर के घर ईडी रेड

सुल्तानिया-ग्रुप के ठिकानों पर छापा, प्रॉपर्टी खरीदी-बिक्री के दस्तावेज खंगाल रही टीम

बिलासपुर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में ईडी की टीम ने शुक्रवार सुबह रायपुर, बिलासपुर और धमतरी में कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमारी की है। ईडी के मुताबिक ये छापा कस्टम मिलिंग घोटाले से जुड़ा है। घोटाले के पैसों से प्रॉपर्टी की खरीदी-बिक्री की गई है। इसी को लेकर ईडी की टीम जांच कर रही है। ईडी ने रायपुर में रहेजा ग्रुप के ठिकानों पर छापा मारा है। बिलासपुर में सुल्तानिया ग्रुप के मीनाक्षी सेल्स के अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की है। बताया जा रहा है कि वित्तीय लेन-देन और मनी लॉनड्रिंग केस में छापेमारी की गई है। सुबह से ईडी की टीम घर के अंदर दस्तावेज खंगाल रही है।

रायपुर के जवाहर मार्केट स्थित रहेजा ग्रुप के संचालक रहेजा के घर और ऑफिस पर शुक्रवार सुबह से ही ईडी की टीम मौजूद है। अधिकारी दस्तावेज, फाइलों और वित्तीय रिकॉर्ड खंगाल रहे हैं। घर के भीतर कागजातों की जांच और पूछताछ की जा रही है।

इसी तरह बिलासपुर में ईडी की टीम ने सुबह-सुबह सुल्तानिया परिवार के क्रांति नगर स्थित आवासीय और कारोबारी ठिकानों पर दबिश दी। सुल्तानिया ग्रुप के मीनाक्षी सेल्स के ठिकानों पर ईडी की टीम रिकॉर्ड, बैंक स्टेटमेंट और वित्तीय दस्तावेजों की बारीकी से जांच कर रही है।

बिलासपुर में मीनाक्षी सेल्स, सुल्तानिया ग्रुप का कारोबार है, जो कोयला, सीमेंट, छड़, स्टील और अन्य ट्रेडिंग से जुड़ा हुआ है। वहीं, कार्रवाई के चलते इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। 25 जुलाई 2025 को 140 करोड़ की कस्टम मिलिंग स्कैम केस में रिटायर्ड आईएएस अनिल टुटेजा और कारोबारी अनवर ढेबर से ईओडब्ल्यू ने पूछताछ की। 2700 मिलर्स से वसूली मामले में 3500 पेज का चालान कोर्ट में पेश हो चुका है। ईओडब्ल्यू दूसरा चालान जल्द पेश करने की तैयारी में है। ईओडब्ल्यू के मुताबिक मनोज सोनी ने 33 जिलों से वसूली का जिम्मा अनवर ढेबर को दिया था। वहीं अनवर ने शराब दुकान के लिए प्लेसमेंट एजेंसी चलाने वाले सिद्धार्थ सिंघानियां को जिम्मेदारी दी थी। सिद्धार्थ ने शराब दुकान के कर्मचारियों के माध्यम से कमीशन की वसूली कर पैसा रिटायर्ड आईएएस अनिल टुटेजा के पास रायपुर पहुंचाया। ईओडब्ल्यू के मुताबिक टुटेजा के माध्यम से मनोज और रामगोपाल अग्रवाल तक पहुंचा। स्कैम के सिंडिकेट ने प्रति-क्विंटल 20 रुपए 'कट' फिक्स किया था। इसमें मनोज सोनी सिंडिकेट ऑपरेट करता था। अनवर ढेबर के ऑर्डर पर 33 जिलों में वसूली हुई, जबकि कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल के पास पैसा स्टोर होता था।

दरअसल, 2023 में ईडी को शिकायत मिली थी कि छत्तीसगढ़ में बड़ी तादाद में कस्टम मिलिंग घोटाला हुआ है। इसके बाद अक्टूबर 2023 में ईडी की टीम ने मार्कफेड के तत्कालीन एमडी मनोज सोनी के खुशी वाटिका स्थित घर और प्रदेश के कुछ राइस मिलर्स के ठिकानों पर दबिश दी।

अवैध तरीके से अमेरिका पहुंचे भारतीय को किया गया गिरफ्तार

18-व्हीलर ट्रक से वाहनों को टक्कर मारने का आरोप

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन, 26 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में एक भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि उसने पिछले साल कैलिफोर्निया में ट्रक चलाते हुए कई वाहनों को टक्कर मार दी थी। इस घटना में एक पांच साल की बच्ची गंभीर रूप से घायल हुई और उसकी जिंदगी पूरी तरह से बदल गई। यह व्यक्ति कथित तौर पर अवैध रूप से अमेरिका आया था। आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन एजेंसी (आईसी) ने पिछले महीने आरोपी प्रताप सिंह को गिरफ्तार किया था। उसे तब तक आईसीई की हिरासत में रखा गया है, जब तक कि उसका आव्रजन का मामला तय नहीं हो जाता। आईसीई ने बताया कि जून 2024 प्रताप सिंह ने कैलिपोर्निया में एक वाणिज्यिक 18 पहियों वाले ट्रक को चलाते हुए कई वाहनों कई कारों की टक्कर करवाई।

सस्ता मगर जानलेवा: ईरान का घातक ड्रोन युद्ध में बना गेमचेंजर

अमेरिका से यूरोप तक में क्यों कॉपी करने की लगी रेस?

तेहरान/वॉशिंगटन, 26 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका और यूरोपीय देशों में ईरान के सबसे खतरनाक ड्रोन को कॉपी करने की रेस लगी हुई है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने ईरान के शाहेद ड्रोनों की तर्ज पर हथियार विकसित करना शुरू कर दिया है, जिन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध में जबरदस्त असर दिखाया है। ईरान ने शाहेद ड्रोन की टेक्नोलॉजी उत्तर कोरिया और रूस जैसे देशों को की है और इन दोनों देशों ने एडवांस ड्रोन बनाने शुरू कर दिए हैं, जिसे काउंटर करने के लिए अब अमेरिका और यूरोप ने भी शाहेद ड्रोन की तर्ज पर नये ड्रोन को डेवलप करना शुरू कर दिया है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अपनी रिपोर्ट में हर देश ईरान के घातक शाहेद ड्रोन की नकल करना चाहता है नाम के शीर्षक वाले एक लेख में बताया है कि

अमेरिका और उसके सहयोगी कम लागत वाले, लंबी दूरी तक मार क्षमता वाले हथियार विकसित करने की होड़ में हैं। डब्ल्यूएसजे के मुताबिक, अमेरिका, चीन, फ्रांस और यूनाइटेड किंगडम सहित कई देशों की कंपनियां शाहिद की तर्ज पर सशस्त्र ड्रोन विकसित कर रही हैं।

ईरान के घातक 'शाहेद ड्रोन' की कॉपी क्यों?

दरअसल, ईरान का 'शाहेद-136' ड्रोन, जिसे रूस ने यूक्रेन युद्ध में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया, वो अब दुनिया भर की सेनाओं के लिए रोल मॉडल बन गया है। यह आत्मघाती ड्रोन बेहद सस्ता, लंबी दूरी तक मार करने वाला और बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन करने लायक, यानी सस्ता मगर जानलेवा हथियार है। पहले युद्धक्षेत्र में महंगे क्रूज मिसाइल और आर्टिलरी का इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध ने दिखा दिया कि कम कीमत वाले ड्रोन भी उतने ही घातक और असरदार हो सकते हैं। ईरान ने 2000 के दशक की शुरुआत में शाहेद ड्रोन की टेक्नोलॉजी डेवलप की थी। इसका मकसद इजरायल के लंबे रेंज वाले ड्रोन का जवाब देना था। शाहेद को इस तरह डिजाइन किया गया है कि बड़ी संख्या में एक साथ इस्तेमाल होने पर यह दुश्मन की एयर डिफेंस को ध्वस्त कर सकता है।

रूस ने 2022 से इसे यूक्रेन युद्ध में लगातार इस्तेमाल करना शुरू कर दिया था। जुलाई 2025 में ही रूस ने 550 शाहेद ड्रोन दागे, जिनसे 27 लोगों की मौत हुई और यूक्रेन के दर्जनों ठिकाने इसी ड्रोन से तबाह किए गये। यह रणनीति रूस के लिए 'गेमचेंजर' साबित हुई और पश्चिमी देशों को समझ आ गया कि भविष्य के युद्ध का सबसे सस्ता और असरदार हथियार यही हो सकता है।

चीन पूरा जद में, भारत की 'अग्नि प्राइम मिसाइल' के खौफ में ड्रैगन

8,000 किमी क्षमता की रिपोर्ट से उड़ी नींद

बीजिंग, 26 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के एक परमाणु मिसाइल परीक्षण से जुड़ी खबर से चीन में हलचल है। चीन में चर्चा है कि भारत सीक्रेट तरीके से एक खतरनाक अग्नि प्राइम मिसाइल पर काम कर रहा है। हांगकांग स्थित एशिया टाइम्स ने चीनी सेना के सूत्रों के हवाले से बताया है कि उनको भारत के 8,000 किलोमीटर क्षमता वाली अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आइसीबीएम) बनाने की जानकारी मिली है। इसे भारत की अग्नि-वी मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल (आइआरबीएम) का उन्नत संस्करण बताया गया है। चीन में इससे चिंता है क्योंकि यह क्षेत्र के शक्ति समीकरण बदल सकती है।

आईडीआरडब्ल्यू की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन यह दावा करता रहा है कि अंतरराष्ट्रीय जांच से बचने के लिए भारत व्यवस्थित रूप से अपनी मिसाइल क्षमताओं को कम करके बताता है। नई मिसाइल से जुड़ी रिपोर्ट ने बीजिंग के इस दावे को फिर से हवा दी है। इस नई मिसाइल से भारत की रणनीतिक पहुंच का विस्तार चीन ही नहीं बल्कि पूर्वी एशिया और उसके बाहर के बड़े हिस्से तक हो जाएगा। इसी ने बीजिंग की चिंता को बढ़ा रखा है।

एशिया टाइम्स ने चीनी सेना के सूत्रों के हवाले से कहा है कि भारत तेजी से बीजिंग की हाइपरसोनिक डीएफ-41 आइसीबीएम का जवाब तैयार कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की इस नई मिसाइल का लक्ष्य पूर्ण पेलोड के साथ 8,000 किलोमीटर की सीमा प्राप्त करना है। यह अग्नि-वी की आधिकारिक 5,000 किलोमीटर की सीमा को काफी पीछे छोड़ देती है।

अग्नि-वी के 2012 में लॉन्च होने के बाद से चीनी सरकारी मीडिया और विशेषज्ञों ने बार-बार यह कहा है कि भारत अपनी मिसाइल क्षमता को कम करके बताया है। हालांकि भारत ने लगातार ऐसे दावों का खंडन किया है। उसने इस बात पर जोर दिया है कि अग्नि-वी विश्वसनीय न्यूनतम निवारण का पालन करता रहा है और किसी देश को निशाना नहीं बनाया गया है।

इजराइल ने यमन की राजधानी सना में अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला किया

8 लोगों की मौत

सना, 26 सितंबर (एजेंसियां)। इजराइली सेना ने गुरुवार को दावा किया कि उसने यमन की राजधानी सना में अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला किया। यह हमला हूती विद्रोहियों के जनरल स्टाफ मुख्यालय और खुफिया तंत्र के परिसरों को निशाना बनाते हुए किया गया। इस हमला उस समय हुआ जब हूती नेता अब्देल-मलिक अल-हूती टीवी पर भाषण दे रहे थे।

इजराइली सेना के प्रवक्ता ने बताया कि हवाई हमलों में दर्जनों लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल हुआ और कई हूती आतंकवादियों की मौत हुई। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने बयान जारी कर कहा कि इन हमलों में हूती गुर्गों को बड़े पैमाने पर नष्ट किया गया।

इजराइली सेना ने बताया कि यह कार्रवाई बुधवार को हूतियों द्वारा इजराइल के ईलात शहर में होटल पर किए गए हमले के जवाब में की गई। इसके अलावा, इजराइल ने यमन के बंदरगाह होदेदाह पर भी 12 हवाई हमले किए थे।

अमेरिकी प्रतिबंधों का डर नहीं

भारत ने ईरान के चाबहार पोर्ट के जरिए अफगानिस्तान भेजी मदद, ट्रंप से बढ़ेगा तनाव

काबुल, 26 सितंबर (एजेंसियां)। भारत ने अफगानिस्तान को दवाएं और दूसरी जरूरी चीजों की मदद भेजी है। अफगानिस्तान में भूकंप से हुई तबाही के बाद भारत ने ये मदद दी है। भारत की ये नई मानवीय सहायता चाबहार बंदरगाह के जरिए काबुल पहुंचाई गई है। राहत सामग्री से भरे तीन कंटेनर चाबहार के रास्ते अफगानिस्तान की राजधानी काबुल पहुंचे। इसके बाद इस सामग्री को भारतीय अफसरों ने अफगान अधिकारियों को सौंप दिया।

भारत का ये कदम इसलिए अहम है क्योंकि चाबहार पोर्ट को लेकर अमेरिका और भारत में तनातनी है। अमेरिका ने हाल ही में ईरान के चाबहार बंदरगाह का संचालन करने पर प्रतिबंध का ऐलान किया है। भारत ने अमेरिका के धमकाने वाले अंदाज को नजरअंदाज कर चाबहार का इस्तेमाल किया। ये ट्रंप प्रशासन और भारत के बीच तनाव बढ़ा सकता है। भारत के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को बताया है कि काबुल भेजी गई सामग्री हाल में आए भूकंप के बाद अफगानिस्तान को भारत की ओर से दी गई मानवीय सहायता का हिस्सा है। इस खेप में खाद्य सामग्री, वाटर प्यूरीफायर, प्रोटीन पाउडर, टिन की चादरें, स्लीपिंग बैग, स्वच्छता किट, जल भंडारण टैंक, जनरेटर सेट, पारिवारिक टेंट, कंबल, आवश्यक दवाइयां और चिकित्सा सामग्री शामिल हैं। भारत ने इस महीने की शुरुआत में हवाई मार्ग से 21 टन राहत सामग्री अफगानिस्तान भेजी थी। इस सामग्री में टेंट, कंबल, चिकित्सा किट और बिजली जनरेटर शामिल थे। इसके बाद समुद्र से भेजी गई यह नवीनतम खेप भारत की सहायता प्रतिक्रिया के विस्तार और संकटग्रस्त अफ़ग़ान लोगों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। अफगानिस्तान के लिए भारत का यह मानवीय प्रयास वाशिंगटन की ओर से 2018 की उस छूट को रद्द करने की घोषणा के बाद आया है, जिसने चाबहार में भारत के संचालन को ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों से बचाया था। इस छूट ने नई दिल्ली को अमेरिकी दंडों का सामना किए बिना बंदरगाह का उपयोग अफगानिस्तान और उसके बाहर माल की आपूर्ति करने की अनुमति दी थी।

फिलीपींस द्वीपों पर फिर टकराया शक्तिशाली तूफान, चार की मौत

मनीला, 26 सितंबर (एजेंसियां)। फिलीपींस के द्वीपों पर एक और उष्णकटिबंधीय तूफान आफत बनकर आया। इसमें चार लोगों की जान चली गई और 4,33,000 से अधिक लोगों को बाढ़ और भूस्खलन संभावित इलाकों से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। तूफान बुआलोई, जो कि ताज़ा वायुचक्रों में से एक है, पूर्वी सामर प्रांत के सान पोलिकार्पो कस्बे में लगभग 110 किमी/घंटा की हवाओं के साथ पहुंचा। इसने बिजली काट दी, बाढ़ मचाई और दो छोटे भूस्खलन की घटना भी हुई। तूफान 'बुआलोई' रात में फिलीपींस में टकराने के बाद अब कमजोर हो चुका है। यह प्रशांत महासागर से लगातार आ रहे तूफानों में से सबसे ताजा तूफान है, जिसने एशिया को भी प्रभावित किया है।

इससे पहले तूफान रगासा आया था। यह पिछले कई वर्षों में सबसे शक्तिशाली तूफान था। इसने उत्तरी फिलीपींस और ताइवान में 25 लोगों की जान ली। अधिकांश मौतें बाढ़ के कारण हुईं। इसके बाद यह तूफा चीन से टकराया और फिर वियतनाम के ऊपर जाकर धीर-धीरे खत्म हो गया।

दवा कंपनियों पर ट्रंप ने गिराया 100 फीसदी का टैरिफ बम

कुछ ही घंटों में खाक हुए 74 हजार करोड़

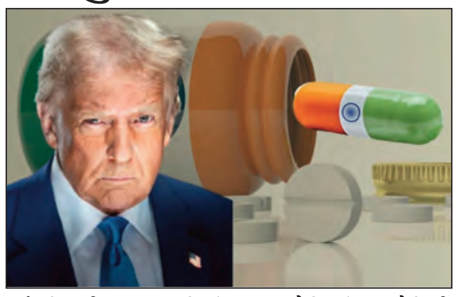

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को ब्रांडेड और पेटेंटेड फार्मा इंपोर्ट पर 100 फीसदी लगा दिया. जिसके बाद एक बार फिर से भारत का फार्मा सेक्टर और उसकी ओर से अमेरिका को किए जाने वाला एक्सपोर्ट फिर से सुर्खियों में आ गया है. नए अमेरिकी टैरिफ 1 अक्टूबर से लागू होंगे। शुक्रवार को जैसे ही शेयर बाजार खुले तो फार्मा इंडेक्स 2 फीसदी से ज्यादा टूट गया।

देश की कुल 119 फार्मा कंपनियों में से 112 कंपनियों के शेयरों में गिरावट देखने को मिल रही है. सुबह के सत्र में ये आंकड़ा और भी ज्यादा बड़ा था. जिसकी वजह से फार्मा सेक्टर की वैल्यूएशन में कारोबारी सत्र के दौरान 74 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है. शेयर बाजार में डिविस लैब से लेकर सनफार्मा, डॉ रेड्डीज आदि शेयरों में बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है.

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर घोषणा की थी कि 1 अक्टूबर, 2025 से, हम किसी भी ब्रांडेड या पेटेंटेड दवा प्रोडक्ट पर 100 फीसदी टैरिफ लगाएंगे. अगर कोई अमेरिका में अपना प्लांट लगाए हुए या फिर लगा रही है तो उस पर कोई टैरिफ लागू नहीं होगा। उन्होंने और व्हाइट हाउस ने अभी तक इस बारे में कोई स्पष्टीकरण दिया है कि ये टैरिफ कैसे लागू होंगे।

फार्मा एक्सपोर्ट के लिहाज से अमेरिका भारत के लिए एक बड़ा बाजार है. भारत के अमेरिका को कुल एक्सपोर्ट में फार्मा का अहम योगदान रहता है. साथ ही भारत दुनिया के बाकी देशों में भी फार्मा एक्सपोर्ट में काफी आगे है. भारत का सालना फार्मा एक्सपोर्ट वित्त वर्ष 2025 में रिकॉर्ड 30 अरब डॉलर तक पहुंच गया. खास बात तो ये है कि मार्च में एक्सपोर्ट में 31 फीसदी की ग्रोथ देखने को मिली थी. एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार, अन्य देशों को दवा एक्सपोर्ट अगस्त 2024 के 2.35 अरब डॉलर से 6.94 फीसदी बढ़कर अकेले अगस्त 2025 में 2.51 अरब डॉलर हो गया। इंडियन फार्मा एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (फार्मेक्सिल) के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 में अमेरिका को भारत का दवा निर्यात 10.5 अरब डॉलर रहा, जो साल-दर-साल 20.43 फीसदी की वृद्धि है, जो कुल निर्यात का 34.51 फीसदी है। भारत, जिसे अक्सर 'विश्व की फार्मेसी' कहा जाता है, वॉल्यूम के हिसाब से दुनिया में तीसरे स्थान पर और दवाइयों के प्रोडक्शन वैल्यू के मामले में 14वें स्थान पर है। केवल 2025 की पहली छमाही में ही 3.7 बिलियन डॉलर (लगभग 32,505 करोड़ रुपए) वैल्यू की दवाइयाँ विदेशों में भेजी गईं।

डोनाल्ड ट्रंप के फार्मा टैरिफ से जेनेरिक दवाइयां, जो भारत से अमेरिका को निर्यात की जाने वाली प्रमुख दवाइयां हैं, तो बच गई हैं, लेकिन भारतीय कंपनियां इस घोषणा के असर के लिए तैयार हैं। डॉ. रेड्डीज, अरबिंदो फार्मा, जाइडस लाइफसाइंसेज, सन फार्मा, सिप्ला और ग्लैंड फार्मा जैसी प्रमुख कंपनियां अपने कुल रेवेन्यू का 30-50 फीसदी अमेरिकी बाजार से हासिल करती हैं. जिसकी वजह से शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट देखने को मिली. निफ्टी फार्मा इंडेक्स जहां 2.42 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ 21,445.50 के निचले स्तर पर पहुंच गया। वहीं दूसरी ओर बीएसई हेल्थकेयर 2.51 फीसदी की गिरावट के साथ 42,882.11 अंकों पर आ गया।

बाजार के मुकाबले एयरपोर्ट पर ज्यादा बिक रही है शराब

एयरपोर्ट पर व्हिस्की का जलवा !

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। इस खबर को देख कर ऐसा लगता है कि भारतीय हवाई अड्डों पर यात्री शराब की जम कर खरीदारी कर रहे हैं। इसका खुलासा आईडब्ल्यूएसआर ड्रिंक्स मार्केट एनालिसिस से हुआ है। इस रिपोर्ट के अनुसार, साल 2024 में भारत के ड्यूटी-फ्री शॉप और ट्रैवल रिटेल में शराब की बिक्री में 13% की वृद्धि हुई है। इसके उलट यदि घरेलू बाजार में देखें तो इस दौरान शराब की बिक्री में बढ़ोतरी महज 6% ही बढ़ी है। इसका मतलब है कि हवाई अड्डों पर शराब की बिक्री, सामान्य दुकानों से ज्यादा तेजी से बढ़ रही है।

एयरपोर्ट पर व्हिस्की का जलवा

इस दौरान एयरपोर्ट पर व्हिस्की की बिक्री में भी जबरदस्त उछाल आया है। कुल बिक्री में व्हिस्की का हिस्सा तीन-चौथाई है। इसकी बिक्री में 12% की वृद्धि हुई है। वहीं, भारत के घरेलू बाजार में व्हिस्की की बिक्री 8% घट गई। आईडब्ल्यूएसआर में जीटीआर (ग्लोबल ट्रैवल रिटेल) की सीनियर इनसाइट्स मैनेजर शार्लोट रीड ने हमारे सहयोगी ईटी को बताया, अगले पांच सालों में भारतीय यात्रियों की संख्या 50% बढ़ने की उम्मीद है। साथ ही, शराब की बिक्री भी तेजी से बढ़ रही है। इससे साफ है कि भारतीय यात्री ग्लोबल ट्रैवल रिटेल की सफलता के लिए बहुत जरूरी होंगे।

एयरपोर्ट रिटेल महत्वपूर्ण

दरअसल, ग्लोबल ट्रैवल रिटेल, शराब कंपनियों के लिए एक महत्वपूर्ण जरिया बनता जा रहा है। खासकर ऐसे समय में जब शराब उद्योग में बिक्री स्थिर हो गई है। अनुमान है कि 2024 से 2029 के बीच ग्लोबल टीबीए (टोटल बेवरेज अल्कोहल) की खपत स्थिर रहेगी। लेकिन आईडब्ल्यूएसआर का अनुमान है कि जीटीआर में बिक्री 3% की दर से बढ़ेगी। एशिया में यह दर 4% तक हो सकती है। वैसे भी भारत में मध्यम वर्ग बढ़ रहा है। लोगों की आमदनी बढ़ रही है और उनकी खर्च करने की आदतें भी बदल रही हैं। इसका असर हवाई अड्डों पर भी दिख रहा है।भारतीयों के बीच ट्रेवल डिमांड बढ़ी

रीड आगे कहती हैं, भारत में लोगों की आमदनी और घूमने-फिरने की मांग, दुनिया के बाकी देशों के मुकाबले तेजी से बढ़ रही है। इससे ग्राहकों के खर्च करने के तरीके बदलेंगे और जीटीआर में मांग बढ़ेगी। उनके अनुसार, भारतीय ग्राहक अब सिर्फ कीमत और जरूरत के हिसाब से नहीं खरीदते। वे ब्रांड और अनुभव को भी महत्व देते हैं। खासकर जेन जेड और मिलेनियल पीढ़ी के लोग। रेडिको खेतान के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर अमर सिन्हा का कहना है कि यात्री हवाई अड्डे पर समय बिताते हुए ब्रांडों को देखते हैं। खासकर प्रीमियम और लग्जरी ब्रांडों को।

उनके अनुसार, लोगों के पास हवाई अड्डे पर घूमने-फिरने और ब्रांडों को देखने का काफी समय होता है। इससे उन्हें खरीदने से पहले ब्रांड के बारे में जानने का मौका मिलता है। वे आगे कहते हैं, दुनिया भर के हवाई अड्डे ब्रांडों को लोकप्रिय बनाने के लिए सबसे अच्छी जगह हैं। खासकर प्रीमियम और लग्जरी सेगमेंट में।

स्कॉच की बिक्री 11% बढ़ी

साल 2024 के दौरान एरयपोर्ट पर स्कॉच की बिक्री 11% और अमेरिकी व्हिस्की की बिक्री 8% बढ़ी। वहीं, भारतीय व्हिस्की की बिक्री में 10% की वृद्धि हुई। इसकी वैल्यू 18% बढ़ी है। हालांकि, ग्लोबल ट्रैवल रिटेल में भारतीय व्हिस्की अभी भी एक छोटा खिलाड़ी है। व्हिस्की की कुल बिक्री में इसका हिस्सा 2% से भी कम है।

रीड बताती हैं, पहले भारतीय व्हिस्की को जीटीआर में ज्यादा जगह नहीं मिलती थी। तीन साल पहले तक तो यह बिल्कुल भी नहीं दिखती थी। लेकिन अब धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है, क्योंकि ग्राहक अलग-अलग ब्रांडों को आजमा रहे हैं। व्हिस्की के अलावा, अन्य शराबों की बिक्री भी बढ़ रही है। 2024 में वोडका की बिक्री 48% बढ़ी।

भारी गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 733 अंक टूटा, निफ्टी 24700 के नीचे

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। शेयर बाजार लगातार छठवें दिन लाल निशान पर बंद हुआ। शुक्रवार को बेंचमार्क सूचकांक और निफ्टी में करीब एक प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। यह गिरावट अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की बड़े टैरिफ की घोषणा के बाद आई। उन्होंने कहा कि दवाइयों पर 100 फीसदी, किचन कैबिनेट और बाथरूम वैनिटी पर 50 फीसदी, फर्नीचर पर 30 फीसदी और भारी ट्रकों पर 25 फीसदी आयात कर लगाया जाएगा। नए टैरिफ 1 अक्टूबर, 2025 से लागू होने वाले हैं। इस घोषणा के बाद सेंसेक्स और निफ्टी 50 दोनों में भारी गिरावट देखी गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 733.22 अंक या 0.90 प्रतिशत की गिरावट के साथ 80,426.46 पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान यह 827.27 अंक या एक प्रतिशत गिरकर 80,332.41 पर आ गया। दूसरी ओर, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 236.15 अंक या 0.95 प्रतिशत गिरकर 24,654.70 पर आ गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 4 पैसे बढ़कर 88.72 (अनंतिम) पर बंद हुआ। 19 सितंबर से सूचकांक में गिरावट जारी है और लगातार छह सत्रों में 3 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। शुक्रवार तक छह सत्रों में सेंसेक्स 2,587.50 अंक या 3.16 प्रतिशत तक गिर चुका है। फार्मास्यूटिकल दवाओं पर 100 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ लगाने के कदम के बाद अधिकांश फार्मा शेयरों में गिरावट आई, जिससे बीएसई हेल्थकेयर सूचकांक 2.14 प्रतिशत नीचे आ गया। वॉकहार्ट के शेयरों में 9.4 प्रतिशत की गिरावट आई। इस सप्ताह आईटी शेयरों में भारी बिकवाली हुई। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख ने कहा कि भारतीय बाजार में एशियाई बाजारों की तरह ही भारी गिरावट देखी गई। दवा कंपनियों पर नए टैरिफ लगाने से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई, जिससे दवा कंपनियों के शेयर भारी गिरावट में आ गए। इस बीच, एक्सेंचर के कमजोर दिशानिर्देशों और नौकरियों में कटौती ने आईटी खर्च में कमी को उजागर किया। एआई-आधारित विकास उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा, जिससे तकनीकी शेयरों में व्यापक बिकवाली हुई।

वैश्विक अनिश्चितता के बीच निवेशक सतर्क बने हुए हैं और निकट भविष्य में घरेलू निवेश और खपत पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। सेंसेक्स की कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, इटरनल, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, सन फार्मा, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और एचसीएल टेक सबसे ज्यादा गिरावट में रहीं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्न	
सूर्य	कन्या	कन्या	05-27 बजे
चन्द्र	वृश्चिक	तुला	07-33 बजे
मंगल	तुला	वृश्चिक	09-44 बजे
बुध	कन्या	धनु	11-56 बजे
गुरु	मिथुन	मकर	14-02 बजे
शुक्र	सिंह	कुंभ	15-53 बजे
शनि	मीन	मीन	17-31 बजे
राहु	कुंभ	मेष	19-07 बजे
केतु	सिंह	वृष	20-52 बजे
		मिथुन	22-52 बजे
		कर्क	01-05 बजे
		सिंह	03-17 बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने, ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
सूर्योदय 06-09
सूर्यास्त. 18-05
दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
मास - आश्विन शुक्ल शनिवार 27 September
तिथि - पंचमी 12-04 तक उपरान्त षष्ठी
नक्षत्र - अनुराधा 01-08 तक उपरान्त ज्येष्ठा
योग - प्रीति 23-45 तक उप आयुष्मान
गर - बालव 12-04 तक उप कौलव
विशेष:- चातक वर्षा श्रेष्ठ
व्रत-त्यौहार नवरात्रि पंचमी

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 09-07 से 10-37 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	06-09 - 07-37	अशुभ	लाभ	18-05 - 19-37	शुभ
शुभ	07-37 - 09-07	शुभ	उत्पात	19-37 - 21-07	अशुभ
रोग।।	09-07 - 10-37	अशुभ	शुभ	21-07 - 22-37	शुभ
उत्पात	10-37 - 12-07	अशुभ	अमृत	22-37 - 00-07	शुभ
चंचल	12-07 - 13-37	शुभ	चंचल	00-07 - 01-37	शुभ
लाभ	13-37 - 15-07	शुभ	रोग	01-37 - 03-07	अशुभ
अमृत	15-07 - 16-37	शुभ	काल	03-07 - 04-37	अशुभ
काल	16-37 - 18-05	अशुभ	लाभ	04-37 - 06-04	शुभ

4 लाख करोड़ स्वाहा! टाटा के इस शेयर ने निवेशकों को दिया तगड़ा झटका, अभी जा सकता है और नीचे

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस के शेयरों में आज फिर गिरावट आई है। टाटा ग्रुप की इस कंपनी का शेयर बीएसई पर 1.4% गिरावट के साथ 2,916 रुपये पर आ गया। यह इसका 3 साल का न्यूनतम स्तर है। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 10.57 लाख करोड़ रुपये रह गया है। इस साल कंपनी के मार्केट कैप में 4 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा गिरावट आई है।

डिमांड घटने, अमेरिका में एच-1बी वीजा फीस बढ़ने और जेनरेटिव एआई का चलन बढ़ने से कंपनी पर असर पड़ा है। साथ ही कंपनी का तिमाही प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा। इन सब बातों से निवेशकों का भरोसा कम हुआ है। टीसीएस का मार्केट कैप पिछले सेशन में 10.71 लाख करोड़ रुपये था जो 31 दिसंबर 2024 को यह 14.81 लाख करोड़ रुपये था। इस साल कंपनी के मार्केट कैप में 28% की गिरावट आई है। पिछले एक साल में यह स्टॉक 30% तक गिर गया है। इस आईटी स्टॉक के शेयरधारकों को पिछले तीन साल से नुकसान हो रहा है। अगर किसी ने तीन साल पहले इस शेयर में एक करोड़ रुपये निवेश किए होते तो आज उसकी वैल्यू 95 लाख रुपये होती। छह महीने में स्टॉक 19% और तीन महीने में 14% तक गिर गया है।

कहां तक गिरेगी कीमत?

टेक्निकल चार्ट्स के अनुसार इसका आरएसआई 33 के करीब पहुंच गया है। इसका मतलब है कि स्टॉक ओवरसोल्ड जोन में ट्रेड कर रहा है। जानकारों का कहना है कि इसे 2900 रुपये पर सपोर्ट मिलेगा और 3,100 रुपये पर रेजिस्टेंस। अगर स्टॉक 3,100 रुपये के लेवल को पार कर जाता है, तो यह 3150 रुपये तक जा सकता है। शॉर्ट टर्म में ट्रेडिंग रेंज 2,900 रुपये से 3,150 रुपये के बीच रहेगी। 11.30 बजे यह 1.46 फीसदी की गिरावट के साथ 2,917.10 रुपये पर ट्रेड कर रहा था।

चांदी ने 1900 उछाल के साथ तोड़े सभी रिकॉर्ड

सोने में 330 रुपये की तेजी, जानें आज का भाव

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)।त्योहारी सीजन के दौरान स्टॉकिस्टों की भारी मांग के बीच सोने-चांदी की कीमतों में उछाल देखने को मिला। शुक्रवार को राजधानी दिल्ली में चांदी की कीमत 1,900 रुपये की तेजी के साथ 1,41,900 रुपये प्रति किलोग्राम के नए उच्च स्तर पर पहुंच गई। वहीं 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 330 रुपये बढ़कर 1,17,700 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया।

99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 400 रुपए बढ़कर 1,17,100 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने इसकी पुष्टि की है। एसोसिएशन के अनुसार, मजबूत त्योहारी मांग और भौतिक बाजार में निवेशकों की मजबूत रुचि के कारण चांदी, जो गुरुवार को 1,40,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी, ने अपना रिकॉर्ड तोड़ने का सिलसिला जारी रखा।

वैश्विक बाजार में गिरी सोने-चांदी का भाव

हालांकि, वैश्विक स्तर पर दोनों कीमती धातुओं में गिरावट दर्ज की गई। हाजिर सोना 0.12 प्रतिशत गिरकर 3,744.75 डॉलर प्रति औंस रह गया, जबकि चांदी 0.35 प्रतिशत गिरकर 45.03 डॉलर प्रति औंस रह गई। व्यापारियों ने कहा कि लगातार घरेलू मांग और त्योहारी खरीदारी की गति ने कमजोर वैश्विक संकेतों को संतुलित कर दिया है। इससे स्थानीय बाजारों में सर्राफा कीमतों में तेजी बनी हुई है।

आपका राशिफल

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आपके करियर और अध्ययन की गतिविधियाँ आपके पेशेवर जीवन में भावनात्मक तीव्रता लाएँगी। आपको टीम सेटिंग में संघर्ष का अनुभव हो सकता है, इसलिए धैर्य रखें। महिलाओं के साथ अवसर पैदा होते हैं, जो सहयोग के लिए नए रास्ते प्रदान करते हैं। अपने करियर पथ और शैक्षणिक प्रयासों को बढ़ाने के लिए इन अवसरों को अपनाएँ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो)
आपकी वित्तीय स्थिति में लगातार वृद्धि दिख रही है और आगे भी इसमें सुधार की संभावना है , परन्तु आप ऐसा महसूस करेंगे की आपके नियंत्रण से परे स्थितियां आपकी उत्पादकता और काम करने की क्षमता को प्रभावित कर रही है , लेकिन आपका डर निराधार हैं।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
जो लोग सेवा क्षेत्र में हैं , वे अपनी आय में बढ़ोतरी की उम्मीद कर सकते हैं हालाँकि अगर ऐसा नहीं होता है , तो आप खुलकर अपने विचारो को आवाज दे और ये सुनिश्चित रखे की इसे सुना जायेगा । काम का बोझ जो दिन के मध्य में ऊँचा रहेगा परन्तु उम्मीद है कि दिन के अंत तक वह कम होगा ।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)
पेशेवर परिस्थितियों में आपका आत्मविश्वास झलकता है, जिससे आप सहजता से नेतृत्व कर पाते हैं। अंतर्ज्ञान आपके निर्णय को तेज़ करता है, जिससे आप सूक्ष्म गतिशीलता को कुशलता से समझ पाते हैं। आपका आकर्षण और कलात्मक प्रतिभा, खासकर महिलाओं के साथ सहयोग करते समय, एक गहरी छाप छोड़ती है।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,)
भावनात्मक अंतर्दृष्टि और जिज्ञासा के मिश्रण से आपके करियर और पढ़ाई को फ़ायदा हो सकता है। आप पहल करने और अपनी रचनात्मकता को व्यक्त करने के लिए प्रेरित महसूस करेंगे। हालाँकि, तीव्र भावनाएँ मूड स्विंग या रिश्तों में बदलाव ला सकती हैं। पूरे दिन अपनी ऊर्जा को उत्पादक रूप से प्रवाहित करने के लिए संतुलित और केंद्रित रहें।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
जैसे जैसे दिन आगे की और बढ़ेगा ये और बेहतर होता चला जाएगा। आपने पिछले कुछ दिनों में जो निराशाओं का अनुभव किया है , उनका अंत हो जाएगा और आप आशावादिता की ताजा हवा में सांस ले सकते हैं। आपके वरिष्ठ अधिकारी आपकी क्षमता के अनुरूप कठिन मुद्दों से निपटने के लिए आपको पुरस्कृत भी कर सकते है ।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,)
आज आप एक ऐसे सफल पेशेवर से मिल सकते है जो आपका कार्य करने के लिए उपलब्ध सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है , लेकिन उसके साथ साझेदारी के गठन से पहले थोड़ा सावधान रहे , संभावना है कि वह कार्य के मध्य में अपनी दरों में वृद्धि कर सकता है । सर्वश्रेष्ठ विकल्प ये होगा की आप ऐसे समझौते पर हस्ताक्षर करे जिसमे दरें गतियमान की बजाय स्थायी हो ।

वृश्चिक (तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,)
आज आपके करियर में स्थिर गति आएगी क्योंकि ऊर्जा का पोषण आपको नए अवसरों का समर्थन करने में मदद करेगा। स्थिरता आपके कार्यों का मार्गदर्शन करती है, जबकि प्रेरणा में वृद्धि आपको नए प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए प्रेरित करती है। पेशेवर रिश्तों में जोश की चिंगारी भड़क सकती है, इसलिए स्पष्ट संचार बनाए रखें।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
आप पाएंगे कि आपकी ऊर्जा का स्तर बढ़ गया है, जिससे आपको विभिन्न परिस्थितियों में काम करने के अवसर मिलेंगे। एक जीवंत माहौल की अपेक्षा करें जो आपको पूरी ईमानदारी से काम करने के लिए प्रोत्साहित करे। सावधान रहें, क्योंकि चोट लगने या अप्रत्याशित मूल्य उतार-चढ़ाव की संभावना है।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
एकांत गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करें, धैर्य में शक्ति पाएं। चुनौतियाँ आ सकती हैं, फिर भी आपकी मेहनत रंग लाएगी। आप किसी भी बाधा का डटकर सामना कर पाएंगे। बाधाओं पर काबू पाने में धैर्य रखें। संतुलन बनाए रखें, और आपका समर्पण आपको काम और अध्ययन की मांगों के माध्यम से मार्गदर्शन करेगा।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आपका कार्य जीवन रोलरकोस्टर की तरह लग सकता है जो आपको अपनी परियोजनाओं को पोषित करने के लिए प्रेरित करता है। आपका आत्मविश्वास और रचनात्मकता बढ़ेगी, जिससे आप बैठकों में चमकेंगे। ऐसे आश्चर्य की अपेक्षा करें जो उत्साह लाएँ। आप कार्यों के साथ प्यार में पड़ सकते हैं और खत्म हो सकते हैं,

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)
काम पर आपका आत्मविश्वास मज़बूत है, और रचनात्मकता सहजता से प्रवाहित होती है, जिससे आप कार्यों को कुशलता से कर पाते हैं। अपनी भलाई को प्राथमिकता दें, क्योंकि कम प्रतिरोध आपको असुरक्षित महसूस करा सकता है। काम की गतिशीलता को समझते हुए, अपनी सहज प्रवृत्ति पर भरोसा रखें,

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

14,000 किमी दूर से तेल मंगाने की तैयारी में भारत! अमेरिका के सामने रखी यह शर्त

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने के कारण भारत पर 25% का अतिरिक्त टैरिफ लगा रखा है। भारत और अमेरिका के संबंधों में रूस से तेल की खरीद सबसे बड़ा रोड़ा बना हुआ है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत रूस से तेल की खरीद कम करने को तैयार है लेकिन इसके लिए उसने अमेरिका के सामने एक शर्त रखी है। उसका कहना है कि अगर भारत रूसी तेल का आयात कम करता है, तो अमेरिका को ईरान और वेनेजुएला से तेल खरीदने की अनुमति देनी होगी। ये दोनों देश तेल के बड़े सप्लायर हैं, लेकिन अमेरिका ने इन पर पाबंदी लगा रखी है। एक सूत्र ने बताया कि इस हफ्ते अमेरिका गए भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिकी अधिकारियों के साथ मीटिंग में ये बात दोहराई। भारतीय अधिकारियों ने यह भी कहा कि अगर भारत एक साथ रूस, ईरान और वेनेजुएला से तेल खरीदना बंद कर देता है, तो दुनिया में तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं। इस बारे में वाणिज्य और तेल मंत्रालयों के प्रवक्ताओं और नई दिल्ली में अमेरिकी दूतावास ने इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है। भारत के प्रतिनिधि अमेरिका इसलिए गए थे, क्योंकि अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने पर भारत पर भारी टैरिफ लगा दिया है।

38 भारतीय बैंकों का डेटा लीक होने की आशंका

दावा–लेनदेन के लाखों रिकॉर्ड ऑनलाइन हो गए उजागर

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)।भारत से जुड़ा एक बड़ा डेटा इंटरनेट पर लीक होने की खबर है।

जानकारों के अनुसार भारतीय बैंकों के लाखों बैंक ट्रांजैक्शन रिकॉर्ड इंटरनेट पर उजागर हो गए। यह डेटा एक असुरक्षित अमेजन S3 क्लाउड सर्वर से लीक हुआ। लीक डेटा में खाताधारकों के नाम, बैंक अकाउंट नंबर, ट्रांजैक्शन राशि और संपर्क जानकारी जैसी संवेदनशील जानकारियां शामिल थीं। साइबर सुरक्षा कंपनी अपगॉर्ड ने यह दावा किया है।

कैसे हुआ खुलासा?

साइबर सुरक्षा कंपनी अपगॉर्ड ने अगस्त के अंत में इस डेटा लीक का पता लगाया। उनके रिसर्चर्स को अमेजन-होस्टेड स्टोरेज सर्वर पर लगभग 2 लाख 73 हजार पीडीएफ फाइलें मिलीं। रिसर्चर्स के अनुसार लीक डेटा में भारतीय ग्राहकों के बैंक ट्रांसफर रिकॉर्ड शामिल थे। इन फाइलों में से ज्यादातर एनएसीएच (नेशनल ऑटोमेटेड क्लियरिंग हाउस) से जुड़ी थीं। एनएसीएच एक केंद्रीकृत सिस्टम है, जिसका इस्तेमाल बैंक बड़े पैमाने पर होने वाले सैलरी ट्रांसफर, लोन रीपेमेंट और बिजली-पानी के बिल जैसे नियमित भुगतानों के लिए करते हैं।

किन बैंकों का डेटा लीक हुआ?

अपगॉर्ड के अनुसार, यह डेटा कम से कम 38 बैंकों और वित्तीय संस्थानों से जुड़ा थे। सबसे ज्यादा दस्तावेजों में ए फाइनेंस का नाम आया। भारतीय स्टेट बैंक का नाम भी कई दस्तावेजों में मौजूद था।

एनपीसीआई- हमारे सिस्टम सुरक्षित डेटा लीक नहीं हुआ

इस लीक की जानकारी ए फाइनेंस, नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया और अन्य संबंधित संस्थानों को दी गई थी। लेकिन शुरुआती सितंबर तक यह डेटा इंटरनेट पर खुला रहा और रोजाना नई फाइलें भी जुड़ती रहीं।

इसके बाद सीईआरटी-इन को सूचित किया गया और सर्वर को सुरक्षित किया गया। हालांकि, अब तक किसी भी संस्था ने इस लापरवाही की जिम्मेदारी लेने से साफ इनकार किया है। एनपीसीआई ने कहा है कि उनका सिस्टम सुरक्षित है और कोई डेटा लीक नहीं हुआ। ए फाइनेंस और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया।

डेटा सुरक्षा और डिजिटल प्राइवेसी पर उठे गंभीर सवाल

इस घटना ने एक बार फिर भारत में डेटा सुरक्षा और डिजिटल प्राइवेसी को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्राहकों का निजी डेटा कब और कैसे सुरक्षित होगा, इसका अभी कोई ठोस जवाब नहीं दिख रहा।

स्पाइसजेट अपने बेड़े में एयरबस ए340 को करेगी शामिल, लीज एग्रीमेंट पर किया हस्ताक्षर

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। स्पाइसजेट ने शुक्रवार को घोषणा की कि उसने एयरबस ए340 वाइड-बॉडी विमान को अपने बेड़े में शामिल करने के लिए लीज एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। यह कदम एयरलाइन की विस्तार रणनीति में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अक्तूबर से पहले सप्ताह से परिचालन शुरू

एयरलाइन के अनुसार, यह विमान सितंबर के अंत तक भारत पहुंचेगा और अक्तूबर के पहले सप्ताह में परिचालन शुरू करेगा, जो नियामकीय अनुमोदन पर निर्भर करेगा। शुरू में यह विमान वेट लीज मॉडल पर संचालित होगा, बाद में डैम्प लीज में बदल जाएगा। इससे संचालन में अधिक लचीलापन और लागत की बचत होगी।

बेहतर कनेक्टिविटी का उद्देश्य

स्पाइसजेट का उद्देश्य इस विमान के शामिल होने से उभरती यात्री मांग को पूरा करना और घरेलू व अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क में बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना है। एयरलाइन ने यह भी बताया कि वह दूसरे ए340 विमान को लीज पर लेने के लिए अग्रिम वार्ता में है, जो इसके बेड़े का विस्तार और नए बाजारों में प्रवेश की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। स्पाइसजेट के मुख्य व्यवसाय अधिकारी देबोजो महर्षि ने बयान में कहा कि कहा कि एयरबस ए340 के शामिल होने से एयरलाइन के सबसे महत्वाकांक्षी विकास चरणों में से एक की शुरुआत हुई है। यह विमान हमें नए बाजारों में प्रवेश करने और अपनी अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति का विस्तार करने में मदद करेगा।

एक और ए340 और 18 बोइंग 737 विमान भी होंगे जल्द शामिल

महर्षि ने कहा कि एक और ए340 पर बातचीत चल रही है और 18 बोइंग 737 विमान जल्द ही हमारे बेड़े में शामिल होंगे। स्पाइसजेट अपने सबसे महत्वाकांक्षी विकास चरणों में से एक के लिए तैयार है। इस महीने की शुरुआत में, स्पाइसजेट ने 18 बोइंग 737 विमानों को शामिल करने के समझौतों की भी घोषणा की। इसमें चार बोइंग 737 मैक्स विमान शामिल हैं, जिनकी डिलीवरी अक्टूबर 2025 से शुरू होगी। नियोजित वाइड-बॉडी परिवर्धन के साथ, एयरलाइन ने कहा कि वह क्षमता और कनेक्टिविटी दोनों में निरंतर वृद्धि के लिए खुद को तैयार कर रही है।

शरीर पर 8 बर्थ मार्क्स पिछले जन्म का राज खोलते हैं? जानिए इसके बारे में

शरीर पर जन्म चिन्ह का पिछले जन्म से संबंध! माना जाता है कि गर्दन के पास अगर कोई खास चिन्ह या बर्थमार्क हो, तो इसका मतलब व्यक्ति पिछले जन्म में एक संत, योगी और आध्यात्मिक गुरु था। दरअसल गर्दन को स्थिरता और नेतृत्व से जोड़कर देखा जाता है। सीने के ऊपरी हिस्से पर अगर किसी भी तरह का बर्थमार्क हो, तो इसका मतलब पिछले जन्म अपने किसी की भावनाओं को चोट पहुंचाई है। कांधे पर बर्थमार्क होने का मतलब है कि, पिछले जन्म में आपने किसी की जिम्मेदारी उठाई थी। क्योंकि कंधा जिम्मेदारी और संघर्ष का प्रतीक होता है। कमर या रीढ़ की हड्डी के नीचे किसी भी तरह का बर्थमार्क होने का मतलब पिछले जन्म में किसी को पीठ पीछे धोखा दिया था।

हाथ के ऊपर बर्थमार्क होने का मतलब आप पिछले जन्म में एक कर्मयोगी थे। क्योंकि हाथ का संबंध कर्म से होता है। पांव के नीचे किसी भी तरह का बर्थमार्क होने का मतलब आप पिछले जन्म में सफर में थे या भटक रहे थे। माथा के नीचे बर्थमार्क होने का मतलब आप पिछले जन्म एक ज्योतिषी या तंत्र-मंत्र से जुड़े हुए व्यक्ति थे। ऐसा इसलिए क्योंकि माथे का संबंध ज्ञान, बुद्धि और भविष्य से संबंध रखता है। आंखों के पास किसी भी तरह का बर्थमार्क होने का मतलब आप पिछले जन्म में काफी भावनात्मक किस्म के व्यक्ति थे या फिर पिछले जन्म में आप काफी रोए थे।

नवरात्रि में व्रत न रखने पर भी मां दुर्गा को

प्रसन्न करने के ये 7 आसान और प्रभावशाली उपाय अपनाएं

शारदीय नवरात्रि का त्योहार भक्ति और उत्साह का प्रतीक है। हर साल लोग मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा करते हैं और व्रत रखकर उनकी कृपा पाने की कोशिश करते हैं, लेकिन कई बार लोगों की व्यस्तता, स्वास्थ्य या अन्य कारणों से वे पूरे नौ दिनों का व्रत नहीं रख पाते, अगर आप भी इनमें से हैं, तो चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। मां दुर्गा हमेशा अपने भक्तों की भक्ति और श्रद्धा को महत्व देती हैं। छोटे-छोटे सरल उपाय अपनाकर भी आप उनकी विशेष कृपा पा सकते हैं। नवरात्रि में व्रत ना रखने वालों के लिए आसान और प्रभावी उपाय, जिनको अपनाकर आपके घर और जीवन में सुख, शांति और सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी।

नवरात्रि में अपनाने योग्य आसान उपाय

1 रोजाना पूजा और फूल अर्पित करना

नवरात्रि के दिनों में देवी की नियमित पूजा करना शुभ माना जाता है। हर दिन गुड़हल का फूल मां दुर्गा को अर्पित करें। इससे मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है और घर में सुख-शांति बनी रहती है।

2 पान का बीड़ा अर्पित करें

माना जाता है कि नवरात्रि के दौरान पान का बीड़ा देवी को अर्पित करने से मां की विशेष कृपा प्राप्त होती है। यह उपाय कार्यों में बाधाओं को दूर करने और मनोकामनाओं की पूर्ति में मदद करता है।

3 लाल रंग के आसन पर पूजा

पूजा के समय लाल ऊनी आसन पर बैठें और देवी का स्मरण करें। इससे मानसिक ऊर्जा बढ़ती है और जीवन में सकारात्मकता बनी रहती है।

4 दान करना

नवरात्रि में लाल चीजों का दान, पीतल की घंटी, अन्न, वस्त्र या धन का दान करना शुभ माना जाता है। इससे घर में सुख-समृद्धि आती है और भाग्य मजबूत होता है।

5 दुर्गा चालीसा का पाठ

नवरात्रि में दुर्गा चालीसा का नियमित पाठ करने से मानसिक शांति मिलती है। यह उपाय रोगों और कर्ज जैसी परेशानियों से भी राहत दिलाता है।

6 मंत्र जाप

मां दुर्गा को प्रसन्न करने के लिए "ॐ ह्रीं दुं दुर्गायै नमः" या "सर्व मंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके, शरण्ये त्र्यंबके गौरी नारायणि नमोस्तुते" मंत्र का जाप करें। आप चाहें तो देवी के नामों का स्मरण भी कर सकते हैं।

7 सकारात्मक सोच और भक्ति

मां दुर्गा की कृपा पाने का सबसे सरल तरीका है सच्ची भक्ति और सकारात्मक सोच। पूरे दिन में कुछ समय देवी के नाम का स्मरण करें और उनके प्रति श्रद्धा रखें।

पूजा करते समय आसन का प्रयोग क्यों करना चाहिए?

जानिए धार्मिक महत्व और नियम

हिंदू धर्म में पूजा-पाठ करने के कई नियम बताए गए हैं, अगर इन नियमों का पालन ना किया जाए तो पूजा को अधूरा माना जाता है या तो पूजा का फल नहीं मिलता। हमारे शास्त्रों में कुछ नियम बताए गए हैं जिनका पालन करना आवश्यक माना गया है। जैसे पूजा करते समय सिर को ढंककर रखना, साफ और शुद्ध कपड़े पहनना, दिशा का ध्यान रखना और सबसे जरूरी आसन पर बैठकर पूजा करना। कई बार लोग बिना आसन के ही पूजा करने लगते है, जिसे धार्मिक दृष्टि से अशुभ माना जाता है।

धार्मिक मान्यताएं

शास्त्र के नियमों के अनुसार साधक जहां पर भी बैठकर पूजा कर रहा हो, मंदिर का स्थान उससे ऊंचा रहना चाहिए। मगर कई बार लोग मंदिर को थोड़ा ऊपर बना लेते हैं, वरना जगह न होने की वजह से दीवार पर मंदिर को सेट कर देते हैं। जिसकी वजह से उन्हें खड़े होकर पूजा करनी पड़ती है। मगर यह करने से उचित फल नहीं मिलता और इसे शास्त्रीय नियमों के खिलाफ भी माना जाता है।

पूजा करते समय इन नियमों का करें पालन

पूजा करते समय आसन का इस्तेमाल करें।

पूजा करते समय ये ध्यान रखें की आसन का कपड़ा साफ और शुद्ध हो।

पूजा में बैठते वक्त आपका मुख हमेशा पूर्व दिशा में होना चाहिए।

आसन के दाहिने ओर घंटी, धूप, अगरबत्ती और दीप होने चाहिए।

वहीं बायीं ओर पूजा की सामग्री जैसे फल, फूल, जल का पात्र और शंख होने चाहिए।

आसन पर बैठकर पूजा करनी क्यों जरूरी

धार्मिक ग्रंथों में बताया गया है कि, पूजा करते समय भक्त और भगवान के बीच संवाद का क्षण होता है। जिस वजह से मन और शरीर स्थिर रहने चाहिए और आसन पर बैठने से स्थिरता बनी रहती है।

पहले के समय में भी ऋषि-मुनियों ध्यान करने के लिए विशेष आसनों का ही प्रयोग करते थे। इसलिए इन नियमों का पालन करने से साधक को अच्छा फल मिलता और पूजा भी शास्त्रीय रूप से सार्थक मानी जायेगी।

सूर्य आज करेंगे हस्त नक्षत्र में प्रवेश

संभलकर रहें ये 3 राशियों वाले, हो सकती है आर्थिक हानि

सूर्य ग्रह 27 सितंबर को उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र से निकलकर चंद्रमा के स्वामित्व वाले हस्त नक्षत्र में प्रवेश कर जाएंगे। सूर्य का नक्षत्र परिवर्तन करना सभी राशियों पर कुछ न कुछ प्रभाव डालेगा। राशिचक्र की कुछ ऐसी राशियां भी हैं जिनके लिए सूर्य का नक्षत्र परिवर्तन करना नकारात्मक साबित हो सकता है। इन राशियों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है और करियर क्षेत्र में भी परेशानियां आ सकती हैं, आइए जान लेते हैं कौन सी हैं ये राशियां।

मेष राशि

सूर्य के नक्षत्र परिवर्तन करने के बाद आपके विरोधी सक्रिय हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में होने वाली राजनीति से आपको बचना चाहिए नहीं तो विपरीत परिस्थिति में फंस सकते हैं। इस राशि वालों को सूर्य के नक्षत्र परिवर्तन करने के बाद धन से जुड़े फैसले सोच-समझकर लेने चाहिए। गलत संगति में पड़कर आपके धन का नुकसान हो सकता है। इस राशि के लोगों को किसी भी ऐसे कार्य में हिस्सा नहीं लेना चाहिए जिसमें कानूनी नियमों का उल्लंघन हो। उपाय के तौर पर सूर्य ग्रह के मंत्रों का जप आपको करना चाहिए।

तुला राशि

तुला राशि के लोगों को सूर्य के गोचर के दौरान पैसों से जुड़ी परेशानियां आ सकती हैं। आपकी जमापूंजी गलत वजह से खर्च हो सकती है। इसलिए आपको सही बजट बनाकर आगे बढ़ना चाहिए। जो लोग नौकरी की तलाश में हैं उनको मेहनत बढ़ाने की जरूरत होगी। वाहन चलाते समय भी आपको सावधानी बरतनी होगी। सिर में दर्द और गले से संबंधित परेशानियां आपको हो सकती हैं, इसलिए सेहत का ख्याल रखें। उपाय के तौर पर आपको गुड़, चना आदि का दान करना चाहिए।

कुंभ राशि

सूर्य के नक्षत्र परिवर्तन के बाद आप कुछ मामलों को लेकर उलझ सकते हैं। खासकर करियर से जुड़ा कोई मामला आपको परेशान कर सकता है। जॉब बदलने का विचार बना रहे हैं तो सोच-समझकर आगे बढ़ें। धन की स्थिति में सुधार करने के भी आपको प्रयास करने होंगे। बिना सलाह लिए निवेश करना नुकसानदायक साबित हो सकता है। अनजाना भय आपको परेशान करेगा। कुंभ राशि के जातकों को उपाय के तौर पर योग-ध्यान करना चाहिए और हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए।

चमोली का गांव द्रोणागिरि

जहां हनुमान जी की पूजा नहीं होती है? जानिए इसका कारण

उत्तराखंड को देवभूमि यानी देवों की भूमि भी कहा जाता है। यहां बड़े ऋषि-महार्षियों ने पहाड़ों और जंगलों में घोर तपस्या और यज्ञ किए हैं। यहां तक की चार धामों में से एक धाम भी उत्तराखंड की धरती पर स्थित है। जहां हर साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान के दर्शन-पूजन के लिए आते हैं। उत्तराखंड में कदम-कदम पर देवी-देवताओं के छोटे से लेकर बड़े मंदिर देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में देवभूमि उत्तराखंड में एक गांव ऐसा भी है, जहां हनुमान जी की पूजा करना तो दूर, उनका नाम लेना भी पसंद नहीं किया जाता है।

जी हां अपने बिल्कुल सही पढ़ा है। आज हम उसी गांव के बारे में आपको बताने जा रहे हैं और इसके पीछे क्या कारण है? जानेंगे।

उत्तराखंड के इस गांव में हनुमान जी की पूजा वर्जित

उत्तराखंड के चमोली जिले में पहाड़ों के बीच स्थित गांव जिसका नाम द्रोणागिरी है, इस गांव में हनुमान जी की पूजा नहीं की जाती है। ये परंपरा सदियों से चली आ रही है।

दरअसल इसके पीछे एक पौराणिक कथा है। इस कथा के अनुसार रामायण काल में रावण के पुत्र मेघनाद ने जब ब्रह्म अस्त्र का इस्तेमाल कर लक्ष्मण जी को मूर्छित कर दिया था, तब इस घटना से राम जी काफी ज्यादा आहत हुए थे। ऐसे में रावण के भाई विभीषण के कहने पर हनुमान जी लंका से सुसैन वैद्य को अपने साथ लेकर आते हैं। जिसके बाद सुसैन वैद्य हनुमान जी को लक्ष्मण जी के लिए संजीवनी बूटी लाने को कहते हैं। बिना देरी किए हनुमान जी संजीवनी बूटी लाने के लिए द्रोणागिरी पर्वत की ओर निकल पड़ते हैं। लेकिन वहां पहुंचने के बाद हनुमान जी संजीवनी बूटी की पहचान नहीं कर पाते हैं, तब वह अपने साथ पूरा का पूरा पर्वत ही लंका ले जाते हैं। द्रोणागिरी गांव के लोगों के मुताबिक हनुमान जी संजीवनी बूटी को बिना ग्राम देवी की अनुमति के ले गए थे, जिससे गांव के लोग काफी ज्यादा नाराज हुए और उनसे सभी तरह के नाते-रिश्ते तोड़ लिए। हालांकि सबसे हैरान कर देने वाला वाक्या रामनवमी के दिन देखने को मिलता है, जहां द्रोणागिरी गांव के लोग धूमधाम से रामनवमी का पर्व मनाते हैं, लेकिन हनुमान जी की पूजा-अर्चना और नाम लेना तक पसंद नहीं करते हैं।

जून महीने में होता है द्रोणागिरी उत्सव

हर साल जून माह में द्रोणागिरी पर्वत पर धूमधाम से उत्सव किया जाता है। दरअसल यहां के स्थानीय लोग द्रोणागिरी पर्वत को भगवान की तरह पूजते हैं।

द्रोणागिरी कैसे जाएं

द्रोणागिरी गांव जाने के लिए सबसे पहले हरिद्वार, ऋषिकेश या देहरादून पहुंचे और फिर वहां से आप जोशीमठ के लिए बस या टैक्सी भी कर सकते हैं। इसके बाद आप जुम्मा गांव तक जाने के लिए गाड़ी कर लीजिए। इसके बाद आपको 8 किलोमीटर की ट्रैकिंग के जरिए द्रौणागिरी गांव पहुंच जाएंगे।

पलामू का चमत्कारी मंदिर

निःसंतान दंपतियों को दर्शन से मिलता है पुत्र का आशीर्वाद

झारखंड के पलामू जिले के बंदुआ गांव में स्थित माता मंगला गौरी मंदिर आस्था और चमत्कार का केंद्र माना जाता है। यहां विवाहिता जोड़े संतान प्राप्ति और अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए विशेष रूप से आते हैं। यहां मांगी हुई हर मुराद पूरी होती है। झारखंड का यह मंदिर इकलौता मंगला गौरी मंदिर है। जिसकी स्थापना तांत्रिक राम दत्त मिश्र ने सैकड़ों वर्ष पूर्व तंत्र-मंत्र विधि से की थी। तभी से यह स्थान भक्तों की आस्था और विश्वास का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। यहां सैकड़ों वर्षों से पूजा अर्चना होते आ रही है। यहां सच्चे मन से पूजा करने पर हर मनोकामना पूरी होती है।

भभूत को सिर पर लगाने से रोग दूर हो जाते हैं और संतानहीन दंपति यहां पूजा करने पर संतान सुख प्राप्त करते हैं। श्रद्धालु मंदिर में नारियल और चुनरी अर्पित करते हैं। 1980 के बाद से यहां श्रद्धालुओं का विश्वास लगातार बढ़ा है। बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश से बड़ी संख्या में भक्त यहां दर्शन के लिए आते हैं। यहां शिव स्थल है। इसके साथ मंदिर में एक तालाब भी है।

पुजारी ने आगे बताया कि बिहार के गया बाद, झारखंड के पलामू जिले में ही मंगला गौरी माता का मंदिर है। यहां केवल हिंदू ही नहीं बल्कि मुस्लिम, सिख, ईसाई और अन्य धर्मों के लोग भी अपनी मन्नत लेकर आते हैं। मां के दरबार से कोई खाली हाथ नहीं लौटता। मंदिर का दरबार सुबह 4 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक खुलता है। संतान प्राप्ति के बाद श्रद्धालु यहां छठ पर्व भी मनाते हैं।

इसके साथ यहां कई बीमारियों के लिए भी श्रद्धालु पहुंचते है। मेदिनीनगर निवासी बिट्टू जैन ने बताया कि तीन साल तक संतान न होने के बाद, मंगला गौरी मंदिर में पूजा करने से उन्हें संतान सुख मिला। वहीं, गढ़वा जिले के नरसिंह साव ने कहा कि शादी के 8 वर्ष बाद उन्हें यहां पूजा करने से संतान प्राप्त हुई है। मंदिर के पुजारी डॉ। अजय मिश्र ने आगे कहा कि यहां आने वाले श्रद्धालु अपने कई बीमारी के इलाज कराकर जाते हैं। मान्यता है कि मां के भभूत लगाकर गंभीर बीमारी से छुटकारा मिलता है। इसके साथ अपनी मनोकामना भी पूर्ण होती है।

भगवान शिव और देवी पार्वती की कथा की सीख

बुद्धिमानी केवल उत्तर देने में नहीं है, सही समय पर सही प्रश्न पूछने में भी है

प्रजापति दक्ष के यज्ञ कुंड में देवी सती ने योग अग्नि से देह त्याग दी थी। इसके बाद भगवान शिव तप में लीन हो गए थे। काफी समय पर देवी ने हिमालयराज के यहां पार्वती के रूप में अवतार लिया। पार्वती शिव जी को पति रूप में पाना चाहती थीं, इसके लिए देवी कठोर तप कर रही थीं। उस समय भगवान शिव भी तप में लीन थे। शिव संसार से पूरी तरह विरक्त हो चुके थे। वे न संबंधों में थे, न समाज में, केवल अपनी साधना में डूबे हुए थे। एक दिन हिमालयराज अपनी पुत्री पार्वती के साथ शिव जी के पास पहुंचे। पार्वती का मन शिव को पति रूप में स्वीकार चुका था, और हिमालय राज भी यही चाहते थे। शिव जी तो गहन तपस्या में थे, वे किसी भी सांसारिक बंधन को स्वीकारने को तैयार नहीं थे।

हिमालय राज ने भगवान शिव जी प्रार्थना की कि हे प्रभु, आप एकांत में तप कर रहे हैं, यहां आपकी सेवा करने वाला कोई नहीं है। यदि आप अनुमति दें तो मेरी पुत्री पार्वती आपकी सेवा करना चाहती है। शिव जी ने स्पष्ट कहा कि स्त्री-संग से विषयों की उत्पत्ति होती है। इससे वैराग्य डगमगाने लगता है, तप बाधित होता है। मैं एकांत चाहता हूं, क्षमा करें। ये बात सुनकर देवी पार्वती ने बहुत ही मौलिक प्रश्न पूछा-

जब आप स्वयं तप में लीन हैं, तो आपको ये कैसे ज्ञात होता है कि मैं स्त्री हूं और आप पुरुष? ये प्रश्न सुनते ही शिव जी सोच-विचार करने लगे। ये केवल एक स्त्री का नहीं, एक ज्ञानी आत्मा का प्रश्न था। शिव जी ने स्वीकार किया कि हम दोनों ही अपने-अपने स्थान पर सही हैं। इसके बाद भगवान शिव ने कहा कि देवी पार्वती सीमित समय तक मेरी सेवा कर सकती हैं और फिर लौट जाएंगी।

प्रसंग की सीख

मर्यादा हर रिश्ते में जरूरी है- चाहे वह अध्यात्म हो या व्यक्तिगत रिश्ता, यदि अपनी सीमाएं स्पष्ट हों तो कोई भी रिश्ता बिगड़ता नहीं है। रिश्तों में मर्यादा बनाए रखनी चाहिए, एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए।

एकांत में आत्मनियंत्रण सर्वोपरि है - जब हम एकांत में होते हैं, विशेषकर विपरीत लिंग के साथ, तो मन की चंचलता को नियंत्रण में रखना अत्यंत आवश्यक है। ऐसा समय ही आत्मसंयम की असली परीक्षा होता है। एकांत में मन की पवित्रता बनाए रखनी चाहिए, गलत विचारों से बचना चाहिए।

बुद्धिमानी केवल उत्तर देने में नहीं, सही समय पर सही प्रश्न पूछने में भी है - पार्वती ने जिस तरह भगवान शिव से प्रश्न किया, वह दर्शाता है कि बुद्धिमानी सिर्फ उत्तर देने में नहीं है, बल्कि सही समय पर सही प्रश्न पूछने में है। बुद्धिमान व्यक्ति ही सही समय पर सही प्रश्न पूछ सकता है।

व्यवहार में संतुलन जरूरी है - भगवान शिव ने हिमालयराज की बात को न तो पूर्ण अस्वीकार किया और न ही भावनाओं में बहकर कोई निर्णय लिया, उन्होंने एक संयमित मध्यम मार्ग चुना। शिव जी ने देवी को समय-समय पर सेवा करने की अनुमति दी। हमें भी जहां तो हो सके सोच-विचार कर सही रास्ता चुनना चाहिए, तभी जीवन में सुख-शांति बनी रहती है।

संयम, मर्यादा और संतुलन बनाए रखें- ये तीन स्तंभ हैं जो हमें आत्म-विकास की ओर ले जाते हैं। चाहे संबंधों का प्रबंधन हो या आत्मबोध की यात्रा, शिव और पार्वती की ये कथा हमें संयमित रहने का संदेश देती है।

शाहरुख-गौरी के खिलाफ वानखेड़े की याचिका पर हाईकोर्ट ने उठाए सवाल, आर्यन खान की सीरीज से जुड़ा है केस

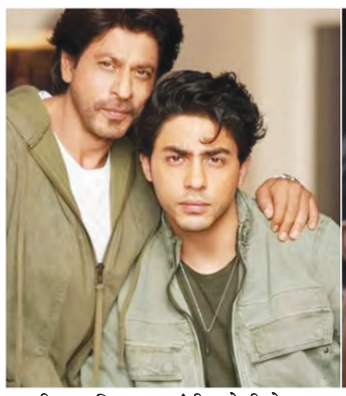

दिल्ली उच्च न्यायालय ने एनसीबी के पूर्व जोनल निदेशक समीर वानखेड़े से मानहानी के उनके मुकदमे की याचिका की स्वीकार्यता पर सवाल किए हैं। समीर वानखेड़े ने शाहरुख और उनकी पत्नी गौरी खान के मालिकाना हक वाली रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और नेटफ्लिक्स के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है। उनका आरोप है कि इन कंपनियों ने अपनी सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में कथित तौर पर उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाई है।

अदालत ने दिया संशोधन का समय

न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने वानखेड़े के वकील से पूछा कि दिल्ली में यह याचिका कैसे स्वीकार्य है। इसके जवाब में वानखेड़े के वकील अधिवक्ता संदीप सेठी ने कहा कि वेब सीरीज दिल्ली सहित सभी शहरों के लिए है और अधिकारी को यहां बदनाम किया गया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि वह अपनी याचिका में संशोधन करेंगे। इसके बाद अदालत ने उन्हें दोबारा से सही आवेदन दायर करने के लिए समय दिया, जिसके बाद ही वह मामले की सुनवाई करेगी।

याचिका में लगाए गंभीर आरोप

मानहानि का आरोप लगाते हुए अपने मुकदमे में समीर वानखेड़े ने रेड चिलीज, नेटफ्लिक्स और अन्य के खिलाफ स्थायी और अनिवार्य राहत निषेधाज्ञा, घोषणा और हर्जाने के रूप में राहत मांगी है। उन्होंने यह भी कहा है कि वह आर्यन खान के निर्देशन में बने पहले शो 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में एक झूठे, दुर्भावनापूर्ण और मानहानि करने वाले वीडियो से वह आहत हैं। याचिका में दावा किया गया कि यह सीरीज नशीली दवाओं के खिलाफ प्रवर्तन एजेंसियों को गलत व अपमानजनक तरीके से दिखाती है।

साथ ही यह सीरीज जानबूझकर समीर वानखेड़े की प्रतिष्ठा को गलत तरीके से खराब करने के इरादे से तैयार की गई है। खासकर तब जब उनसे और आर्यन खान से जुड़ी कार्यवाही बॉम्बे हाईकोर्ट और मुंबई के एनडीपीएस विशेष न्यायालय में चल रही है।

कैंसर रोगियों के इलाज के लिए मांगा 2 करोड़ का हर्जाना

इसके अलावा भी समीर वानखेड़े ने 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' पर कई अन्य आरोप लगाए हैं। क्योंकि यह अश्लील और आपत्तिजनक सामग्री के उपयोग करके राष्ट्रीय भावनाओं को ठेस पहुंचाती है। अपने मुकदमे में समीर वानखेड़े ने कैंसर रोगियों के इलाज के लिए टाटा मेमोरियल कैंसर अस्पताल को दान करने के लिए 2 करोड़ रुपये का हर्जाना मांगा है।

बिग बी का नाम अमिताभ नहीं 'इंकलाब' होता, भाई अजिताभ ने बताया 'बच्चन' सरनेम से जुड़ा किस्सा

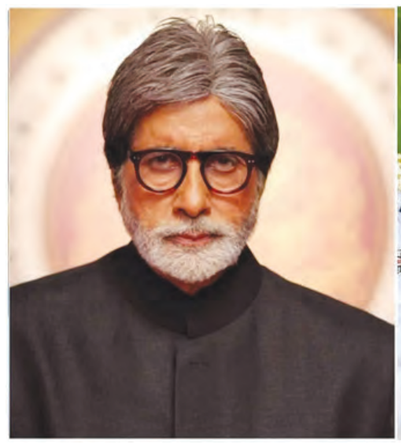

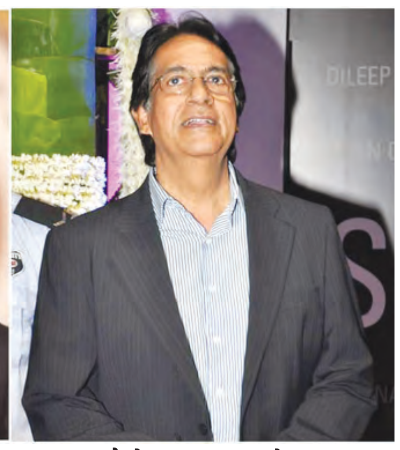

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अमिताभ के छोटे भाई अजिताभ बच्चन ने कई रोचक पहलुओं का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि बिग बी का पहले कुछ और नाम होने वाला था, जिसे बाद में बदल दिया गया था। इतना ही नहीं उन्होंने बच्चन उपनाम रखने के पीछे का रहस्य भी बताया है। पढ़िए पूरी खबर।

इस नाम से जाने जाते बिग बी

हाल ही में अजिताभ बच्चन आरजे सचिन के साथ एक बातचीत में शामिल हुए, जहां उन्होंने अपने सरनेम और बिग बी के नाम का इतिहास बताया। उन्होंने कहा, 'मेरा भाई मुझसे पांच साल बड़ा था और मेरे पिता उसका नाम 'इंकलाब' रखना चाहते थे, क्योंकि वे आजादी के लिए संघर्ष कर रहा थे। मेरा नाम 'आजाद' रखा गया, क्योंकि मेरा जन्म आजाद भारत में हुआ था।' उन्होंने आगे बताया कि उनकी बेटी, जो एक चित्रकार है, उसने इंकलाब और आजाद के चित्र बनाए हैं।

कैसे पड़ा बच्चन सरनेम?

अजिताभ बच्चन ने बताया कि उनके पिता, प्रख्यात कवि हरिवंश राय बच्चन ने जानबूझकर मूल उपनाम 'श्रीवास्तव' को हटाकर 'बच्चन' कर दिया था, क्योंकि वो जाति व्यवस्था के पक्ष में नहीं थे। अजिताभ ने आगे कहा कि यह सरनेम सबसे पहले उनके पिता जी का मां ने उन्हें दिया था। उन्होंने कहा, वह उन्हें बच्चनवा किधर है? कहकर बुलाती थीं, फिर उन्होंने इसे अपने लेखन नाम के रूप में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। फिर बाद में यह सरनेम बच्चन खानदान की पहचान बन गई।

अमिताभ बच्चन का वर्कफ्रंट

अमिताभ बच्चन 82 वर्ष की आयु में भी इंडस्ट्री में बेहद सक्रिय हैं। अभिनेता के करियर वर्कफ्रंट की बात करें तो वो नितेश तिवारी की 'रामायण' में जटायु के रोल में नजर आएंगे। उनकी इस भूमिका को देखने के लिए दर्शक काफी उत्साहित हैं। यह फिल्म साल 2026 में दीवाली पर रिलीज होगी।

नेशनल अवॉर्ड जीतने पर कमल हासन ने दी नन्ही त्रिशा को शाबाशी, कहा- तुमने मेरा रिकॉर्ड तोड़ डाला

हाल ही में 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में साल 2023 में आई फिल्म 'नाल 2' के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतने वाली त्रिशा थोसर को कमल हासन ने बधाई दी है। उन्होंने इस बात पर खुशी जताते हुए त्रिशा को शाबाशी दी है कि नन्ही अदाकारा ने उनका रिकॉर्ड तोड़ दिया है। कमल हासन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर खुशी जताई है।

कमल हासन बोले- 'बहुत बढ़िया मैडम'

कमल हासन ने अपने एक्स अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने लिखा है, ''प्यारी त्रिशा थोसर मेरी तरफ से खूब बधाई आपको। आपने मेरा रिकॉर्ड तोड़ दिया है, क्योंकि जब मुझे अपना पहला पुरस्कार मिला था, तब मैं छह साल का था। बहुत बढ़िया मैडम। अपनी बेमिसाल प्रतिभा पर काम करती रहिए। घर के बड़ों को मेरी तरफ से बहुत-बहुत बधाई'।

कमल हासन ने त्रिशा से फोन पर की बात

इसके अलावा राज कमल फिल्म्स के एक्स अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है। इसमें कमल हासन नन्ही त्रिशा को उनकी सफलता पर बधाई देते हुए उनके आगामी प्रोजेक्ट्स पर सवाल करते हैं। त्रिशा बड़ी मासूमियत से कमल हासन को जवाब देती हैं और शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त करती हैं।

त्रिशा ने चार साल की उम्र में जीता पुरस्कार

पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा है, 'कमल हासन ने अपना पहला नेशनल अवॉर्ड छह वर्ष की आयु में जीता था। वहीं, त्रिशा ने चार साल की उम्र में यह प्रतिष्ठित अवॉर्ड अपने नाम कर लिया है'। बता दें कि 'नाल 2' मराठी फिल्म है।

मौत से दो दिन पहले काजोल के पिता ने सलमान से की थी ये डिमांड, अभिनेता ने किया खुलासा

काजोल और ट्विंकल खन्ना के बहुचर्चित शो 'टू मच' की शुरुआत 25 सितंबर से हो गई। इस शो में सबसे पहले मेहमान के तौर पर आमिर और सलमान खान शामिल हुए और दोनों ने खुलकर अपने विचार प्रकट किए। हालांकि बातचीत के दौरान सबसे भावुक पल तब आया जब सलमान ने काजोल के पिता और फिल्म निर्माता शोमू मुखर्जी के साथ अपने रिश्ते को याद किया, जिनका 2008 में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। चलिए जानते हैं पूरी बात।

काजोल के पिता के करीबी थे सलमान खान

सलमान खान ने बातचीत में काजोल के दिवंगत पिता और फिल्म निर्माता शोमू मुखर्जी संग अपने संबंधों पर बात की। उन्होंने कहा, 'काजोल के पिता और हम बहुत करीब थे, बहुत करीब। वह हफ्ते में लगभग दो बार घर आते थे। दरअसल, अपने निधन से ठीक दो दिन पहले, वह आए थे। वह उस दिन हमेशा की तरह अपनी लुंगी पहने हुए आए थे। हालांकि वह बहुत मुश्किल दौर से गुजर रहे थे और उनकी तबियत ठीक नहीं थी।'

आखिरी बातचीत को किया याद

सलमान ने काजोल के पिता संग अपनी आखिरी बातचीत के बारे में बताया, जो कई साल तक उनके यादों में रहीं। अभिनेता ने कहा, 'उन्होंने कहा, 'यार, एक ड्रिंक पिला' मैंने जवाब दिया, 'नहीं, शोमू दा, मैं...' लेकिन उन्होंने जिद की, 'मैं कुछ दिनों में जा रहा हूं। एक मेरे को पिला दे।' मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूं। उन्होंने फिर कहा, 'पिला यार।' तो मैंने उनके लिए एक ड्रिंक बनाई और दो दिन बाद, उनकी मौत हो गई।' पिता के बारे में इस बात को सुनकर शो होस्ट काजोल भावुक हो गईं।

सलमान खान का वर्कफ्रंट

सलमान खान की फिल्मों की बात करें, तो उन्हें आखिरी बार 'सिकंदर' में देखा गया था। वहीं उनकी आगामी फिल्मों की बात करें, तो उन्हें 'बैटल ऑफ गलवां' में देखा जाएगा। वहीं इस वक्त अभिनेता बिग बॉस 19 शो को होस्ट कर रहे।

करीना कपूर खान ने गुलज़ार से मुलाकात की दिग्गज गीतकार के साथ तस्वीरें साझा कीं

गीतकार गुलजार की बेटी और निर्देशक मेघना गुलजार की फिल्म 'दायरा' की शूटिंग शुरू हो चुकी है। इसकी पहले दिन की शूटिंग से जुड़ा वीडियो करीना ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया और फिल्म से जुड़ी जानकारी साझा की है। इसके बाद गुलजार के साथ कुछ तस्वीरें भी एक अन्य इंस्टाग्राम पोस्ट पर करीना ने शेयर की हैं। इन तस्वीरों को फैंस ने भी काफी पसंद किया है।

करीना ने गुलजार साहब संग मुलाकात को

खास बताया

करीना ने गुलजार साहब संग कई तस्वीरें शेयर की हैं। एक तस्वीरें में वह गुलजार साहब का हाथ थामे खड़ी हैं। अन्य तस्वीरें में गुलजार, मेघना संग करीना मुस्कुराती दिख रही हैं। अपनी पोस्ट के साथ एक कैप्शन भी वह लिखती हैं, 'गुलजार साहब से मिलना हुआ, चलो मेरे लिए सब कुछ हो गया।' साथ ही वह लिखती हैं, 'किताबों (गुलजार साहब की लिखी) के लिए एक दिल।'

यूजर ने भी दिए रिएक्शन

करीना कपूर की पोस्ट पर यूजर ने भी रिएक्शन दिए हैं। गुलजार साहब के लिए हार्ट इमोजी बनाए हैं। एक यूजर लिखता है, 'दो लीजेंड एक फ्रेम में।' एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, 'बहुत ब्यूटीफुल पिक्स।' कई यूजर ने तो लिखा कि उन्हें फिल्म 'दायरा' का इंतजार है।

'दायरा' में ये पॉपुलर साउथ एक्टर भी आएगा नजर

मेघना गुलजार निर्देशित फिल्म 'दायरा' में करीना कपूर के अलावा साउथ एक्टर पृथ्वीराज सुकुमारन भी लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म को लेकर करीना कपूर भी काफी एक्साइटेड हैं। वह मेघना संग काम करके काफी खुश हैं। इस बात को अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में भी साझा कर चुकी हैं।

खत्म हुआ फैंस का इंतजार, 'अवतार 3' की जादुई दुनिया ला रहे है जेम्स कैमरून

जेम्स कैमरून एक बार फिर अपने दर्शकों को उस जादुई और रहस्यमयी दुनिया में ले जा रहे हैं जिसने साल 2009 से अब तक सिनेमा के इतिहास में कई रिकॉर्ड तोड़े हैं। 'अवतारः फायर एंड ऐश' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है और इसके साथ ही पेंडोरा की धरती पर संघर्ष की लपटें और तेज होती दिख रही हैं।

बॉक्स ऑफिस पर उम्मीदें

साल 2022 में आई 'अवतारः द वे ऑफ वॉटर' ने दुनिया भर में लगभग 2.3 अरब डॉलर यानी करीब 19,090 करोड़ रुपये की कमाई की थी और ऑस्कर में बेस्ट विजुअल इफेक्ट्स का अवॉर्ड जीता। जबकि 2009 की अवतार आज भी 2.9 अरब डॉलर से ज्यादा की कमाई के साथ दुनिया की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी हुई है। इस लिहाज से फायर एंड ऐश से उम्मीदें और भी ज्यादा बढ़ गई हैं।

फिल्म के ट्रेलर में क्या दिखा?

इस बार कहानी और गहरी है और दर्द भी ज्यादा नजर आ रहा है। सुली परिवार अपने बड़े बेटे नेतेयाम की मौत का गम झेल रहा है। परिवार के इस दर्द के बीच पेंडोरा पर एक नई चुनौती खड़ी होती है—ऐश पीपल नाम की नई नावी जनजाति। इस जनजाति की अगुवाई वरांग कर रही हैं, जिसका किरदार ऊना चैपलिन निभा रही हैं। ये समूह बेहद आक्रामक है और पेंडोरा पर एक नई तरह का तनाव पैदा करता है।

फिल्म का निर्देशन

फिल्म का निर्देशन और लेखन जेम्स कैमरून ने रिक जाफा और अमांडा सिल्वर के साथ मिलकर किया है। इसमें जोश फ्रीडमैन और शेन सालर्नो ने भी कहानी को आकार दिया है। दर्शकों को एक बार फिर जेक सुली और नेयतिरी की जोड़ी देखने को मिलेगी, जिनकी भूमिकाओं में सैम वर्थिंगटन और जोई सलदाना हैं। इस बार सिर्फ विजुअल्स ही नहीं, बल्कि भावनाएं भी ज्यादा तीव्र होंगी। नेतेयाम की मौत से टूटा हुआ सुली परिवार और पेंडोरा पर बढ़ता तनाव- यही फिल्म की थीम बताई जा रही है।

फिल्म की स्टार कास्ट

फिल्म में पुराने चेहरे तो हैं ही, साथ ही कुछ नए किरदार भी कहानी में गहराई जोड़ते दिखेंगे। इसमें सिगॉर्नी वीवर, स्टीफन लैंग, क्लिफ कर्टिस, जोएल डेविड मूर, एडि फाल्को, डेविड थियोलिस, जेमेन क्लेमेंट, जियोवानी रिबिसी, ब्रिटेन डाल्टन, जैमी फ्लैटर्स, ट्रिनिटी जो-ली ब्लिस, जैक चैम्पियन और यहां तक कि केट विंसलेट तक नजर आने वाली हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म?

20वीं सेंचुरी स्टूडियोज फिल्म की रिलीज से पहले 3 अक्टूबर को 'अवतारः द वे ऑफ वॉटर' को एक हफ्ते के लिए 3D में दोबारा सिनेमाघरों में ला रही है। वहीं कैमरून ने चौथे और पांचवें पार्ट की भी तैयारी कर ली है। अवतार 4 साल 2029 और अवतार 5 साल 2031 में रिलीज़ किए जाने का लक्ष्य है। अवतारः फायर एंड ऐश 19 दिसंबर को रिलीज होगी।

लंदन से आता है तान्या मित्तल के लिए बिस्किट ? 'बिग बॉस 19' कंटेस्टेंट्स के सामने किया खुलासा

ग्वालियर की रहने वाली तान्या मित्तल जब से रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' में आई हैं, तब से चर्चा में हैं। वह 'बिग बॉस' हाउस में अपने बड़े-बड़े दावों के कारण मशहूर हो चुकी हैं। कई बार तान्या की अमीरी का बखान सुनकर बाकी प्रतियोगी हंसने लगते हैं। हाल ही में तान्या मित्तल ने दावा किया कि उनका कॉफी पीने रूटीन बड़ा शाही है।

कॉफी पीने ग्वालियर से आगरा जाती है तान्या मित्तल

हाल ही में 'बिग बॉस 19' की प्रतियोगी नीलम गिरी ने तान्या से उसका कॉपी रूटीन पूछा? इस पर तान्या ने कहा, 'यहां तो लोगों को कुछ नहीं पता, मैं बहुत डाउन टू अर्थ होने का नाटक करती हूं। कॉफी पीने पता है मैं कहां जाती हूं? ग्वालियर से जाऊंगी आगरा, आगरा से कॉफी खरीद के पीती नहीं हूं, वो कॉफी ठंडी होनी चाहिए। तो एक आइस बॉक्स के साथ चलती हूं। कॉफी उसमें राखी जात है और फिर मैं ताज महल की तरफ जाती हूं। ताजमहल के पीछे एक गार्डन है, उस गार्डन में जो बेंच है, वहां बैठकर कॉफी पीती हूं।'

पहले भी कर चुकीं तान्या बड़े-बड़े दावे

यह पहली बार नहीं है जब तान्या मित्तल ने अपने शाही दावों से सबका ध्यान खींचा है। इससे पहले तान्या कहा था कि उनके पास 150 बॉडीगार्ड हैं। ग्वालियर वाले घर में सिर्फ कपड़ों के लिए एक पूरी मंजिल है। उन्होंने बिग बॉस के सफर के लिए 800 साड़ियां भी खरीदी थीं। वह पानी भी सिर्फ चांदी की बोतल से पीती हैं।

प्रतियोगी बनाते हैं इंफ्लुएंसर की बातों का मजाक

रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' के बाकी प्रतियोगी जब तान्या की बातें सुनते हैं तो वे उसकी बातों को मजाक में लेते हैं। ऑडियंस को भी तान्या की बातों पर यकीन नहीं होता है। सोशल मीडिया पर कुछ लोगों का दावा है कि तान्या केवल दिखावा कर रही हैं।

आशुतोष गोवारिकर ने भी शाहरुख को नेशनल अवॉर्ड जीतने पर दी बधाई, कहा-हमारा सफर काफी शानदार रहा

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने जबसे 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का अवॉर्ड अपने नाम किया है, लोग लगातार उन्हें बधाइयां दे रहे हैं।

अब इसी क्रम में शाहरुख की फिल्म 'स्वदेस' के निर्देशक आशुतोष गोवारिकर ने भी शाहरुख को बधाई दी है। आशुतोष गोवारिकर ने शाहरुख के लिए एक इमोशनल नोट भी लिखा है। आशुतोष गोवारिकर 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के निर्णायक मंडल में भी शामिल थे।

निर्देशक ने लिखा खास संदेश

निर्देशक ने शाहरुख के साथ नेशनल अवॉर्ड जीतने के बाद की एक तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर में दोनों कैमरे की ओर पोज देते हुए मुस्करा रहे हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए आशुतोष ने लिखा, 'हमारा सफर काफी शानदार रहा है। हर कोई अपना रास्ता खुद बना रहा है। आज इस प्रतिष्ठित मंच पर, जो हमारे देश का सर्वोच्च पुरस्कार है, आपके अद्भुत कौशल का सम्मान करने के लिए हम एक साथ आ आए हैं। बधाई हो शाहरुख।'

शाहरुख के साथ 'स्वदेस' बना चुके हैं आशुतोष

आशुतोष गोवारिकर ने साल 2004 में शाहरुख खान को लेकर 'स्वदेस' फिल्म बनाई थी। उस वक्त ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तो सफल नहीं रही थी। लेकिन समीक्षकों ने फिल्म की काफी तारीफ की थी। हालांकि, अब इस फिल्म को हिंदी सिनेमा की कल्ट फिल्मों में गिना जाता है। इस फिल्म के लिए भी बेस्ट सिंगर और सिनेमैटोग्राफी का नेशनल अवॉर्ड मिला था। 'स्वदेस' को शाहरुख के करियर की सबसे उम्दा फिल्मों में से एक माना जाता है और इसके लिए उनके अभिनय की भी तारीफ होती है।

शाहरुख के करियर का पहला नेशनल अवॉर्ड

71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में शाहरुख खान के साथ विक्रांत मैसी को भी सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला है। वहीं रानी मुखर्जी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला है। शाहरुख को ये अवॉर्ड 2023 में आई उनकी फिल्म 'जवान' के लिए मिला है। यह शाहरुख के करियर का पहला नेशनल अवॉर्ड है।

पूर्व इनकम टैक्स चीफ कमिश्नर को 4 साल की सजा

चांदी का कप और सोने की चम्मच करता था इस्तेमाल, पूर्व आईटीओ को भी जेल

जोधपुर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। जोधपुर में रिश्वत मामले में इनकम टैक्स विभाग के पूर्व मुख्य आयकर आयुक्त पवन कुमार शर्मा और पूर्व आईटीओ शैलेंद्र भंडारी को चार-चार साल की सजा सुनाई गई है। कोर्ट ने दोनों पर 1.10 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया। जोधपुर के स्पेशल सीबीआई कोर्ट के जज भूपेंद्र सनाढ्य ने शुक्रवार को फैसला सुनाया। वहीं बिचौलिए की भूमिका निभाने वाले ज्वेलर को बरी कर दिया।

पवन कुमार शर्मा 1981 बैच का आईआरएस अधिकारी रहा। सीबीआई को जांच के दौरान उसके बंगलों में हर कमरे में 18-18 हजार रुपए के डिजाइनर पंखे लगे मिले थे। इन्हें चांदी के कप में चाय पीने और सोने के चम्मच का इस्तेमाल करने का शौक था। इसके अलावा अलग-अलग जिलों में भी संपत्ति मिली थी। मामला 31 मार्च 2015 का है। बाड़मेर के व्यापारी की शिकायत के बाद पवन कुमार शर्मा, शैलेंद्र भंडारी और

ज्वेलर चंद्रप्रकाश कट्टा भी गिरफ्तार किया गया था।

व्यापारी से रिश्वत मांगी, 23 लाख रुपए की हुई डील

बाड़मेर के व्यापारी किशोर जैन ने सीबीआई को शिकायत दी थी। इसमें बताया था कि आयकर विभाग ने उसकी टैक्स देनदारी को मूल 2.5 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 12 करोड़ रुपए कर दिया था। इस मामले को निपटाने के लिए विभाग के अधिकारियों ने शुरुआत में 25 लाख रुपए की रिश्वत की मांग की थी। जो बाद में बातचीत के बाद 23 लाख रुपए तय हुई। किशोर जैन की शिकायत के बाद सीबीआई ने ट्रैप ऑपरेशन की योजना बनाई। 31 मार्च 2015 को जौहरी चंद्रप्रकाश कट्टा के शोरूम पर शैलेंद्र भंडारी को 15 लाख रुपए की रिश्वत लेते समय रंगे हाथों पकड़ा गया। यह रकम कथित तौर पर मुख्य आयकर आयुक्त पवन कुमार शर्मा की तरफ से ली जा रही थी। इस ऑपरेशन में सीबीआई ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया था। गिरफ्तारी के बाद जांच में सीबीआई के सामने हैरान करने वाली जानकारी सामने आई। पवन कुमार शर्मा के पास जयपुर, जोधपुर, अजमेर और बेंगलुरु में कुल 400 करोड़ रुपए की संपत्ति होने की बात पता चली। उसके बंगलों के हर कमरे में 18-18 हजार रुपए के डिजाइनर पंखे लगे थे। चांदी के कप में चाय पीने और सोने के चम्मच का इस्तेमाल करने का शौक था। उसके घर से 50 बोतल महंगी विदेशी शराब भी बरामद हुई थी।

पूर्व कमिश्नर की 8 संपत्तियों पर छापेमारी की थी

सीबीआई ने तीनों आरोपियों के खिलाफ आईपीसी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था। आरोप था कि विभाग के अफसरों ने किशोर जैन से उसकी कंपनी के वर्ष 2012-13 के आयकर असेसमेंट को सुलझाने के लिए 23 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। सीबीआई कोर्ट ने 1 अप्रैल 2015 को तीनों को तीन दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा था।

जयपुर-दिल्ली नेशनल हाईवे पर मां-बेटी को कंटेनर ने कुचला

बुजुर्ग की मौके पर ही मौत

एरिया भीड़भाड़ वाला, ड्राइवर ने कम नहीं की थी स्पीड

कोटपूतली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर-दिल्ली नेशनल हाईवे पर एक तेज रफ्तार कंटेनर ने मां-बेटी को कुचल दिया। हादसे में बुजुर्ग महिला की मौत हो गई।

वहीं, उसकी बेटी गंभीर घायल हुई है। दोनों रात्रि जागरण से लौट रही थी। सड़क पार करने के दौरान कंटेनर की चपेट में आ गईं। एक्सीडेंट गुरुवार सुबह 7 बजे कोटपूतली-बहरोड़ जिले के पावटा बस स्टैंड के पास हुआ। घटना का सीसीटीवी फुटेज आज सामने आया है।

आईएएस अर्चना सिंह एपीओ-पीएम मोदी की सभा में वीडियो नहीं चलने पर गिरी गाज

जयपुर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गुरुवार को बांसवाड़ा के नापला में आयोजित सभा के दौरान आई तकनीकी गड़बड़ी की गाज एक आईएएस पर गिरी है। मामला सामने आने के बाद राजस्थान सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की सचिव आईएएस अर्चना सिंह को एपीओ कर दिया है।

हालांकि कार्मिक विभाग की ओर से उन्हें एपीओ किए जाने का जो आदेश जारी किया गया है उसमें प्रशासनिक कारणों का हवाला दिया गया है। जानकारी के अनुसार , बांसवाड़ा में आयोजित इस सरकारी कार्यक्रम

के दौरान जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंच पर पहुंचे, उसी समय बड़ी तकनीकी समस्या उत्पन्न हो गई। करीब 10 मिनट तक मंच से केवल पीएम मोदी की आवाज सुनाई दी, लेकिन वीडियो स्क्रीन पूरी तरह ब्लैक आउट रही। वीडियो फीड नहीं चल रहा था। इसके पहले किसानों के साथ प्रस्तावित संवाद का हिस्सा भी प्रभावित हुआ। उस समय भी बार-बार ऑडियो-वीडियो में समस्या आ रही थी। कार्यक्रम के तकनीकी संचालन की जिम्मेदारी सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की थी, जिसकी सचिव के रूप में अर्चना सिंह तैनात थीं। ऐसे में सभा के बाद राज्य सरकार ने उन्हें हटाकर एपीओ कर दिया। सरकार की तरफ से ब्यूरोक्रेसी को लेकर यह बड़ा एक्शन माना जा रहा है। अर्चना सिंह 2004 बैच की वरिष्ठ आईएएस अधिकारी हैं और राज्य में कई महत्वपूर्ण विभागों में सेवाएं दे चुकी हैं। फिलहाल उन्हें कोई नया कार्यभार नहीं सौंपा गया है।

मामा-भांजे ने फाइनेंस कंपनी बनाई, करोड़ों रुपए लेकर फरार

अलवर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। मामा-भांजे ने नवअंश इंडिया निधि लिमिटेड के नाम से फाइनेंस कंपनी बनाई। खुद का ऑफिस खोला और लोगों को रकम पर साल का 24% तक ब्याज देने का झांसा दिया। बॉन्ड, पासबुक और रसीदें भी छपवाईं। पहले कुछ साल ब्याज के साथ रुपए लौटाकर विश्वास जीता। इसके बाद लोग झांसे में आकर मेहनत से कमाई हुई मोटी रकम (फिक्स्ड डिपॉजिट) और (रिकरिंग डिपॉजिट) में जमा कराने लगे।

15 साल में निवेश के नाम पर जमा किए गए करोड़ों रुपए लेकर मामा-भांजा फरार हो गए। आक्रोशित लोगों ने गांव में उनके घर में घुसकर तोड़फोड़ कर दी और तीन बाइक आग के हवाले कर दी। पुलिस पहुंची तो लोगों का गुस्सा देख लौटना पड़ा, लेकिन बाद में भारी फोर्स के साथ आई। फिलहाल गांव में शांति है। अब गांव के घर-घर में एक ही चर्चा है कि मेहनत से कमाकर जमा किया रुपया वापस कैसे आएगा? सिलाई, खेतों में मेहनत-मजदूरी कर जमा कराए रुपयों से किसी को बेटियों की शादी करनी थी।

बैंक अकाउंट्स की खरीद-फरोख्त करने वाले तीन ठग गिरफ्तार

महाराष्ट्र से लाकर बेचते थे फर्जी खाते

जयपुर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। करधनी थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए बैंक अकाउंट्स की खरीद-फरोख्त करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक नाबालिग बाल अपचारी को भी निरुद्ध किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 11 चेकबुक, 9 पासबुक, 13 डेबिट कार्ड और 8 सिम कार्ड बरामद किए हैं।

डीसीपी जयपुर (पश्चिम) हनुमान प्रसाद मीना ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में आशीष नीलकंठ मुंडे (32) निवासी कपिल नगर नागपुर और जयंत शंकर अतकरी (27) निवासी जरिपटका नागपुर, महाराष्ट्र शामिल हैं। इनके अलावा सीकर के एक नाबालिग को निरुद्ध किया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि ये लोग नागपुर में गरीब लोगों और कॉलेज स्टूडेंट्स को 5 से 7 हजार रुपये का लालच देकर बैंक अकाउंट खुलवाते थे।

खाता खुलवाने के बाद आरोपी इन्हें जयपुर लाकर साइबर क्रिमिनल्स को 15 से 25 हजार रुपये तक में बेच देते थे। पुलिस जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि आरोपियों द्वारा उपलब्ध कराए गए सभी बैंक खाते हाल ही में खोले गए थे। इससे अंदेशा है कि गिरोह बड़ी संख्या में नए बैंक अकाउंट्स को साइबर ठगों तक पहुँचा चुका है। पुलिस का मानना है कि इन खातों का इस्तेमाल देशभर में साइबर ठगी, ऑनलाइन फ्रॉड और मनी लॉन्ड्रिंग जैसी गतिविधियों में किया जा सकता है। यही कारण है कि पुलिस अब आरोपियों से गहन पूछताछ कर गिरोह से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

साइबर सेल ने जयपुर में गिरोह को दबोचा

> ऑनलाइन ठगी कर क्रिप्टो में बदलते थे पैसे

जयपुर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। पुलिस मुख्यालय की साइबर सेल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ऐसे अंतर-राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो पूरे देश में लोगों को ऑनलाइन ठगी का शिकार बना रहा था। इस गिरोह के चार सदस्यों को जयपुर के एक होटल से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके पास से 6 मोबाइल, 5 बैंक पासबुक, 6 चेकबुक, 12 एटीएम, 19 सिम कार्ड, आधार कार्ड, पैन कार्ड और एक क्रेटा कार सहित मादक पदार्थ भी जब्त किया है।

होटल में बैठकर चला रहे थे ठगी का धंधा

यह कार्रवाई साइबर क्राइम के उप महानिरीक्षक पुलिस विकास शर्मा एवं एसपी शांतनु कुमार सिंह के निर्देश पर की गई। पीएचक्यू साइबर सेल के कांस्टेबल सच्चिदानंद शर्मा को सूचना मिली थी कि जयपुर के गोविंदपुरा में स्थित "होटल लेजेंड" के एक कमरे में कुछ लोग संगठित होकर साइबर ठगी का रैकेट चला रहे हैं। ये लोग व्हाट्सएप और टेलीग्राम के जरिए आम लोगों से संपर्क करते और उन्हें धोखे में रखकर उनके बैंक खातों से पैसे निकाल लेते थे। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए होटल पर

छापा मारा। साइबर सेल टीम ने जब कमरा नंबर 207 खुलवाया, तो वहाँ चार लोग मिले। पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि वे मिलकर लोगों के साथ धोखाधड़ी कर रहे हैं। इन आरोपियों की पहचान विष्णु दत्त पुत्र रामस्वरूप खींचड़ व देवीलाल गोदारा पुत्र शंकर लाल (36) निवासी बीकानेर, विवेक कुमार जायसवाल पुत्र शंकर प्रसाद (33) निवासी छत्तीसगढ़ और राहुल चौधरी पुत्र झाबरमल (23) निवासी श्रीमाधोपुर सीकर के रूप में हुई है।

क्रिप्टोकरेंसी में बदल देते थे ठगी का पैसा

जांच में सामने आया कि ये अपराधी लोगों से ठगे गए पैसे को सीधे बैंक खाते में नहीं रखते थे, बल्कि उसे यूएसडीटी (क्रिप्टोकरेंसी) में बदल देते थे। इससे पुलिस के लिए पैसों का पता लगाना मुश्किल हो जाता था। ये कमीशन पर बैंक खाते और फर्जी सिम कार्ड खरीद उन खातों में ठगी की रकम प्राप्त किया करते थे, ताकि उनका पता न चल सके। टीम ने आरोपियों के पास से 6 मोबाइल, 5 बैंक पासबुक, 6 चेकबुक, 12 एटीएम, 19 सिम कार्ड, आधार कार्ड, पैन कार्ड और एक क्रेटा कार जब्त की है।

होटल मालिक भी जांच के दायरे में

साइबर सैल टीम ने पाया कि होटल मालिक नरेंद्र बिजारणिया (47) निवासी सीकर ने इन अपराधियों को बिना किसी पहचान पत्र या रजिस्टर में एंट्री के रहने दिया था। उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। आरोपियों में से एक विष्णु दत्त के पास से 118 ग्राम अफीम भी बरामद हुई। होटल मालिक व अफीम जब्ती के बारे में करधनी पुलिस को सूचना देकर अलग से मुकदमा दर्ज कराया गया। इस पूरे ऑपरेशन को सफल बनाने वाली टीम में एसएचओ सुगन सिंह डीएसपी, पुलिस निरीक्षक राधेश्याम, सहायक उप निरीक्षक अजय कुमार, कांस्टेबल कृष्ण कुमार, बनवारी लाल, सुभाष चाहर, जयसिंह, अमित कुमार, मोतीराम, दीपक, चालक सुबेसिंह शामिल थे।

नाबालिग लड़के से गलत काम करवा रही थी शादीशुदा महिला

मां की शिकायत पर पुलिस ने सेक्सुअल टॉर्चर के आरोप में पकड़ा

बीकानेर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के बीकानेर जिले के नापासर थाना क्षेत्र से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 24 वर्षीय शादीशुदा महिला को नाबालिग लड़के का सेक्शुअल टॉर्चर करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। शुरूआत में महिला ने खुद को पीड़ित बताकर नाबालिग पर रेप का आरोप लगाया, लेकिन पुलिस जांच में पूरा सच सामने आ गया।

महिला नाबालिग से संबंध बनाकर करने लगी ब्लैकमेल

थानाधिकारी लक्ष्मण सुथार के अनुसार, करीब दो महीने पहले दर्ज केस की जांच में पता चला कि महिला ही नाबालिग का यौन शोषण कर रही थी। जब लड़के ने उसकी मांगें मानने से इनकार किया तो महिला ने उसे धमकाना शुरू कर दिया। यहां तक कि पैसों की मांग करने लगी और दबाव बनाने के लिए पुलिस में रेप केस दर्ज करा दिया।

नाबालिग लड़के के परिवार की शिकायत पर खुला राज

पीड़ित की मां ने जुलाई में पुलिस अधीक्षक को दी शिकायत में बताया था कि महिला ने उनके बेटे का न केवल शोषण किया, बल्कि उसके खाते से रुपए निकलवाए और 10 हजार का मोबाइल भी ले लिया। महिला लगातार बेटे पर दबाव बना रही थी। बाद में जब लड़के ने इनकार किया तो उसने झूठा मामला दर्ज करा दिया। नाल थाने में दर्ज हुए रेप केस की जांच के दौरान महिला के आरोप झूठे पाए गए। नापासर पुलिस ने गहन जांच कर आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया।

हमले के दो आरोपी गिरफ्तार

कुल्हाड़ी और लाठी से युवक पर किया था हमला, मोबाइल भी छीना

खेतड़ी, 26 सितंबर (एजेंसियां)। बुहाना में पुलिस ने शाम को जानलेवा हमले के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी उमराव सिंह के अनुसार, घटना 6 सितंबर की है। पीड़ित अनिल सिंह रात करीब 10 बजे रामकिशन सिंह के घर से लौट रहा था। ललित सिंह के घर के सामने पहले से घात लगाए बैठे प्रदीप सिंह, निक्कू और अमरसिंह ने उसे रोक लिया। आरोपियों ने कुल्हाड़ी, लाठी और सरियों से अनिल के सिर और हाथों पर हमला कर दिया। बेहोश अनिल को ललित सिंह अस्पताल ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद उसे गंभीर चोटों के कारण झुंझुनूं रेफर किया गया।आरोपियों ने अनिल को मृत समझकर उसका मोबाइल भी छीन लिया।

मामला दर्ज होने के बाद एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया। मुखबिर की सूचना पर प्रदीप सिंह और निक्कू को गिरफ्तार कर लिया गया। थानाधिकारी ने बताया कि निक्कू पर पहले से दो और प्रदीप पर एक मामला दर्ज है। आरोपियों से पूछताछ जारी है।

पाकिस्तानी जासूस चार दिन की रिमांड पर

> जांच एजेंसियों को खुफिया सौदों के राज मिलने की उम्मीद

जयपुर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तानी जासूस हनीफ खान को सीआईडी इंटेलिजेंस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे चार दिन की रिमांड पर भेजा गया है। इंटेलिजेंस को उम्मीद है कि आने वाले चार दिनों में हनीफ खान कई बड़े राज खोलेगा। जांच में यह सामने आ सकता है कि हनीफ खान हिंदुस्तान और पाकिस्तान में किन-किन लोगों से संपर्क में था और इस जासूसी नेटवर्क के लिए उसने कितनी रकम ली थी। इसके अलावा, ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी कौन-कौन सी जानकारियां पाकिस्तान को बेची गईं, कितने पैसों में सौदा हुआ और भारतीय सेना से संबंधित कौन-कौन सी खुफिया जानकारियां उसने पाकिस्तान तक पहुंचाईं—इन सभी का खुलासा इस रिमांड अवधि में होने की उम्मीद है।

आरोपी पर भारतीय सेना से संबंधित गोपनीय जानकारियां पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई (आईएसआई) को भेजने का आरोप है। सीआईडी इंटेलिजेंस ने इस मामले में

स्टेट सीक्रेट एक्ट 1923 के तहत मामला दर्ज किया गया है। सीआईडी इंटेलिजेंस की टीम को हनीफ मीर खान (47), निवासी बासनपिर जुनी, थाना सदर, जो वर्तमान में मोहांगढ़, जैसलमेर में रह रहे हैं, की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। जांच में पता चला कि वह सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी से संपर्क में था।

मामले की गहन जांच जारी

आईजीपी (आईजीपी) सीआईडी (सिक्योरिटी) डॉ. विष्णुकांत ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है और इसकी गहन जांच जारी है। जानकारों का कहना है कि आरोपी से पूछताछ के बाद कई अहम जानकारियां भी सामने निकलकर आ सकती हैं। हालांकि, ऑपरेशन सिंदूर के बाद से सेना समेत तमाम भारतीय सुरक्षा एजेंसियां अपनी चौकसी और भी बढ़ा दी हैं।

राजस्थान पुलिस ने खुलासा किया है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए काम कर रहा जासूस हनीफ खान, भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास स्थित बहला गांव का निवासी है। सीमा क्षेत्र के नजदीक होने के कारण उसे सेना की गतिविधियों तक आसानी से पहुंच हासिल थी। पुलिस जांच में सामने आया कि हनीफ खान के पास महत्वपूर्ण सैन्य ठिकानों और सेना की मूवमेंट से जुड़ी गोपनीय जानकारी थी।

भीलवाड़ा में 1.62 करोड़ का डोडा-चूरा पकड़ा

बोलेरो पिकअप में 10 क्विंटल माल की तस्करी, क्रेटा कार कर रही थी एस्कॉर्ट

भीलवाड़ा, 26 सितंबर (एजेंसियां)। भीलवाड़ा में 1 करोड़ 62 लाख का अवैध डोडा-चूरा पकड़ा गया है। यह 10 क्विंटल माल एक बोलेरो भरकर ले जाया जा रहा था। एक क्रेटा कार इसको एस्कॉर्ट कर रही थी। नाकाबंदी में रायपुर थाना पुलिस और डीएसटी ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। बोलेरो के साथ क्रेटा कार को भी जब्त किया गया।

डीएसटी के इनपुट पर हुई कार्रवाई रायपुर थाना प्रभारी अर्जुन लाल ने बताया कि डीएसटी के कॉन्स्टेबल गोपाल राम ने टेलीफोन पर पुलिस को बताया कि डीएसटी के इंचार्ज हेड कॉन्स्टेबल अशोक कुमार गंगापुर से रायपुर की तरफ आ रही 2 गाड़ियों का पीछा कर रहे हैं।

अंधेरे का फायदा उठाकर ड्राइवर फरार

इनमें एक क्रेटा कार, एक बोलेरो को एस्कॉर्ट कर रही है और गाड़ी का ड्राइवर पुलिस जीप को देखकर मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया। क्रेटा गाड़ी के पीछे आ रही बोलेरो पिकअप का ड्राइवर पुलिस को देखकर पिकअप को पारवती गांव की ओर कच्चे रास्ते की तरफ ले जाने लगा।

बोलेरो पिकअप और क्रेटा कार जब्त

इस दौरान जब पीछा किया तो अंधेरा होने के चलते ड्राइवर मौके से भाग निकला। पिकअप की तलाशी ली तो इसमें बड़ी मात्रा में अफीम डोडा चूरा भरा मिला। थाने लाकर वजन करवाने पर यह 10 क्विंटल 81 किलोग्राम निकला, जिसकी बाजार कीमत 1 करोड़ 62 लाख 15 हजार रूपए आंकी गई। पुलिस ने अफीम करते हुए तस्करी के काम आ रही पिकअप और क्रेटा कार को जब्त किया है और एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू की

ये थे टीम में शामिल

इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में रायपुर थाना प्रभारी अर्जुन लाल, साइबर सेल इंचार्ज आशीष कुमार, रायपुर थाने के हेड कॉन्स्टेबल शिवराज, जगदीश लाल, अशोक कुमार, कॉन्स्टेबल गोपाल, कन्हैयालाल, शंकरलाल, सुभाष, श्रवण, दिनेश दशरथ और मुखराम शामिल रहे।

जंगल में रोते हुए मिला नवजात

संत आश्रम ले गए, नहलाकर गाय का दूध पिलाया तो रोना हुआ बंद

पाली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। पाली में जंगल में कटी लकड़ियों पर एक नवजात रोते हुए मिला। आवाज सुनकर एक संत मौके पर पहुंचे और उसे अपने आश्रम ले आए।

इसके बाद मासूम को नहलाया और गाय का दूध पिलाया, तब जाकर उसका रोना शांत हुआ। बाद में मौके पर पहुंची पुलिस के साथ संत नवजात को लेकर हॉस्पिटल पहुंचे। जहां उसकी हालत ठीक है। जैतपुर थाना प्रभारी जबर सिंह ने बताया कि भांवरी गांव के भगनाड के निकट जंगल में कटी पड़ी लकड़ियों पर 1 से 3 दिन का नवजात कपड़े में लिपटा हुआ था, जो रो रहा था। पशुपालक दिनेश ने निकट ही आश्रम के रहने वाले संत मनमोहन दास को सूचना दी।

नागौर की सियासत में मिर्धा परिवार का बड़ा फैसला

तेजपाल ने फिर थामा कांग्रेस का दामन, बीजेपी को झटका

नागौर, 26 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में मिर्धा परिवार का नाम हमेशा ही एक सियासी तूफान के पर्याय के रूप में लिया जाता रहा है। मारवाड़ के इस जाट बहुल इलाके में मिर्धा वंश की जड़ें इतनी गहरी हैं कि कभी कांग्रेस को मजबूत करने वाले नाथूराम मिर्धा के वारिस आज भाजपा की ओर झुकते नजर आ रहे हैं।

ताजा घटनाक्रम में कुचेरा नगरपालिका के पूर्व अध्यक्ष तेजपाल मिर्धा ने अपने 500 से अधिक समर्थकों के साथ कांग्रेस को अलविदा कह दिया और भाजपा में शामिल हो गए। देर रात प्रगतिशील संगठन (कांग्रेस समर्थित) का दामन थाम लिया। यह कदम 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान हुए

दृश्यों की याद दिला रहा है, जब तेजपाल ने गठबंधन प्रत्याशी हनुमान बेनीवाल के खिलाफ खुला विद्रोह किया था। लेकिन अब, ज्योति मिर्धा के खिलाफ पार्टी के संगठन की गुटबाजी के चलते उन्होंने फिर से कांग्रेस का दामन थाम लिया।

यह घटना नागौर की सियासत को एक नया आयाम दे रही है। तेजपाल मिर्धा, जो खींवसर विधानसभा क्षेत्र से 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर लड़े थे, ने उस समय राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के हनुमान बेनीवाल के खिलाफ मैदान संभाला था। बेनीवाल, जो आरएलपी के संस्थापक हैं और 2019 के लोकसभा चुनाव में नागौर से जीते थे, ने ज्योति मिर्धा को हराया था।

लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस-आरएलपी गठबंधन के तहत बेनीवाल को ही टिकट मिला, जिससे मिर्धा परिवार में खलबली मच गई। तेजपाल ने तब खुलेआम बेनीवाल के खिलाफ प्रचार किया और ज्योति मिर्धा का समर्थन किया। परिणामस्वरूप, अप्रैल 2024 में कांग्रेस ने तेजपाल सहित तीन नेताओं-खराम डोडवाडिया और भंवरराम सूबका-को छह साल के लिए निष्कासित कर दिया।

अंतर्राज्यीय गांजा तस्कर गिरोह का भंडाफोड़, एक आरोपी गिरफ्तार

नौ लाख रुपये का 18 किलोग्राम गांजा बरामद

दक्षिण मध्य रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना संख्या डीआरएम/वर्क्स/एससी/92-103/2025/ओटी, दि.22-09-2025

PUB/1165

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.22-10-2025 के 14.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्याः 01, ई-निविदा संख्याः 92 _सीआर _एससी _ 25_ ओटी, कार्य विवरणः एससी-केजेडजे सेक्शनः डीएलएस/काजीपेट-डीजल लोकोशेड, काजीपेट पर इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव्ज की होमिंग के लिए डिजल शेड्स के सुविधाओं में वृध्दि या अगमेंटेशन। अनुमानित निविदा मूल्य रू. 1,11,09,110.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.2,05,600.00, पूरा करने की अवधिः09 महिने, रखरखाव अवधि महिनों मेः 36, मानक पात्रता के प्रति समान प्रकृति का समझा जानेवाला कार्यः सी-2 - कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य (ट्रैक कार्यों/झोनल कार्यों को छोडकर)।

क्रम संख्याः 02, ई-निविदा संख्याः 93 _डब्ल्यू _एससी _ 25_ ओटी, कार्य विवरणः एससी-डब्ल्यूडी एण्ड वीकेबी-पीआरएलआय सेक्शनः एसडब्ल्यू 1) तत्संबंधित अनुलग्नक नुसार, विभिन्न स्थानों पर कुल लम्बाई 68.52 किमी (एससी-डब्ल्यूडी-68.52 टीकेएम) के लिए, बीसीएम द्वारा डीप स्क्रीनींग सहित ट्रैक की थरो बल्लास्टींग का टीबीआर कार्य। एसडब्ल्यू 2) तत्संबंधित अनुलग्नक नुसार, विभिन्न स्थानों पर कुल लम्बाई 6.55 किमी (एससी-डब्ल्यूडी-6.55 टीकेएम) के लिए, टीबीआर (लूप लाइन्स) कार्य। एसडब्ल्यू 3) तत्संबंधित अनुलग्नक नुसार, विभिन्न स्थानों पर, (1 इन 12)-120 सेट्स (एससी-डब्ल्यूडीः1 इन 12-120 सेट्स) के लिए, टीबीआर (पीएण्डसी) कार्य। एसडब्ल्यू 4) तत्संबंधित अनुलग्नक नुसार, विभिन्न स्थानों पर, कुल 100 सेट्स (60 केजी-100 सेट्स) के लिए, एसइजे का संपूर्ण नवीनीकरण-टीडब्ल्यूएसइजे कार्य। एसडब्ल्यू 5) तत्संबंधित अनुलग्नक नुसार, विभिन्न स्थानों पर, कुल 125 नग, एससी-डब्ल्यूडी (60 केजी-100 नग), वीकेबी-पीआरएलआय (60 केजी-25 नग) के लिए, ग्लूड जायंट्स का संपूर्ण नवीनीकरण- कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रू.5,06,42,690.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.4,03,300.00, पूरा करने की अवधिः12 महिने, रखरखाव अवधि महिनों मेः 45 (दिन), मानक पात्रता के प्रति समान प्रकृति का समझा जानेवाला कार्यः एफ-3 - ट्रैक रखरखाव कार्यों सहित कोई भी रेलवे ट्रैक कार्य।

क्रम संख्याः 03, ई-निविदा संख्याः 94 _डब्ल्यू _एससी _ 25_ ओटी, कार्य विवरणः डब्ल्यूडी- एससी सेक्शनः एसडब्ल्यू 1) तत्संबंधित अनुलग्नक नुसार, बल्लास्ट कुषन की रिकुपमेंट तथा 35 सेमी तक वृध्दि सहित तथा पैसेंजर रन्निंग लूप लाइन पर कुल लम्बाई 2.56 किमी के लिए बल्लास्ट की डीप स्क्रीनींग सीटीआर(पी) कार्य। एसडब्ल्यू 2) कुल 42 सेट्स के लिए फैन आकारित लेआउट पर लीड रेल्स सहित वेडेबुल सीएमएस क्रासिंग्स को मिलाकर, नई फैन आकारित लेआउट 60 केजी थिक वेब स्विचेस सहित इएक्सजी.52/60 केजी स्वीचेस, लीड रेल्स एवं क्रांसिग्स इन रन्निंग लाइन्स का संपूर्ण टर्नआउट रिन्युएल या नवीनीकरण से जुडा टीटीआरआर (एफएस+टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी) कार्य। एसडब्ल्यू 3) तत्संबंधित अनुलग्नक नुसार, विभिन्न स्थानों पर कुल लम्बाई 65.91 किमी (एससी-डब्ल्यूडी-65.91 टीकेएम) के लिए, पीएससी स्लीपर ट्रैक पर फिट्टींग का संपूर्ण नवीनीकरण से जुडा टीएफआर (सभी फिट्टिंग) कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रू.3,01,78,390.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.3,00,900.00, पूरा करने की अवधिः12 महिने, रखरखाव अवधि महिनों मेः 45 (दिन), मानक पात्रता के प्रति समान प्रकृति का समझा जानेवाला कार्यः एफ-1 - ट्रैक रखरखाव कार्यों सहित कोई भी रेलवे ट्रैक कार्य।

क्रम संख्याः 04, ई-निविदा संख्याः 95 _डब्ल्यू _एससी _ 25_ ओटी, कार्य विवरणः एसआर. डीइएन/पश्चिम/एससी क्षेत्राधिकार के तहत स्टेशनों में दिव्यांगजन सुविधाओं का प्रावधान। अनुमानित निविदा मूल्य रू.2,06,82,981.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.2,53,500.00, पूरा करने की अवधिः09 महिने, रखरखाव अवधि महिनों मेः 36, मानक पात्रता के प्रति समान प्रकृति का समझा जानेवाला कार्यः सी-2 - कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य (ट्रैक कार्यों/झोनल कार्यों को छोडकर)।

क्रम संख्याः 05, ई-निविदा संख्याः 96 _एन_एससी _ 25_ ओटी, कार्य विवरणः एडीइएन/पश्चिम/बीपीए सब-डिवीजन के तहत एसकेजेडआर,एएसएएफ & एमएजीएच कालोनियो में स्टेजिंग सहित पुराने वाटर टैंक का रिप्लेसमेंट या प्रतिस्थापन। अनुमानित निविदा मूल्य रू.2,83,11,017.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.2,91,600.00, पूरा करने की अवधिः09 महिने, रखरखाव अवधि महिनों मेः 36, मानक पात्रता के प्रति समान प्रकृति का समझा जानेवाला कार्यः सी-2 - कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य (ट्रैक कार्यों/झोनल कार्यों को छोडकर)।

क्रम संख्याः 06, ई-निविदा संख्याः 97 _एन_एससी _ 25_ ओटी, कार्य विवरणः एसआर.डीइएन/नार्थ/एससी क्षेत्राधिकार के तहत एसडब्ल्यू 1) बीपीक्यू-केजेडजे सेक्शनः टीबीआर (मेन लाइन))- विभिन्न स्थानों पर कुल लम्बाई 68.303 किमी के लिए डीप स्क्रीनींग सहित संपूर्ण बल्लास्टींग कार्य। एसडब्ल्यू 2) बीपीक्यू-केजेडजे सेक्शनः टीबीआर (लूप लाइनें))- विभिन्न स्थानों पर कुल लम्बाई 2.257 किमी के लिए डीप स्क्रीनींग सहित संपूर्ण बल्लास्टींग कार्य। एसडब्ल्यू 3) बीपीक्यू-केजेडजे सेक्शनः कुल 49 सेट्स के लिए टीबीआर (पीएण्डसी) कार्य। एसडब्ल्यू 4) बीपीक्यू-केजेडजे सेक्शनः टीएफआर (सभी फिट्टींग्स) - कुल लम्बाई 27.682 किमी के लिए पीएससी स्लीपर पर फिट्टींग्स् का संपूर्ण नवीनीकरण कार्य। एसडब्ल्यू 5) बीपीक्यू-केजेडजे सेक्शनः टीएफआर (सीजीआरएसपी) - कुल लम्बाई 60.693 किमी के लिए पीएससी स्लीपर पर सीजीआरएसपी का संपूर्ण नवीनीकरण कार्य। एसडब्ल्यू 6) बीपीक्यू-केजेडजे सेक्शनः 106 सेट्स का संपूर्ण या थरो टर्नआउट रिन्युअल या नवीनीकरण टीटीआर कार्य। एसडब्ल्यू एसडब्ल्यू 7) कुल 64 सेट्स के लिए, एसइजे का संपूर्ण नवीनीकरण कार्य। एसडब्ल्यू एसडब्ल्यू 8) कुल 256 नग के लिए, ग्लूड जायंट्स का संपूर्ण नवीनीकरण कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रू 6,59,34,697.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.4,79,700.00, पूरा करने की अवधिः12 महिने, रखरखाव अवधि महिनों मेः 45 (दिन), मानक पात्रता के प्रति समान प्रकृति का समझा जानेवाला कार्यः एफ-3 - कोई भी ट्रैक रखरखाव कार्य सहित कोई भी रेलवे ट्रैक कार्य।

क्रम संख्याः 07, ई-निविदा संख्याः 98 _एन_एससी _ 25_ ओटी, कार्य विवरणः 1) बीपीक्यू-केजेडजे सेक्शनः(डीएन, युपी, युडी), अनुलग्नक नुसार, कुल लम्बाई 14.595 किमी के लिए, पैसेंजर रन्निंग लूप लाइनों पर रिकुपमेंट तथा बल्लास्ट कुशन की 30 से.मीं. तक वृध्दि एवं बल्लास्ट की डीप स्क्रीनींग से जुडा सीटीआर(पी) कार्य। 2) बीपीक्यू-केजेडजे सेक्शनः(डीएन, युपी, युडी लाईन), अनुलग्नक नुसार, कुल लम्बाई 4.303 किमी के लिए, टीआरआर(पी) कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रू.5,47,84,065.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.4,24,000.00, पूरा करने की अवधिः12 महिने, रखरखाव अवधि महिनों मेः 45 (दिन), मानक पात्रता के प्रति समान प्रकृति का समझा जानेवाला कार्यः एफ-1 - ट्रैक रखरखाव कार्य सहित कोई भी रेलवे ट्रैक कार्य।

क्रम संख्याः 08, ई-निविदा संख्याः 99 _एनडब्ल्यू_एससी _ 25_ ओटी, कार्य विवरणः डीइएन/उत्तर-पश्चिम/एससी सेक्शन के तहत विभिन्न स्थानों पर एसडब्ल्यू 1) बीआयडीआर-जीआर सेक्शनः(एसएल लाइन), केएचएनपी से टीजेएसपी स्टेशनों के बीच, कुल लम्बाई 37.710 किमी के लिए, बल्लास्ट क्लीनींग मशीन (बीसीएम) द्वारा डीप स्क्रीनींग सहित ट्रैक का संपूर्ण बल्लास्ट नवीनीकरण करना। 2) वीकेबी--पीआरएलआय सेक्शनः(एसएल लाईन), वीकेबी -परली स्टेशनों के बीच कुल लम्बाई 14.99 किमी के लिए, बल्लास्ट क्लीनींग मशीन (बीसीएम) द्वारा डीप स्क्रीनींग सहित ट्रैक का संपूर्ण बल्लास्ट नवीनीकरण कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रू.2,14,28,748.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.2,57,200.00, पूरा करने की अवधिः09 महिने, रखरखाव अवधि महिनों मेः 45 (दिन), मानक पात्रता के प्रति समान प्रकृति का समझा जानेवाला कार्यः एफ-3 - ट्रैक रखरखाव कार्य सहित कोई भी रेलवे ट्रैक कार्य।

क्रम संख्याः 09, ई-निविदा संख्याः 100 _एनडब्ल्यू_एससी _ 25_ ओटी, कार्य विवरणः वीकेबी-परली सेक्शन-सिकंदराबाद डिवीजन के पानगांव स्टेशन के बल्लास्ट डिपो पर रेलवे विनिर्देशनानुसार, 50एमएम गेड हार्ड तथा ड्यूरेबुल मशीन से कुचला हुवा स्टोन बल्लास्ट की आपूर्ति, स्टैकिंग करना एवं यांत्रिक पध्दतियों द्वारा हापर्स/ ट्राफिक बल्लास्ट वैगन्स में तत्संबंधित का लदान या लोडिंग कार्य (मात्राः 80,000 सीयुएम)। अनुमानित निविदा मूल्य रू.8,61,17,600.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.5,80,600.00, पूरा करने की अवधिः15 महिने, रखरखाव अवधि महिनों मेः शून्य, मानक पात्रता के प्रति समान प्रकृति का समझा जानेवाला कार्यः इ-1 - कार्य। झोनल रखरखाव कार्य को छोडकर, अधोलिखित कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य जैसे, 1) मशीन से कुचला हुवा ग्रेडेड स्टोन एग्रीगेट्स या रेलवे ट्रैक बल्लास्ट की आपूर्ति (या) 2) फ्लेक्सीबुल सहित सडक का निर्माण या रिजीड पेवमेन्ट या ग्रेन्युलर सब-बेस (जीएसबी) को बिछाना 3) फाउण्डेशन .या सब स्ट्रक्चर या मुख्य पुलों का कान्क्रीट में सुपर स्ट्रक्चर का निर्माण कार्य।

क्रम संख्याः 10, ई-निविदा संख्याः 101 _सीओ_एससी _ 25_ ओटी, कार्य विवरणः हैदराबाद-अम्ब्रेला वर्क्स के तहत टीएस/एचवायबी पर इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव्ज के लिए अतिरिक्त ट्रिप फैसीलीटीज या सुविधाओं का सृजन या क्रिएशन। अनुमानित निविदा मूल्य रू.1,93,85,322.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.2,47000.00, पूरा करने की अवधिः09 महिने, रखरखाव अवधि महिनों मेः 36, मानक पात्रता के प्रति समान प्रकृति का समझा जानेवाला कार्यः सी-2 - ट्रैक कार्यों/ झोनल कार्यों को छोडकर) कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य।

क्रम संख्याः 11, ई-निविदा संख्याः 102 _बीआरएस_एससी _ 25_ ओटी, कार्य विवरणः एसडब्ल्यू 1) वर्ष 2024-25 के दौरान एडीइएन /ब्रिजेस/एससी क्षेत्राधिकार के तहत एसएसइ/बीआर/दक्षिण/केजेडजे में पुलों तथा स्ट्रक्चर्स की कन्वेन्शनल पेंटिंग (अनुलग्नक- ए -में स्ट्रक्चर्स की सूची संलग्न)। एसडब्ल्यू 2) वर्ष 2024-25 के दौरान ब्रिजेस/एससी क्षेत्राधिकार के तहत एसएसइ/बीआर/उत्तर/केजेडजे में पुलों तथा स्ट्रक्चर्स की कन्वेन्शनल पेंटिंग (अनुलग्नक-बी- में स्ट्रक्चर्स की सूची संलग्न)। एसडब्ल्यू 3) वर्ष 2025-26 के दौरान एडीइएन/ब्रिजेस/एससी क्षेत्राधिकार के तहत एसएसइ/बीआर/एससी में पुलों तथा स्ट्रक्चर्स की कन्वेन्शनल पेंटिंग। एसडब्ल्यू 4) वर्ष 2025-26 के दौरान एडीइएन/ब्रिजेस/एससी क्षेत्राधिकार के तहत एसएसइ/बीआर/उत्तर/केजेडजे में पुलों तथा स्ट्रक्चर्स की कन्वेन्शनल पेंटिंग। अनुमानित निविदा मूल्य रू.1,99,44,829.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.2,49,800.00, पूरा करने की अवधिः09 महिने, रखरखाव अवधि महिनों मेः 36, मानक पात्रता के प्रति समान प्रकृति का समझा जानेवाला कार्यः बी-6 - (ए) पुलों की पेंटिंग या स्टील स्ट्रक्चर की मेटलाइजेशन या वर्कशाप जैसे रूफ ट्रस्सेज/स्टील कालम्स में स्टील वर्क की पेंटिंग या स्टील चैनल स्लीपर्स या स्टील प्लेटफार्म शेल्टर आदि का तत्संबंधित कार्य या स्टील गिर्डर्स की फ्रैबिकेशन एवं इरेक्शन कार्य जिसमें पेन्टिंग आफ मेम्बर्स जो एक अभिन्न अंग है।

क्रम संख्याः 12, ई-निविदा संख्याः 103 _एस_एससी _ 25_ ओटी, कार्य विवरणः केटीपीएस साइडिंग के लीड लाइन पर 4 अनमैन्ड या मानवरहित एलसीज मैन्निंग या मानवजनित के लिए प्रस्तावित बेसिक इन्फ्रास्ट्रक्चर कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रू.92,46,375.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.1,85,000.00, पूरा करने की अवधिः06 महिने, रखरखाव अवधि महिनों मेः 36, मानक पात्रता के प्रति समान प्रकृति का समझा जानेवाला कार्यः सी-2 - कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य (ट्रैक कार्यों /झोनल कार्यों को छोडकर)

निविदाकार केवल ई-टेंडरिंग माध्यम से ही भाग ले सकते हैं तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स पर विचार नही किया जायेगा।

निविदा शर्तें/अन्य विवरण आईआरइपीएस के वेबसाइटः www. ireps.gov.in पर निविदा दस्तावेजो में उपलब्ध है, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, जिसमें भाग लिया जा सकता है तथा यदि कोई परिवर्तन हो तो उसका अवलोकन कर सकते हैं।

सभी भावी निविदाकारों से अनुरोध है कि, पूर्व धरोहर राशि या पूधरा को केवल आनलाइन पेमेंट्स/बीजी द्वारा ही जमा करें।

निविदा दस्तावेज को एसआर. डीइएन/को-आर्डिनेशन, का कार्यालय, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद पर स्थित नोटिस बोर्ड स्थान पर प्रदर्शित किया गया है जिसे सभी कार्यदिवसो में देखा जा सकता है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए किसी भी निविदा को रध्द या निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है।

सभी भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, जीएसटीआयएन पहचान संख्या प्राप्त करें तथा इसे अपने आफर सहित प्रस्तुत करें।

एसआर. डीइएन/को-आर्ड./सिकंदराबाद

A1497

निविदा शर्तों/ विस्तृत विवरण जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिन्ग हेतु कृपया हमारा वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद रेलवे पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल की संयुक्त कार्रवाई में एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। ओडिशा के बेरहामपुर से महाराष्ट्र के जलना तक गांजा की तस्करी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के पास से 18.254 किलोग्राम सूखा गांजा बरामद किया गया, जिसकी बाजार कीमत 9,12,700 रुपये आंकी गई है। सिकंदराबाद रेलवे पुलिस पूरी तरह तरह एक एक्शन पर है। रेलवे पुलिस ने गांजा तस्करों पर शिकंजा कस दिया है। लगातार गांजा तस्करों को सलाखों के पीछे भेज रही है। रेलवे पुलिस सिकंदराबाद के अनुसार गांजा के साथ पकड़ा गया रवि हीरालाल चौधरी, मंता नाका, विट्ठल मंदिर, म्हाडा कॉलोनी, जालना टाउन, महाराष्ट्र का रहने वाला है। आरोपी बिना किसी मेहनत-मजदूरी के विलासितापूर्ण जीवन शैली का आदी है, और उसने जानबूझकर गलत लाभ के लिए गांजे का अवैध परिवहन चुना। इससे पहले, उसे सदर बाजार पुलिस स्टेशन, महाराष्ट्र में हत्या के प्रयास के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था, जिसके लिए उसे दोषी ठहराया गया था। कारावास के दौरान, वह मादक पदार्थों के अपराधियों के संपर्क में आया और ओडिशा के बरहामपुर में गांजा व्यापार के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसी के आधार पर, उसने पहले गांजा खरीदा, छोटे पैकेट बनाए और जालना में लाभ के लिए उन्हें बेचा। आरोपी बीते 24 सितंबर को बरहामपुर वन क्षेत्र से 18 किलोग्राम गांजा खरीदकर लेकर चला था। वह सितंबर को दोपहर लगभग 12:30 बजे, सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के टिकट काउंटर पर जालना जाने वाली देवगिरी एक्सप्रेस में चढ़ने का इंतजार कर रहा था। इसी बीच रेलवे पुलिस ने उसे पकड़ लिया और पूछताछ करने पर उसने स्वीकार किया कि सूटकेस में गांजा है। आईआरपी बी. साईश्वर गौड़, आरएचसी एसके अब्दुल रहमान, आरपीसी पी. नरेंद्र और आरपीएस सिकंदराबाद के के. चंद्र शेखर आरपीसी, आरपीएफ स्टाफ भवानी शंकर सारस्वत आईपीएफ/एससी, एम. वेंकट रेड्डी आरपीएफ एसआई/एससी और टी. लक्ष्मणा आरपीएफ एचसी/एससी पोस्ट के साथ समन्वय करके चंदना दीप्ति, रेलवे पुलिस अधीक्षक और एस.एन. जावेद, डीएसआरपी एससी(यू) की देखरेख में आरोपी को गिरफ्तार किया। आईजीपी रेलवे और सड़क सुरक्षा के. रमेश नायुडू ने जीआरपी सिकंदराबाद और आरपीएफ के अधिकारियों और कर्मियों की सराहना करते हुए पुरस्कार देने की घोषणा की है।

मूसापेट में श्री संकट मोचन प्राचीन हनुमान मन्दिर में आगामी 5 अक्टोबर को आयोजित मूर्ति प्रतिष्ठा एवं एक शाम गौमाता के नाम के पोस्टर का लोकार्पण अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित महंत मदनमोहन महाराज, गौरत्न जसमत पटेल, रिद्धीश जागीरदार, स्वामी कमलेश महाराज, रजेश मझेठीया एवं अन्य महानुभव।

मनमंदिर में धूमधाम से डांडिया महोत्सव

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शक्तिधाम चिन्नाशापुर, हैदराबाद में मनमंदिर की लेडीज ग्रुप ने डांडिया महोत्सव का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में मनमंदिर के फाउंडर अनुराधा बंसल, पद्मा अग्रवाल, सीमा खंडेलवाल, सपना थिरानी और मधु की गरिमामयी उपस्थिति रही। किटी के सभी सदस्यों और अतिथियों ने गरबा की मस्ती में झूमकर खूब आनंद लूटा।

पुरस्कारों की बौछार, मनोरंजक गेम्स, स्वादिष्ट प्रसाद, और माँ के अभिभूत दर्शन-अर्चन से सभी ने माँ की कृपा का अनुभव किया।

होस्ट बाय नंदिनी, सपना थिरनी, जयश्री, जयश्री दिवाकर, विनीत खेतान, अर्चना अग्रवाल, ललिता बंसल, अंबिका, कविता पचेरिया, मीरा बंसल आदि ने भी इसमें भाग लिया।

अग्रणी महिला मंच द्वारा हैदरगुड़ा स्थित टिना खंडेलवाल के निवास स्थान पर बतुकम्मा मनाया गया। अवसर पर अध्यक्ष सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, संगीता जजोड़िया, प्रीति गोयल, सपना जैन, नीता अग्रवाल, जॉली गुप्ता, अंजना मेहता आदि उपस्थित थे।

सनातनी हिंदू व्यापारियों की व्यावसायिक बैठक

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू टू हिंदू बिजनेस नेटवर्किंग एच2एच प्रगति (विशाखापट्टनम चैप्टर) ने सनातनी हिंदू व्यापारियों के लिए एक व्यावसायिक बैठक का आयोजन किया। यह बैठक विशाखापट्टनम में हिंदू व्यापारियों की मदद और उन्हें बढ़ावा देने के लिए आयोजित की गई थी।

यह बैठक विशाखापट्टनम के होटल रॉकडेल में आयोजित की गई थी और इस बैठक के मुख्य अतिथि उद्योगपति और समाजसेवी गोपाल बल्देवा थे। अध्यक्ष निर्मला वोम्मी के साथ डॉ. राधिका, रामकृष्ण, संदीप, गीता और सलाहकार श्रीनिवास चड्डा जैसे अन्य सदस्यों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाया। बैठक अध्यक्ष निर्मला वोम्मी के नेतृत्व में हुई। संस्थापक गीतेश काटे भी टीम प्रगति का उत्साहवर्धन करने के लिए इस अवसर पर उपस्थित थे।

भारी बारिश से यातायात और दैनिक जीवन प्रभावित

आईटी कॉरिडोर और प्रमुख इलाकों में जलभराव, मेट्रो और सड़कें जाम

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार तड़के से ही हैदराबाद में लगातार भारी बारिश के कारण शहर के कई हिस्सों में यातायात जाम और दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त हो गया। कई सड़कों पर पानी भर जाने से वाहनों की आवाजाही धीमी हो गई, जिससे यात्रियों को लंबी देरी का सामना करना पड़ा। विशेषकर आईटी कॉरिडोर और जीएचएमसी उपनगरों में बाढ़ और जाम देखा गया। हाइड्रा, जीएचएमसी और एचएमडब्ल्यूएसएसबी ने अवरुद्ध नालियों को साफ करने और प्रमुख चौराहों पर यातायात प्रबंधन के लिए टीमें तैनात कीं। प्रभावित मुख्य मार्गों में बीएचईएल से निजामपेट, मियापुर से कुकटपल्ली, एसआर नगर से लकडिकापुल, एबिड्स से चदरघाट, एलबी नगर से हयातनगर और जुबली हिल्स, गच्चीबावली, माधापुर, मणिकोंडा सहित अन्य क्षेत्र शामिल हैं। सुबह 8 से 11 बजे के बीच पीक आवर्स में भारी ट्रैफिक जाम रहा।

भारी बारिश और जलभराव के कारण सार्वजनिक परिवहन प्रभावित हुआ। कई लोग बस स्टॉप पर फंसे रहे, जबकि मेट्रो रेल स्टेशनों पर भीड़ देखी गई।

कुमावत सेवा समिति उप्पल का नवरात्रि जागरण 29 को

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमावत सेवा समिति उप्पल चेंगीचेरला मंदिर भवन में समाज बन्धुओं के सानिध्य में सोमवार 29 सितंबर को भव्य जागरण का आयोजन किया जाएगा।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष बाबुलाल खरनालिया, सचिव नाथुराम लारना ने संयुक्त रूप से बताया कि हर वर्ष की भांति समाज बन्धुओं के सानिध्य में माताजी का 16वाँ विशाल जागरण रात्रि 8.30 बजे से आयोजित किया जाएगा। जिसमे आस्था टी.वी. चैनल फेम सिंगर कन्हैया वैष्णव भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था सायं 7:30 बजे से कार्यक्रम स्थल पर रहेगी। 2 अक्टूबर तक प्रतिदिन रंगारंग डांडिया नृत्य का कार्यक्रम सायं 8 बजे से 12 बजे तक आयोजित किया जा रहा है।

उपरोक्त कार्यक्रम में सभी पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्यगण सपरिवार उपस्थित रहेंगे। संरक्षक चन्द्रप्रकाश मोटावत, पारसमल रेनवाल ने समाज बन्धुओं से निवेदन किया है कि नवरात्रि महोत्सव मे पुजा-अर्चना, डांडिया व भजनों के कार्यक्रम में सपरिवार पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

श्री करणीमाताजी का ग्यारहवां विशाल जागरण 30 को

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नारसिंगी कोकापेट स्थित श्री कृष्णा गौशाला कोकापेट 1 टॉवर के सामने गंडीपेट मेन रोड़ राजपूत समाज हैदराबाद के तत्वावधान मे श्री करणीमाताजी का ग्यारहवां विशाल जागरण मंगलवार 30 सितंबर रात्रि 9.15 बजे से आयोजित किया जाएगा।

प्रेस विज्ञप्ति में राजपूत समाज आयोजकों ने बताया कि हर वर्ष की भांति ग्यारहवां विशाल जागरण का आयोजन समाज बन्धुओं व भक्तों के सानिध्य में भव्य रूप से किया जाएगा। जिसमें विश्नाराम सुथार एंड पार्टी बालोतरा माई के चरणों मे भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे।

पधारे भक्तों के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था सायं 7.15 बजे से कार्यक्रम स्थल पर रहेगी। कार्यक्रम मे पधारे अतिथियों का विशेष सम्मान समाज बन्धुओं द्वारा किया जाएगा। समाज बन्धुओं व भक्तों से निवेदन है कि उपरोक्त कार्यक्रम में सपरिवार पधारकर दर्शन, भजनों व महाप्रसादी का लाभ लेवे।

सारस्वत फाउंडेशन 'टॉप 100' में

डॉ. 'उरतृप्त' 99वें स्थान पर

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सारस्वत फाउंडेशन द्वारा जारी 'वर्ष 2025 के 100 प्रमुख हिंदी साहित्यकार' सूची में डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त' 99वें स्थान पर चयनित हुए। यह उपलब्धि तेलंगाना सहित समूचे दक्षिण भारत के लिए गर्व का विषय है। इस सूची में रामदरश मिश्र, विनोद कुमार शुक्ल, मैत्रेयी पुष्पा, नासिरा शर्मा, चित्रा मुद्गल, ज्ञान चतुर्वेदी आदि जैसे प्रसिद्ध साहित्यकारों से सजी यह सूची पारंपरिक रूढ़ मानकों पर नहीं, बल्कि देश-विदेश के पांच हजार से अधिक विश्वविद्यालयी छात्रों के सर्वेक्षण पर आधारित है, जिसका उद्देश्य समकालीन हिंदी में युवाओं की पसंद, प्रभावकारी रचनाएं और वैचारिक दिशा को समझना रहा। 'उरतृप्त' केवल प्रसिद्ध व्यंग्यकार ही नहीं, बल्कि कवि और बाल साहित्य लेखक भी हैं।

ट्रांसको कर्मचारियों ने खतरे के बीच बहाल की बिजली

पेद्दापल्ली, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ट्रांसको कर्मचारियों ने शुक्रवार को पलाकुर्ती मंडल के ईसालतक्कलपल्ली के पास जोखिमपूर्ण हालात में क्षतिग्रस्त बिजली लाइनों की मरम्मत कर बिजली आपूर्ति बहाल की। लगातार बारिश से बसंतनगर को बिजली देने वाली 11 केवी फीडर लाइन कटकर एक जलाशय में गिर गई थी। सूचना मिलने पर ट्रांसको कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे और आपातकालीन मरम्मत का काम शुरू किया। टैंक पानी से लबालब भरा हुआ था, फिर भी कर्मचारी देसी नाव से क्षतिग्रस्त हिस्से तक पहुंचे और बाढ़ के पानी का सामना करते हुए काम पूरा किया।

एसबीआई ने स्वच्छता गतिविधियों का आयोजन किया

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) 2025 अभियान के तहत, एसबीआई हैदराबाद मंडल ने आज अपने स्थानीय मुख्यालय और उसके आसपास एक दिन- एक घंटा- एक साथ थीम पर आधारित स्वच्छता गतिविधियों का आयोजन किया। एसएचएस 2025 के अंतर्गत कार्य के पांच स्तंभ (स्वच्छता का परिवर्तन लक्ष्य इकाइयां (सीटीयू), स्वच्छ सार्वजनिक स्थान, सफाई मित्र सुरक्षा शिविर, स्वच्छ हरित उत्सव, स्वच्छता के लिए वकालत) राज्य के अग्रणी बैंक, भारतीय स्टेट बैंक द्वारा 17 सितंबर 2025 से शुरू हुए अभियान के दौरान कार्यान्वित किए गए।

इस कार्यक्रम का नेतृत्व मुख्य महाप्रबंधक, एस. राधाकृष्णन ने महाप्रबंधकों, उप महाप्रबंधकों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ किया।

अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया और सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता के महत्व पर जोर दिया। इस गतिविधि का उद्देश्य प्रतिभागियों में दैनिक जीवन में स्वच्छता और सफाई बनाए रखने के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना था। राधाकृष्णन ने समाज में उनके योगदान के सम्मान में सफाईमित्रों की सेवाओं की सराहना की और उन्हें स्वीकार किया। इस कार्यक्रम ने स्वच्छ भारत मिशन में योगदान देने और सरकारी पहलों का समर्थन करने के लिए एसबीआई की प्रतिबद्धता को उजागर किया।

भाकृअनुप-राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंध अकादमी में राजभाषा पखवाड़ा संपन्न

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अकादमी में अत्यंत उत्साह एवं उमंग से राजभाषा पखवाड़ा समारोह 14 से 26 सितंबर, 2025 के दौरान मनाया गया, जिसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए कई प्रतियोगिताएं जैसे निबंध, आलेखन एवं टिप्पण, गायन, केवल एक मिनट, वाद विवाद एवं अंताक्षरी इत्यादि संपन्न हुए। वैज्ञानिक समुदाय के लिए विशेषत: वैज्ञानिक लेख सार प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस समारोह के दौरान हिंदी हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया।

समापन कार्यक्रम का दि. 26 सितंबर, 2025 को मुकुल राजसिंह, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के स्वागत भाषण से शुभारंभ हुआ। डॉ.जे. रेणुका, संयुक्त निदेशक (रा.भा) ने हिंदी की गतिविधियों पर प्रकाश डाला तथा पखवाडे का वर्णन किया। डॉ. गोपाल लाल, कार्यकारी निदेशक, भाकृअनुप-नार्म अध्यक्षीय भाषण दिया।

इस अवसर पर 114वें फोकार्स बैच के वैज्ञानिक प्रशिक्षुओं व्दारा प्राप्त वैज्ञानिक लेखों के संकलन का विमोचन डॉ. गोपाल लाल, द्वारा किया गया। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया एवं प्रमाण पत्र वितरित किये गये। डॉ.जे. रेणुका, संयुक्त निदेशक (राभा) के धन्यवाद से कार्यक्रम समाप्त हुआ।

केटीआर ने चकाली एलम्मा को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 26 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने शुक्रवार को तेलंगाना सशस्त्र किसान संघर्ष की प्रतीक चित्याला चकाली एलम्मा को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने एलम्मा को साहस और लचीलेपन का प्रतीक बताया। रामाराव ने एलम्मा के दमनकारी शासन के विरुद्ध जमीन और आजीविका के लिए संघर्ष को चिरस्थायी प्रेरणा बताया। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार ने उनकी विरासत को संरक्षित रखने के लिए स्कूली पाठ्यक्रमों में उनकी जीवन गाथा शामिल की है, पालकुर्थी बाजार का नाम उनके नाम पर रखा है और उनकी जयंती व पुण्यतिथि को आधिकारिक रूप से मनाया जाता है।

18 साल से पाकिस्तान को फाइनल नहीं हरा पाया भारत

> अब तक 12 बार खिताबी मुकाबले में भिड़े टीम इंडिया 4 बार ही जीती

स्पोर्ट्स डेस्क, 26 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने एशिया कप 2025 में बांग्लादेश को हराकर फाइनल में जगह बना ली। भारत ने खिताबी मुकाबले के लिए क्वालिफाई कर लिया था। दोनों टीमें अब 28 सितंबर को दुबई में पहली बार एशिया कप के फाइनल में आमने-सामने होंगी। ग्रुप और सुपर-4 राउंड में दोनों बार टीम इंडिया ने बाजी मारी थी। भारत और पाकिस्तान के बीच इंटरनेशनल क्रिकेट में 13वीं बार किसी टूर्नामेंट या ट्राई सीरीज का फाइनल होगा। इससे पहले हुए 12 मुकाबलों में 8 बार पाकिस्तान और महज 4 बार भारत को जीत मिली। 2017 के आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में दोनों टीमें आखिरी बार खिताब के लिए भिड़ी थीं, तब भी पाकिस्तान ने ही बाजी मारी थी। भारत को आखिरी जीत 2007 के टी-20 वर्ल्ड कप में मिली थी।

वनडे में 11 फाइनल हुए, 8 पाकिस्तान जीता

भारत और पाकिस्तान के बीच पहली बार किसी भी टूर्नामेंट का फाइनल 1985 में हुआ था। यह खिताबी मुकाबला वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ क्रिकेट का था। इसे भारत ने 8 विकेट से जीता था। इसे मिलाकर दोनों टीमों ने वनडे फॉर्मेट के अलग-अलग टूर्नामेंट में 11 फाइनल खेले, 8 में पाकिस्तान और महज 3 में भारत को जीत मिली।

टी-20 फॉर्मेट में दूसरी बार फाइनल में भिड़ेंगे

मौजूदा एशिया कप टी-20 फॉर्मेट में खेला जा रहा है। इस फॉर्मेट में दोनों टीमें दूसरी बार ही एक-दूसरे के खिलाफ खिताबी मुकाबला खेलेंगी।

इकलौती बार दोनों टीमें 2007 के टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल में भिड़ीं थीं। तब एमएस धोनी की कप्तानी में टीम इंडिया ने 5 रन से खिताबी मुकाबला जीतकर पहले वर्ल्ड कप की ट्रॉफी अपने नाम की थी।

भारत ने वर्ल्ड चैंपियनशिप जीती

10 मार्च 1985 को पहली बार भारत और पाकिस्तान के बीच किसी टूर्नामेंट का फाइनल हुआ। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ क्रिकेट का यह फाइनल मेलबर्न के एमसीजी स्टेडियम में खेला गया। पहले बैटिंग करते हुए पाकिस्तान 176 रन ही बना सका। जवाब में भारत से कृष्णमचारी श्रीकांत और रवि शास्त्री ने फिफ्टी लगाकर टीम को 47.1 ओवर में 8 विकेट से जीत दिला दी। टूर्नामेंट में 7 टीमों ने हिस्सा लिया था। भारत ने पाकिस्तान को ग्रुप स्टेज में भी 6 विकेट के अंतर से हराया था। भारत ने अजेय रहते हुए खिताब पर कब्जा किया। ग्रुप स्टेज में टीम ने ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड को हराया। वहीं सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को मात दी। रवि शास्त्री प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे।

फाइनल

PAK vs IND

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ क्रिकेट

मेलबर्न, 10 मार्च 1985

मैच ब्रीफ

पाकिस्तान	भारत
176/9 (50 ओवर)	177/2 (47.1 ओवर)
बैटर्स	**बैटर्स**
जावेद मियांदाद 48 (92)	कृष्णमचारी श्रीकांत 67 (77)
इमरान खान 35* (67)	रवि शास्त्री 63* (148)
बॉलर्स	**बॉलर्स**
कपिल देव 3/23	इमरान खान 1/28
लक्ष्मण सिवरामकृष्णन 3/35	ताहिर नक्काश 1/35

भारत ने पाकिस्तान को 8 विकेट से फाइनल हराया।

आईसीसी की सूर्या को हिदायत पॉलिटिकल स्टेटमेंट न दें

उन्होंने जीत पहलगाम पीड़ितों और सेना को समर्पित की थी

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सलाह दी कि वे ऐसी कोई टिप्पणी न करें जो राजनीतिक मानी जा सके। यह सलाह आईसीसी के मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने एक आधिकारिक सुनवाई के दौरान दी। यह सुनवाई पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की शिकायत पर हुई, जिसमें सूर्यकुमार ने 14 सितंबर को भारत-पाकिस्तान मैच के बाद की गई टिप्पणियों में भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के प्रति समर्थन जताया था।

सूर्यकुमार ने इन टिप्पणियों के लिए खुद को दोषी नहीं बताया। सुनवाई में बीसीसीआई के सीओओ और क्रिकेट ऑपरेशंस मैनेजर भी सूर्यकुमार के साथ थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, रिचर्डसन ने सूर्यकुमार को समझाया कि उन्हें ऐसी टिप्पणियां नहीं करनी चाहिए जो राजनीतिक लगें।

सजा के बारे में अभी कुछ स्पष्ट नहीं है, लेकिन यह लेवल-1 का उल्लंघन है, इसलिए सूर्यकुमार को चेतावनी या 15% मैच फीस का जुर्माना हो सकता है।' वहीं, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी बुधवार को पाकिस्तानी क्रिकेटरों हारिस रऊफ और साहिबजादा फरहान के खिलाफ इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) में औपचारिक शिकायत दर्ज की है। दरअसल, 21 सितंबर को दुबई में खेले गए एशिया कप सुपर-4 मैच के दौरान दोनों ने भड़काऊ इशारे किए थे। रऊफ ने आसमान से विमान गिराने का इशारा, तो साहिबजादा ने फिफ्टी लगाने पर गन सेलिब्रेशन किया था।

कोहली के नाम से चिढ़ाने पर भड़के रऊफ

मैच में भारतीय फैंस विराट कोहली के नारे लगाकर रऊफ को चिढ़ा रहे थे। ऐसा इसलिए, क्योंकि कोहली ने 2022 टी-20 वर्ल्ड कप में मेलबर्न में खेले मैच में रऊफ की गेंदों पर लगातार दो सिक्स लगाए थे। इस पर रऊफ भड़क गए और उन्होंने आसमान में उड़ते विमानों को गिराने का इशारा किया। पाकिस्तान दावा करता है कि ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तानी सेना ने 5 भारतीय फाइटर प्लेन गिराए थे। हालांकि, उसका यह दावा आधारहीन माना जाता है। रऊफ का यह इशारा सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। भारतीय फैंस ने उनकी इस हरकत की जमकर आलोचना की और उन्हें ट्रोल किया।

रऊफ ने अभिषेक-गिल से बहस भी की

रऊफ ने अपनी गेंदबाजी के दौरान भारतीय ओपनर्स शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा को अपशब्द भी कहे। मैच के बाद अभिषेक शर्मा ने कहा कि हमने इसका जवाब बल्ले से दिया।

एक बार फिर न्यूजीलैंड क्रिकेट से जुड़े गैरी स्टीड

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। गैरी स्टीड एक बार फिर न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के साथ हाई-परफॉर्मेंस कोच के रूप में शामिल हो गए हैं। स्टीड 7 साल तक राष्ट्रीय पुरुष टीम के हेड कोच रहने के बाद तीन महीने पहले पद छोड़ चुके थे। वह न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के सबसे सफल कोच रहे हैं।

गैरी स्टीड ने कहा, न्यूजीलैंड क्रिकेट करीब 30 वर्षों से मेरे दिल के बेहद करीब रहा है। जिस खेल से मैं प्यार करता हूं, उसमें योगदान जारी रखना बहुत खास है। मैं अब भी कोचिंग को लेकर जुनूनी हूं। खिलाड़ियों को सीखने और बेहतर बनाने में मदद करना चाहता हूं। अगर मैं अपना कौशल और अनुभव क्रिकेट जगत के साथ साझा कर सका और इसके जरिए 'ब्लैककैप्स'और 'व्हाइट फर्न्स' को विश्व स्तर पर जीतने में सहयोग कर सका, तो यह मेरे लिए बेहद संतोषजनक होगा। उन्होंने कहा, मुझे न्यूजीलैंड क्रिकेट से बाहर काम करने का मौका मिला, जिससे मैं अपने कौशल और अनुभव को और व्यापक बना सका। मैं इसकी सराहना करता हूं। उम्मीद है कि मैं जो कुछ सीखूंगा, उसे वापस हमारे क्रिकेट माहौल में ला पाऊंगा। स्टीड भारत में आंध्र क्रिकेट संघ के साथ पुरुष टीम के हेड कोच के तौर पर काम कर रहे हैं। इसके अलावा, उन्होंने शीतकालीन प्री-सीजन में ओटागो क्रिकेट को अंतरिम कोचिंग सहायता प्रदान की। इस महीने वह न्यूजीलैंड अंडर-19 कैंप से भी जुड़े रहे। न्यूजीलैंड के चीफ हाई-परफॉर्मेंस ऑफिसर डेरिल गिब्सन ने कहा, गैरी का क्रिकेट संबंधी ज्ञान और अनुभव बेहद व्यापक है।

वह अब भी खेल के प्रति जुनूनी और प्रेरित हैं। उनके आगमन से हमारे राष्ट्रीय और घरेलू कोच, खिलाड़ियों और स्टाफ को उनके अनुभव और विशेषज्ञता का लाभ मिलेगा। स्टीड ने पुरुष राष्ट्रीय टीम के हेड कोच के रूप में 2021 में पहला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप खिताब जीता।

शमार जोसेफ भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर

स्पोर्ट्स डेस्क, 26 सितंबर (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शमार जोसेफ चोट की वजह से भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह नए तेज गेंदबाज जोहान लेन को टीम में शामिल किया गया है।

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने एक ट्वीट में इसकी जानकारी दी। लेन ने अब तक किसी भी फॉर्मेट में डेब्यू नहीं किया है। ट्वीट में बताया गया कि जोसेफ चोटिल हो गए और बांग्लादेश के लिमिटेड ओवर के दौरे से पहले उनकी फिर से जांच की जाएगी लेकिन चोट किस तरह की है, ये नहीं बताया गया है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में खेला जाएगा।

छह पारियों में चार बार शून्य पर आउट हुए सैम अयूब

> अनचाहे क्लब में हुए शामिल > शाहिद अफरीदी को पछाड़ा

बल्लेबाज	मैच	शून्य पर आउट
उमर अकमल	84	10
सैम अयूब	47	09
शाहिद अफरीदी	98	08

दुबई, 26 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज सैम अयूब का बल्ला एशिया कप में खामोश है जो टीम के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। मौजूदा एशिया कप में अयूब छह पारियों में चार बार शून्य पर आउट हुए हैं।

यह एशिया कप के एक संस्करण में किसी बल्लेबाज द्वारा सर्वाधिक बार शून्य पर आउट होना है। इतना ही नहीं, अयूब टी20 अंतरराष्ट्रीय सर्वाधिक बार खाता खोले बिना आउट होने वाले पाकिस्तान के दूसरे बल्लेबाज भी बन गए हैं। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच गुरुवार को एशिया कप के सुपर चार चरण का मैच हुआ जिसमें अयूब तीन गेंदें खेलकर खाता खोले बिना आउट हुए। उन्हें मेहदी हसन ने अपना शिकार बनाया। अयूब मौजूदा टूर्नामेंट में छह पारियों में 3.8 की औसत से 23 रन बना सके हैं।

उन्होंने अब तक एक बार दहाई अंक पार किया है। अयूब ने भारत के खिलाफ सुपर चार के मैच में 21 रन बनाए थे। एशिया कप के टी20 प्रारूप में अयूब सर्वाधिक बार शून्य पर आउट होने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। 2016 में मशरफे मुर्तजा तीन बार खाता खोले बिना पवेलियन लौटे थे। अयूब पाकिस्तान के दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं जो टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक बार खाता खोले बिना आउट हुए हैं। उन्होंने इस मामले में पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी को पीछे छोड़ दिया है। अयूब टी20 में नौ बार शून्य पर आउट हुए हैं, जबकि अफरीदी अपने टी20 करियर में आठ बार खाता खोले बिना पवेलियन लौटे हैं। पाकिस्तान के लिए सबसे छोटे प्रारूप में सर्वाधिक बार शून्य पर आउट होने का अनचाहा रिकॉर्ड उमर अकमल के नाम है जो 10 बार खाता खोले बिना आउट हुए हैं। मैच की बात करें तो पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 11 रन से हराकर एशिया कप 2025 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उसका सामना खिताबी मुकाबले में भारत से होगा। यह मैच 28 सितंबर यानी रविवार को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम पर ही खेला जाएगा।

केएल राहुल ने ठोका शानदार शतक

कंगारुओं की सारी हेकड़ी धरी की धरी रह गई, बीमार होकर भी नहीं मानी हार

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। लखनऊ में भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच दूसरा अनौपचारिक टेस्ट मैच चल रहा है। मैच के चौथे दिन, केएल राहुल ने शानदार शतक जड़ा है। उन्होंने सिर्फ 136 गेंदों पर ये कारनामा किया। केएल राहुल की इस पारी के कारण इंडिया ए की टीम जीत के करीब धीरे-धीरे पहुंच रही है। बता दें कि केएल राहुल ने बीमार होने के बाद भी हार नहीं मानी और वह खेलने के लिए उतरे।

बुखार के कारण मैदान से निकल गए थे बाहर

मैच के तीसरे दिन केएल राहुल 74 रन पर रिटायर्ड हर्ट हो गए। हालांकि, वे किसी चोट के कारण नहीं, बल्कि बुखार के कारण मैदान से बाहर गए। भारत को यह मैच जीतने के लिए 412 रनों का लक्ष्य मिला है। इस बीच, चयनकर्ताओं ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए केएल राहुल को भारतीय टीम में शामिल किया है। जीत के करीब बढ़ रही टीम इंडिया भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए की टीमें लखनऊ में आमने-सामने हैं। ऑस्ट्रेलिया ए ने मैच पर अपनी पकड़ मजबूत बना रखी है।

भारत ने केएल राहुत का शतक होने तक तीन विकेट खोकर 246 रन बना लिए हैं और टीम इंडिया को यहां से जीत के लिए 166 रनों की जरूरत है। केएल राहुल इस मैच में साई सुदर्शन के साथ काफी अच्छी साझेदारी कर रहे है। सुदर्शन भी अपने शतक के काफी करीब हैं।

हालांकि खेल के तीसरे दिन राहुल के रिटायर्ड हर्ट होने से टीम इंडिया को एक बड़ा झटका लगा थी, लेकिन राहुल ने अगले दिन फिर से बल्लेबाजी करने लिए उतरकर यह साबित कर दिया कि वह टीम इंडिया के लिए कुछ भी कर सकते हैं। शुरुआत में, कई लोगों को लगा कि उन्हें कोई अंदरूनी चोट लगी है। लेकिन रिपोर्ट के अनुसार, केएल राहुल को बुखार था। इसलिए उन्होंने मैदान से वापस जाने का फैसला किया था। केएल राहुल ने अपनी इस पारी के दौरान अभी तक 12 चौके जड़े हैं।

एशिया कप फाइनल मुकाबले से पहले अख्तर ने पाक टीम को दी नसीहत

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान की टीमें पहली बार एशिया कप के फाइनल में एक दूसरे का सामना करेंगी। दोनों टीमों के बीच इससे पहले मौजूदा टूर्नामेंट में दो बार भिड़ंत हुई है जहां दोनों ही बार भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी टीम को मात दी है। इसमें कोई शक नहीं है कि खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी, लेकिन पाकिस्तान के दिग्गज तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने अपनी टीम को बताया है कि भारत के खिलाफ किस रणनीति पर आगे बढ़ें।

बांग्लादेश को हराकर फाइनल में पहुंचा पाकिस्तान

पाकिस्तान ने बांग्लादेश को सुपर चार चरण के मैच में हराकर फाइनल के लिए क्वालिफाई किया है। पाकिस्तान का प्रदर्शन बल्लेबाजी में खराब रहा है, लेकिन टीम गेंदबाजों के दम पर फाइनल में पहुंचने में सफल रही है। अख्तर भारतीय टीम के दबदबे से पूरी तरह अवगत हैं, इसलिए उन्होंने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से अपनी मानसिकता बदलने और भारत का दबदबा खत्म करने कहा है। अख्तर ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, इस मानसिकता से बाहर निकलो उनके दबदबे को किनारे रखो। बस उनके दबदबे को तोड़ दो। बस इसी मानसिकता के साथ खेलो जो तुमने बांग्लादेश के खिलाफ मैच में दिखाई थी। तुम्हें इसी तरह की मानसिकता की जरूरत है। तुम्हें 20 ओवर गेंदबाजी करने की जरूरत नहीं है, तुम्हें बस विकेट लेने की जरूरत है। अख्तर चाहते हैं कि पाकिस्तान अभिषेक शर्मा पर ध्यान केंद्रित करें जो टूर्नामेंट में शानदार लय में दिख रहे हैं।

विराट कोहली सबसे बड़े ब्रांड बने, शाहरुख को पीछे छोड़ा

सेलिब्रिटी ब्रांड वैल्यूएशन रिपोर्ट 2024

नई दिल्ली, 26 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के टॉप 25 सेलिब्रिटीज की कुल ब्रांड वैल्यू 2 अरब डॉलर (करीब 16,700 करोड़ रुपए) तक पहुंच गई है। यह पिछले साल के मुकाबले 8.6% ज्यादा है। क्रोल की 'सेलिब्रिटी ब्रांड वैल्यूएशन रिपोर्ट 2024' के मुताबिक, विराट कोहली 231.1 मिलियन डॉलर (करीब 2,050 करोड़ रुपए) की ब्रांड वैल्यू के साथ नंबर-1 पर हैं। उन्होंने शाहरुख खान को पीछे छोड़ दिया है। दूसरे नंबर पर रणवीर सिंह हैं, जिनकी ब्रांड वैल्यू 1,416.81 करोड़ रुपए है। शाहरुख खान तीसरे नंबर पर हैं, लेकिन उनकी ब्रांड वैल्यू में 21% की बढ़ोतरी हुई है और अब यह 1,209.31 करोड़ रुपए हो गई है।

विराट कोहली टेस्ट और टी-20 से संन्यास ले चुके हैं

विराट कोहली इस साल मई में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। वहीं, उन्होंने पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टी-20 से रिटायरमेंट ले लिया था।

साउथ की फिल्मों का दबदबा

रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत के एंटरटेनमेंट सेक्टर में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। अब दक्षिण भारतीय फिल्में 47.7% मार्केट शेयर के साथ हिंदी फिल्मों (39.5%) से आगे निकल गई हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स की कमाई भी तेजी से बढ़ रही है और बड़ी फिल्मों की आधे से ज्यादा कमाई अब इन्हीं से हो रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में स्पोर्ट्स स्टार्स और एक्टर्स की पॉपुलैरिटी लगातार बढ़ रही है।

महिला सेलिब्रिटीज में आलिया भट्ट सबसे आगे

महिला सेलिब्रिटीज में आलिया भट्ट सबसे आगे हैं। वह चौथे नंबर पर हैं और उनकी ब्रांड वैल्यू 966.12 करोड़ रुपए है। क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर ने भी टॉप-5 में वापसी की है। उनकी ब्रांड वैल्यू 931.26 करोड़ रुपए है, जो नए एंडोर्समेंट्स की वजह से बढ़ी है।

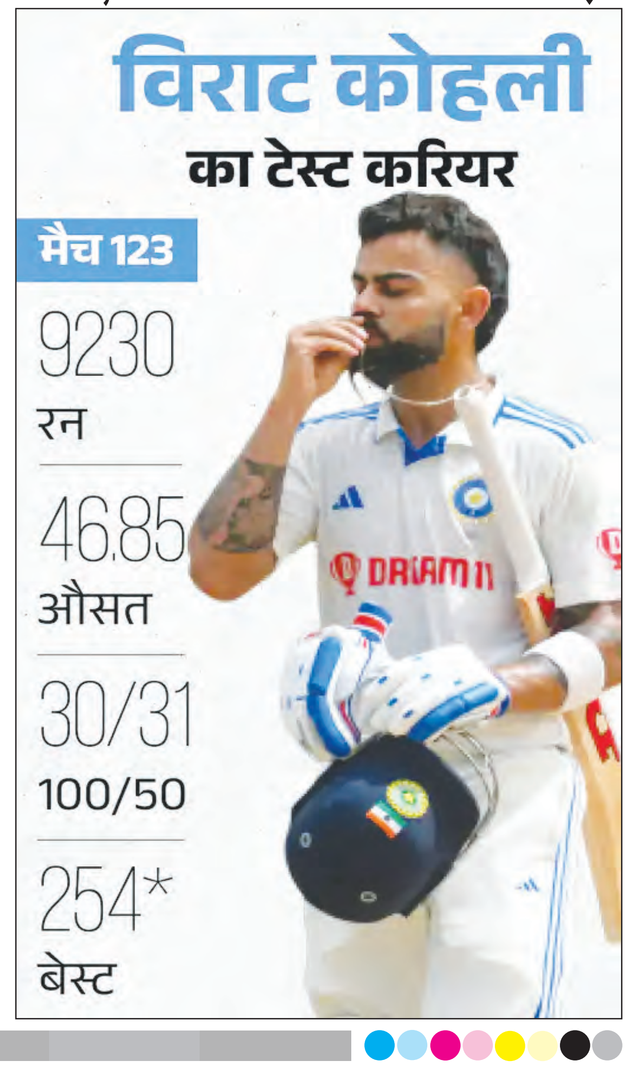

टिहरी क्वीन्स ने रोमांचक मुकाबले में मसूरी थंडर्स को तीन विकेट से हराया

देहरादून, 26 सितंबर (एजेंसियां)। ग्रुप स्टेज के आखिरी मुकाबले में मसूरी थंडर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 101/5 रन बनाए।

रीना जिंदल ने 40 गेंदों में 34 रन बनाकर पारी को संभाला। उनके साथ ओपनर कंचन परिहार (21), सिदरा फारुखी (16) और कप्तान अमीषा बहुखंडी (12) ने उपयोगी योगदान दिया, जबकि बाकी बल्लेबाज दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सके। कप्तान नीलम भारद्वाज ने 10 गेंदों पर 11 रन बनाए और चौथे ओवर तक स्कोर 27 तक पहुंचाया, लेकिन उन्हें तारा बिष्ट ने पवेलियन भेज दिया। इसके बाद ओपनर आरती भंडारी और अंकिता बिष्ट ने चौथे विकेट के लिए 47 रन की अहम साझेदारी निभाई। अंकिता बिष्ट ने रन-ए-बॉल 30 रन बनाए, जबकि आरती भंडारी ने 34 गेंदों पर 26 रन बनाए। हालांकि, बीच के ओवरों में लगातार विकेट गिरने से टिहरी क्वीन्स का स्कोर 94/7 हो गया। कप्तान अमीषा बहुखंडी ने भी एक विकेट झटका।

लेकिन यशिका बौंठियाल और कनिका नेगी ने दबाव में संयम रखा और आखिरी ओवर में यशिका की चौके ने टिहरी क्वीन्स को जीत दिला दी।

साई सुदर्शन ने चौथी पारी में ठोका शतक

लखनऊ, 26 सितंबर (एजेंसियां)। इकाना स्टेडियम में भारत और ऑस्ट्रेलिया की ए टीमों के बीच अनाधिकारिक टेस्ट मैच खेला जा रहा है। भारतीय टीम को 2 अक्टूबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट खेलना है। उस टीम के कई खिलाड़ी इस सीरीज में हिस्सा ले रहे हैं। इसमें साई सुदर्शन का नाम भी शामिल है। तमिलनाडु के इस युवा बल्लेबाज ने मैच की चौथी पारी में शतक लगा दिया है। सुदर्शन से पहले सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने भी शतक ठोका था। साई सुदर्शन ने चौथे दिन लंच के बाद अपना शतक पूरा किया। 170 गेंदों पर वह शतक तक पहुंचे। सेंचुरी तक पहुंचने के दौरान उन्होंने अपनी पारी में 9 चौकों के अलावा एक छक्का लगाया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.